जबलपुर रविवार 14 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अमावस्या
वर्ष 31 अंक 345 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

अब हर रोज
दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 36.8°C
न्यूनतम तापमान 23.8°C
सूर्योदय -5.24 | सूर्यास्त - 6.57

अधिवक्ता संघ बुढार के उपाध्यक्ष हेतु संतशरण मिश्रा ने भरा ⏩ 2

'यादें' की खासियत है रिलेटेबल कहानियों में ताज़गी ⏩ 7

प्रदूषण नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई ⏩ 9

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे थल सेना प्रमुख

नई दिल्ली। भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ भारतीय थल सेना के अगले प्रमुख होंगे। वह 30 जून, 2026 की दोपहर को जनरल का पदभार संभालेंगे। वर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी 30 जून, 2026 को अपनी सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिसके बाद वर्तमान में थल सेना के उप-प्रमुख के रूप में सेवा दे रहे लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ सेना की कमान अपने हाथों में लेंगे। लगभग चार दशकों के अपने शानदार सैन्य करियर में उन्होंने सेना के आधुनिकीकरण और युद्ध में अभूतपूर्व योगदान दिया है।

फ्रांस में होगी पीएम मोदी-ट्रंप की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को फ्रांस और स्लोवाकिया के छह दिवसीय दौरे पर रवाना हुए। पीएम मोदी इन दोनों देशों की द्विपक्षीय आधिकारिक यात्रा करने के साथ ही फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा भी लेंगे। भारतीय पीएम की इस यात्रा के दौरान प्रौद्योगिकी क्षेत्र में चर्चा काफी अहम रहेगी, लेकिन उनकी वैश्विक नेताओं के साथ होने वाली बैठकों पर नजर रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी की इस दौरे पर राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात होगी। व्हाइट हाउस ने इस मुलाकात की पुष्टि की है।

भारतीय सेना में बना नया इतिहास

एनडीए की पहली महिला कैडेट्स आईएमए से पास आउट, राष्ट्रपति ने बताया ऐतिहासिक मोड़

नई दिल्ली

भारतीय सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता और महिला नेतृत्व की दिशा में शनिवार को एक बेहद ऐतिहासिक और गौरवशाली मील का पत्थर स्थापित हुआ है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के दरवाजे महिलाओं के लिए खोले जाने के बाद साल 2022 में प्रवेश पाने वाली महिला कैडेट्स का पहला बैच अपनी ट्रेनिंग पूरी कर आधिकारिक तौर पर भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में कमीशन हो गया है। इन महिला कैडेट्स ने देहरादून स्थित इंडियन मिलिट्री अकादमी से अपनी अंतिम पासिंग आउट परेड पूरी की। भारतीय सैन्य अकादमी में 158वें रेगुलर कोर्स

और 141वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स की पासिंग आउट परेड की समीक्षा मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मू ने की। उन्होंने इस परेड मैदान में नौ महिला कैडेट्स की भागीदारी को अकादमी के इतिहास में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी मोड़ बताया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने परेड ग्राउंड पर देश सेवा के संकल्प के साथ कदमताल करती नौ महिला कैडेट्स को देखकर विशेष प्रसन्नता व्यक्त की। ये नौ महिलाएं एनडीए से प्रशिक्षित होकर आई और आईएमए में अपना अंतिम वर्ष का प्री-कमीशन प्रशिक्षण पूरा कर इतिहास रचने वाली देश की पहली महिला सैन्य अधिकारी बन गई हैं। परेड को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि यह आईएमए के इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण है। यह न केवल भारत के रक्षा बलों के इतिहास में एक मील का पत्थर है, बल्कि महिला नेतृत्व वाले विकास की ओर भारत के बढ़ते कदमों का एक प्रेरक उदाहरण भी है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से परेड ग्राउंड तक का सफर

इन महिला अधिकारियों का सेना में शामिल होना एक बेहद लंबी और परिवर्तनकारी यात्रा का सुखद परिणाम है। दशकों पुरानी पुरुष-प्रधान परंपरा को तोड़ते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले के जरिए महिलाओं के लिए एनडीए के रास्ते खोले थे। खड़कवासला (पुणे) स्थित एनडीए में तीन साल के कड़े सैन्य और शैक्षणिक प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, इन महिला कैडेट्स को उनके अंतिम वर्ष के विशेष प्रशिक्षण के लिए आईएमए भेजा गया था, जिसे पूरा कर आज उन्होंने देश के सामने अपनी योग्यता को साबित किया है। पिछले एक दशक में भारतीय सेना में महिलाओं की भूमिका का लगातार विस्तार हुआ है। उन्हें कॉम्बैट-सपोर्ट भूमिकाओं में शामिल करने से लेकर कई महत्वपूर्ण शाखाओं में स्थाई कमीशन दिया गया है। अब इस पहले एनडीए बैच के आने से अग्रिम मोर्चों और ऑपरेशनल एपॉइंटमेंट में महिलाओं की भागीदारी और अधिक मजबूत होगी।

140 करोड़ भारतीयों के सुरक्षा की जिम्मेदारी

राष्ट्रपति ने देश के सबसे कठिन सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से एक को पूरा करने वाले सभी नवनियुक्त सैन्य अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने याद दिलाया कि अब उनके कंधों पर देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, क्योंकि उन पर 140 करोड़ से अधिक भारतीयों का अटूट विश्वास है। उन्होंने युवा अधिकारियों से बदलते सुरक्षा परिदृश्यों, तीव्र तकनीकी बदलावों और जटिल वैश्विक खतरों के सामने हमेशा सतर्क और अनुकूल रहने का आह्वान किया। इस पासिंग आउट परेड में भारत के मित्र देशों के विदेशी कैडेट्स ने भी हिस्सा लिया। राष्ट्रपति ने उनकी सराहना करते हुए कहा कि विदेशी कैडेट्स की उपस्थिति सैन्य प्रशिक्षण और पेशेवर आदान-प्रदान के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय साझेदारी, आपसी विश्वास और वैश्विक रक्षा सहयोग को मजबूत करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस दीक्षांत समारोह में कुल 481 भारतीय अधिकारी कैडेट्स और 16 मित्र देशों के 34 विदेशी अधिकारी कैडेट्स आईएमए से पास आउट हुए।

देश ने खो दिए 5 जांबाज

असम में वायुसेना का प्लेन क्रैश, कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश

नई दिल्ली। असम के जोरहाट एयरबेस पर भारतीय वायुसेना का एक 'एंतोनोव एन-32' परिवहन विमान क्रैश हो गया है। वायुसेना के अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस दर्दनाक हादसे में वायुसेना के पांच बहादुर जवानों ने देश की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। हालांकि, राहत की बात यह है कि विमान के को-पायलट इस हादसे में सुरक्षित बच गए हैं, जिन्हें गंभीर चोटें आई हैं। अस्पताल में उनका इलाज जारी है। वायुसेना ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि भारतीय वायुसेना शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है। दुख की इस घड़ी में पूरी वायुसेना शहीदों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए भारतीय वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों ने इस बात की उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी है कि आखिर यह दुर्घटना कैसे हुई। जोरहाट एयरबेस के पास हुए इस क्रैश के पीछे क्या कारण थे- क्या कोई तकनीकी खराबी थी, इंजन फेलियर हुआ था या मौसम की खराबी की वजह से यह हादसा हुआ- इन सभी पहलुओं की बारीकी से जांच करने के लिए 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' गठित की गई है। बचे हुए को-पायलट का बयान भी इस जांच में बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा, क्योंकि वे ही हादसे के समय कॉकपिट में मौजूद थे।

शहीद हुए जांबाज सैन्य कर्मी

1. स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह
2. फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार
3. सार्जेंट जितेंद्र शर्मा
4. अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत
5. अग्निवीरवायु दानिश आलम

राहुल राजस्थान से करेंगे पेपरलीक के खिलाफ आंदोलन की शुरुआत

जयपुर।

नीट पेपरलीक मामले के बाद अब कांग्रेस ने इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। इसकी शुरुआत 17 जून से कोटा से की जाएगी। राहुल गांधी 17 जून को कोटा में स्टूडेंट सम्मेलन करेंगे। इस सम्मेलन में पेपरलीक और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर राहुल गांधी स्टूडेंट्स से बात करेंगे। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। वेणुगोपाल ने कहा- राहुल गांधी देश के छात्रों और युवाओं के लिए लगातार आवाज उठाने में एक विश्वसनीय आवाज बनकर उभरे हैं। कोटा के बाद 10 जुलाई को प्रयागराज, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में स्टूडेंट सम्मेलन होंगे। वेणुगोपाल ने कहा- स्टूडेंट सम्मेलनों में प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों, युवा

संगठनों, शिक्षकों और पेपरलीक घोटालों से सीधे प्रभावित सभी लोगों को एक साथ लाया जाएगा। यह अभियान उन लाखों युवा भारतीयों की समस्याओं को सामने लाएगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और एक निष्पक्ष पारदर्शी भर्ती प्रणाली नहीं होने से प्रभावित हो रहा है।

युवा अपने अनुभव साझा करेंगे

वेणुगोपाल ने कहा कि इन सम्मेलनों में पेपरलीक और भर्ती घोटालों से प्रभावित युवाओं को अपने अनुभव साझा करने का मंच मिलेगा। बार-बार होने वाली परीक्षा विफलताओं व पेपर लीक घोटालों के लिए जवाबदेही तय करने की मांग करने का भी अवसर होगा। वेणुगापाल ने कहा- इस देशव्यापी अभियान के तहत देश भर में एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस के साथ सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटियों और जिला कांग्रेस कमेटियां छात्रों को लामबंद करेंगी। छात्रों और शिक्षकों से कॉन्टैक्ट करके पेपरलीक के खिलाफ लामबंद होकर सुधार पर जोर दिया जाएगा।

जबलपुर में जिंदा जले हरियाणा के कार सवार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश के जबलपुर में शनिवार शाम तेज रफ्तार हाईवा डंपर और स्कॉर्पियो की टक्कर हो गई। हरियाणा के 2 युवकों की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसे के बाद स्कॉर्पियो में आग लग गई। दोनों युवक वाहन के अंदर ही फंस गए। हादसा जबलपुर से करीब 30 किमी दूर बरेला के शारदा मंदिर के पास हुआ। एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया- हादसे में जान गंवाने वाले दोनों युवक हरियाणा के भिवानी जिले के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान बौंद कलां निवासी परवीन शर्मा और खेड़ी बूरा निवासी मोनू शर्मा के रूप में हुई है। स्कॉर्पियो रोहतक निवासी गौरव कुमार की थी, जो

मोटर कार के कारोबार से जुड़े हैं। मोनू और परवीन ड्राइवर के रूप में काम करते थे। दोनों काम से रायपुर गए थे। वहां से वापस रोहतक लौट रहे थे। पुलिस ने वाहन मालिक को सूचना दे दी है, जबकि मृतकों के परिजन हरियाणा से जबलपुर के लिए रवाना हो चुके हैं।

महाराष्ट्र में 'ऑपरेशन टाइगर' की सुगबुगाहट

उद्धव ने बुलाई आपात बैठक, 7 सांसदों के शिंदे गुट में जाने की चर्चा

मुंबई। सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मिलने वाले हैं। उनकी इस मुलाकात के बाद की प्रगति देखकर महाराष्ट्र में भी शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (शरदचंद्र पवार) के सांसद कोई नया कदम उठा सकते हैं। हार के बाद तृणमूल कांग्रेस में चल रही भगदड़ से डरी शिवसेना (यूबीटी) ने सोमवार को ही अपने संसदीय दल की बैठक बुलाई है। पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे निवास मातोश्री पर बुलाई गई इस बैठक में उद्धव ठाकरे स्वयं सांसदों से बात कर उनके मन की भावनाएं जानने का प्रयास करेंगे। क्योंकि पिछले कई दिनों से चर्चा चल रही है कि यूबीटी के नौ में से सात सांसद पार्टी छोड़कर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का दामन थामने वाले हैं। इस प्रक्रिया को 'ऑपरेशन टाइगर' नाम दिया जा रहा है। पता चला है कि हाल ही में एकनाथ शिंदे की दिल्ली यात्रा के दौरान इन सांसदों ने उनसे मुलाकात की थी। इससे पहले भी सात सांसदों के पार्टी छोड़ने की चर्चा छिड़ी थी। तब दक्षिण मुंबई के सांसद अरविंद सावंत ने पत्रकारों के सामने ही एक लंबा शपथ पत्र अपने हाथ से से लिखकर गारंटी दी थी कि वह कहीं नहीं जाने वाले।

असम में 18 वर्ष से अधिक उम्र वालों का अब नहीं बनेगा आधार कार्ड

गुवाहाटी। असम सरकार ने राज्य में घुसपैठ पर लगाम लगाने के लिए एक बेहद कड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अब राज्य में 18 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को आधार कार्ड जारी नहीं किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इस सख्त कदम से अवैध प्रवासियों को भारत का यह महत्वपूर्ण पहचान दस्तावेज हासिल करने से रोका जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि राज्य के कुछ जिलों में आधार कार्ड का वितरण शत-प्रतिशत की सीमा को भी पार कर चुका है, जो एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसे में यह जांचना बेहद जरूरी हो गया है कि ये अतिरिक्त कार्ड आखिर किन लोगों को जारी हुए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह प्रतिबंध पूर्ण रूप से लागू होगा, लेकिन अत्यंत असाधारण मामलों में कुछ ढील दी जा सकती है।

'कांग्रेस कोई डूबता हुआ जहाज नहीं'

संजय राउत ने पुराने सहयोगियों से फिर से एकजुट होने की अपील की

मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने आज शनिवार को कांग्रेस से अलग हुए दलों से फिर से एकजुट होने का आग्रह किया और कहा कि बीजेपी से लड़ने के लिए कांग्रेस को मजबूत करने की जरूरत है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में टिप्पणी की थी कि कांग्रेस एक डूबता हुआ जहाज है। इस बात को खारिज करते हुए संजय राउत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अभी भी एक महत्वपूर्ण राजनीतिक ताकत बनी हुई है। संजय राउत ने पत्रकारों से कहा, आज भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस से डरते हैं। कांग्रेस कभी भी डूबता हुआ जहाज नहीं रही। विपक्ष की एकता का आह्वान करते हुए, राज्यसभा सांसद ने एनसीपी (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार से अपील की कि वे कांग्रेस के पुराने सहयोगियों और नेताओं को एक मंच पर लाने के प्रयासों

का नेतृत्व करें। राउत ने कहा, अगर हम वास्तव में बीजेपी की विकृत राजनीति के खिलाफ लड़ना चाहते हैं तो सभी को एकजुट होना होगा। कांग्रेस पार्टी को मजबूत होना चाहिए। संजय राउत ने आगे कहा, कांग्रेस छोड़ने वाले सभी नेताओं को सबसे पहले एक साथ आना चाहिए। अगर वरिष्ठ नेता शरद पवार पहल करते हैं, तो यह संभव होगा। हम एक क्षेत्रीय पार्टी हैं और हम आपके साथ खड़े रहेंगे। राउत की यह टिप्पणी फडणवीस के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि कोई भी समझदार व्यक्ति कांग्रेस के उस जहाज पर सवार नहीं होगा, जो कि डूब रहा है।

कांग्रेस के साथ जुड़ने की जरूरत

संजय राउत पहले भी इसी तरह की बात कह चुके हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में, उन्होंने कहा था कि टीएमसी और एनसीपी (एसपी) जैसी पार्टियां, जिनकी जड़ें कांग्रेस में हैं, उन्हें इस पुरानी पार्टी के साथ फिर से जुड़ जाना चाहिए और इसे समय की जरूरत बताया। राउत ने बीजेपी पर भी तीखा हमला किया और देश के इतिहास के अहम मौकों पर उसके योगदान पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, बीजेपी ने वास्तव में जो काम किया है, उसका एक प्रतिशत भी दिखाएं। वे न तो स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा थे और न ही उन्होंने संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन में भाग लिया। इन आंदोलनों के दौरान वे कहीं नहीं थे। ये कायर लोग हैं।

बेहतर नीति निर्माण के लिए जनभागीदारी आवश्यक

समान नागरिक संहिता के बारे में 22 जून तक सुझाव आमंत्रित

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समान नागरिक संहिता के संबंध में नीति निर्माण जनसामान्य के सुझावों के आधार पर किया जाएगा। बेहतर नीति निर्माण के लिए बेहतर जनभागीदारी आवश्यक है। प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक संख्या सुझाव आमंत्रित करने के लिए सभी जिलों में जागरूकता अभियान चलाया जाए। नगरीय क्षेत्रों के साथ-साथ ग्राम स्तर तक नागरिकों को अपना अभिमत देने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। नगरीय स्तर पर स्कूल-कॉलेजों में गतिविधियां संचालित करें, सामाजिक-व्यापारिक संस्थाओं, बार कॉउंसिल आदि में चर्चा के सत्र आयोजित कर जनसामान्य से अपनी राय प्रकट करने के लिए कहा जाए। शासकीय अधिकारी-कर्मचारी भी समान नागरिक संहिता के संबंध में भी अपने सुझाव दें। ग्राम स्तर पर रोजगार सहायक, पंचायत सचिव आदि इस विषय पर चर्चा को प्रोत्साहित करें। इस संबंध में विशेष ग्राम सभा की बैठक भी आयोजित की जा सकती है। सभी जिला कलेक्टर इस

गतिविधि को प्राथमिकता पर लें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश शनिवार को समान नागरिक संहिता जागरूकता अभियान पर जिला कलेक्टर्स की वीसी में दिए। मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में आयोजित बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, अनुपम राजन और शिवशेखर शुक्ला उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समान नागरिक संहिता के उद्देश्य और प्रक्रिया की जानकारी का विस्तार करने के लिए जनप्रतिनिधियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने की जरूरत बताई। उन्होंने स्व-सहायता समूहों, महिला मंडलों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में विभिन्न व्यक्तिगत तथा पारिवारिक विधियों के अंतर्गत विवाह, विवाह-विच्छेद, भरण-पोषण, उत्तराधिकार आदि विषयों से संबंधित पृथक-पृथक प्रावधानों का समग्र परीक्षण कर विधिक संरचना विकसित करने की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए राज्य शासन द्वारा विषय के विधिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक पहलुओं का विस्तृत अध्ययन कर समान नागरिक संहिता के संबंध में अनुशंसाओं को प्रस्तुत करने के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति द्वारा जिलों का भ्रमण कर लोगों को अपने सुझाव प्रेषित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

वेबसाइट पर देना है सुझाव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समान नागरिक संहिता के बारे में 22 जून तक सुझाव आमंत्रित हैं। इसके लिए विशेष रूप से वेबसाइट का विमोचन किया गया है, जिस पर सुझाव देने की प्रक्रिया बहुत सरल है। वेबसाइट के फॉर्म में केवल नाम, लिंग, धर्म, संभाग, जिला, पता और मोबाइल नंबर अंकित करना है। कुल 12 प्रश्नों का उत्तर हाँ या ना में दिया जाना है। मोबाइल ओटीपी से सत्यापित करने से सुझाव जमा हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस संबंध में जिला स्तर पर संचालित गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त की।

बारिश और बादलों से 'हारा' पारा

आंत्रशोध और पानी से जुड़ी बीमारियों ने पसारे पैर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संस्कारधानी में इन दिनों मौसम के मिजाज में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। शनिवार को भी शहर में सुबह से ही धूप और छांव का सिलसिला लगातार जारी रहा। आसमान में बादलों की आवाजाही तो बनी रही, लेकिन वे बिना बरसे ही आगे निकल गए, जिसके चलते वातावरण में उमस ग्राफ काफी बढ़ गया है पर तापमान में कमी नजर आयी। चिलचिलाती धूप और हवा में मौजूद भारी नमी के कारण आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। शनिवार को अधिकतम तापमान 36.8 तो वहीं न्यूनतम तापमान 23.8 दर्ज किया गया हालंकि तापमान में गिरावट आयी पर दोपहर के समय सड़कों पर लोग काम दिखाई दिए।

ख़राब पानी से हो सकता है खतरा-मौसम के इस दोहरे रुख और अत्यधिक उमस ने शहरवासियों की सेहत पर सीधा हमला बोला है। उमस भरी गर्मी के कारण इन दिनों शहर में आंत्रशोध, उल्टी, दस्त, डिहाइड्रेशन और पेट से जुड़ी अन्य गंभीर समस्याओं से पीड़ित लोगों की संख्या में इजाफा हुआ है। जिला अस्पताल से लेकर निजी क्लीनिकों और मेडिकल कॉलेज में मरीजों, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों की कतारें देखने मिल रही हैं। डॉक्टरों के अनुसार, तापमान में बार-बार हो रहे बदलाव और इस मौसम में बैक्टीरिया के तेजी से पनपने के कारण पाचन क्रिया प्रभावित हो रही है, जिससे लोग मौसमी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं।

दूषित पानी पीने से हर हाल में बचें

इस समय शरीर को हाइड्रेटेड रखना सबसे जरूरी है, लेकिन उससे भी कहीं अधिक आवश्यक यह सुनिश्चित करना है कि जो पानी आप पी रहे हैं, वह पूरी तरह शुद्ध हो। दूषित या खराब पानी पीना इस मौसम में आंत्रशोध और टायफाइड जैसी बीमारियों का सबसे बड़ा कारण बन रहा है। घरों में सप्लाई होने वाले पानी को छानकर और अच्छी तरह उबालकर ही ठंडा करके पीएं, ताकि पानी में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया नष्ट हो सकें। जब तक मानसून की नियमित और झमाझम बारिश से राहत नहीं मिलती, तब तक सेहत के प्रति थोड़ी सी भी लापरवाही भारी पड़ सकती है।

निगमायुक्त ने की पांच विभागों की मैदानी समीक्षा

अधिकारियों को गुणवत्ता और गति की कमान संभालने की नसीहत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मैदानी निरीक्षण के बाद नगर निगम आयुक्त ने निगम के पांच प्रमुख विभागों के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। निगमायुक्त ने इस दौरान अधिकारियों से कहा कि वे केवल दफ्तरों में न बैठें, बल्कि खुद फील्ड में उतरकर विकास कार्यों की गुणवत्ता और गति की कमान संभालें। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों, पीएम स्वनिधि योजना, स्वास्थ्य, भवन, जल, अतिक्रमण और लोक कर्म विभागों के कार्यों की बारी-बारी से समीक्षा की गई।

जनहित और बुनियादी सुविधाओं पर कड़ा रुख

शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ करने, कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने तथा आगामी दिनों में नागरिकों को शुद्ध पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पीएम स्वनिधि योजना के तहत अधिक से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को लाभान्वित करने के लिए बैंक अधिकारियों से समन्वय कर कार्य में तेजी लाने को कहा और प्रमुख बाजारों और व्यस्त मार्गों को यातायात के लिए सुगम बनाने के लिए अवैध अतिक्रमण पर निरंतर और सख्त कार्रवाई करने की हिदायत दी। शहर में चल रहे निर्माण कार्यों, सड़कों की मरम्मत और बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

समय-सीमा में काम पूरा करने का अल्टीमेटम

निगमायुक ने मैदानी निरीक्षण के दौरान जो भी कमियां पाई उन्हें सुधारने और जनता से जुड़े सभी मामले और विकास कार्य हर हाल में तय समय-सीमा के भीतर पूरे करने निर्देशित किया । बैठक के अंत में सभी विभागीय प्रमुखों को अल्टीमेटम दिया गया कि वे अपने-अपने विभागों की जवाबदेही तय करें।

शिव कल्याण मंदिर में देवी भागवत कथा का हुआ आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

माया स्थावर जंगम रूप समस्त जगत को अपने वश में किए हुए हैं, वह माया भी परम तत्व में स्थित और प्रेरित होकर जीवों में सदा मोह उत्पन्न करती है। माया से मुक्ति का एक मात्र उपाय हे,माया स्वरूपा भगवती जगदंबा का ध्यान, पूजन, वंदन, जप और कीर्तन है। उनके अलावा अन्य देवता उस माया को दूर करने में समर्थ नहीं है। उक्त आशय के उद्गार डॉ.स्वामी गिरजानंद सरस्वती महाराज ने श्रीमानस पीठ एवं चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जाबालीपुरम के तत्वावधान में आयोजित पुरुषोत्तम मास देवी भागवत कथा,प्राचीन शिव कल्याण मंदिर लार्डगंज में व्यक्त किये। कार्यक्रम में पं. मनमोहन दुबे, देवेंद्र नेमा, नरेश कहार, पवन जायसवाल,विमला साहू, जमुना देवी, पुष्पा पटेल, उर्मिला, धनिया बाई, रागिनी, अलका साहू, सुमन पंडित, अंजू बर्मन, सत्यप्रकाश नामदेव,के एल दीक्षित,पप्पू चौबे,राजेंद्र कसेरा,विशाल पंड्या,सत्यनारायण दुबे,अमित विश्नोई,विवेक अग्रवाल आदि भक्तजन उपस्थित रहे।

जीवों में सदा मोह उत्पन्न करती है माया

ब्लाइंड डेट इवेंट के विरोध में हुआ भारी विरोध प्रदर्शन

विहिप और बजरंग दल और हिन्दु धर्म सेना ने दिया अल्टीमेटम

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।

युवाओं के बीच तेजी से पैर पसार रही पश्चिमी अपसंस्कृति और सोशल मीडिया के जरिए होने वाले आयोजनों के खिलाफ हिंदूवादी संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर संचालित अलॉयसियस कॉन्फेशन ग्रुप द्वारा नेपियर टाउन स्थित फोर्थ ब्रिज रोड, भवानी प्लाजा मालहोत्रा कंपाउंड के सेरेंडीपीटी कैफ़े में एक ब्लाइंड डेट कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया था। इस आयोजन की जानकारी मिलते ही विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल और हिन्दु धर्म सेना ने इसके विरोध में मोर्चा खोलते हुए धरना-प्रदर्शन कर समाज को जागरूक करने जनजागरण अभियान चलाया। संगठन के लोंगो ने इस तरह के आयोजनों पर तीखी आपत्ति जताते हुए कहा कि ब्लाइंड डेट जैसे कार्यक्रम न केवल हमारी गौरवशाली भारतीय संस्कृति और सामाजिक मर्यादाओं पर चोट करते हैं, बल्कि इससे हमारे पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों का भी पतन होता है। कार्यकर्ताओं ने विरोध जताते हुए स्थानीय प्रशासन और संबंधित संस्थाओं से मांग की है कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले ऐसे अनैतिक आयोजनों पर तुरंत संज्ञान लिया जाए और इन पर कड़ी नजर रखी जाए। विहिप के अजय चौरसिया, कुमार राठौड़ और कोमल सिंह लोधी और हिन्दु धर्म सेना से नीरज राजपूत,मुकेश रजक,अविनाश सुखदान, रोहित, सौरभ, भरत, परमदीप, अभय राजपूत उपस्थित रहे।

हज़रत चाँद शाह वली के उर्स पर अकीदत के साथ निकला संदल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हज़रत सैय्यद चाँद शाह वली रहमतुल्लाह अलैह के सालाना उर्स मुबारक के अवसर पर निकाला गया पारंपरिक संदल और चादर का जुलूस अकीदत और सौहार्द के रंग में सराबोर नजर आया। इस मुबारक मौके पर धर्म और संप्रदाय की दीवारें टूट गईं, जब हिंदू और मुस्लिम दोनों ही समुदायों के लोगों ने कंधे से कंधा मिलाकर जुलूस में शिरकत की और शहर को आपसी मोहब्बत का पैगाम दिया। यह सफर शाम को मौलाना की गली स्थित खादिम-ए-दरगाह मरहूम वली मुहम्मद के निवास स्थान से शुरू हुआ। जुलूस में सूफियाना कलाम और मधुर नातिया धुनों की स्वर लहरियां बिखेर रहे थे, तो वहीं अकीदतमंदों की जुबां पर दरूदो-सलाम की सदाएं गूंज रही थीं।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ की बैठक

नई कार्यकारिणी की सूची तैयार कर भेजी जाएगी भोपाल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की विरासत और उनके परिवारों के अधिकारों को सुदृढ़ करने के लिए शहर एवं जिला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ की बैठक आज यानी 14 जून, रविवार को शाम 4:30 बजे से गांधी भवन कार्यालय में आयोजित की जा रही है। इस बैठक में जबलपुर संभाग और ग्रामीण क्षेत्रों के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के वंशजों और उत्तराधिकारियों को अनिवार्य रूप से शामिल होने का आह्वान किया गया है, ताकि सेनानी परिवारों को संगठित कर उनके हितों की रूपरेखा तय की जा सके। प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजेंद्र (रज्जू) सराफ, नारायण शर्मा एवं प्रसाद चौरसिया द्वारा ने बताया बैठक का मुख्य एजेंडा शहर एवं जिला स्तर की नई कार्यकारिणी का गठन करना है। बैठक के दौरान योग्य और सक्रिय पदाधिकारियों का चयन कर नई नियुक्तियां की जाएंगी, जिसमें पूरी तरह से स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को ही जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाली इस संगठनात्मक सूची को अंतिम मंजूरी के लिए प्रांतीय कार्यालय भेजा जाएगा, जहां प्रदेश अध्यक्ष अजय नारायण सितलानी के माध्यम से भोपाल से आधिकारिक रूप से जबलपुर शहर और जिला कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी।

सड़क मरम्मत की मांग को लेकर सांसद को सौंपा पत्र

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। ग्राम पंचायत चन्नौटा में क्षेत्रीय सरपंचों व ग्रामीणों के द्वारा संसद आशीष दुबे एवं विधायक अजय बिश्नोई को एनएच 7 गोसलपुर कछपुरा से खिन्नी सड़क की दुर्दशा से अवगत कराते हुऐ, सडक सुधार कार्य के लिए मांग पत्र सौपा गया । पत्र में बताया गया की एक दर्जन गांवों के लोग इस सड़क से गोसलपुर कस्बे के लिऐ आना जाना करते हैं। इन सभी गांव के लोगों का गोसलपुर से संपर्क है सड़क की स्थिति बहुत ही खराब हो चुकी है।

शराब के लिए रूपये नहीं देने पर मारा चाकू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोहलपुर थाने में बढ़ई मोहल्ला दमोहनाका निवासी 16 वर्षीय कृष्णा सिंह ठाकुर ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि बीती रात वह अपने दोस्त कार्तिक विश्वकर्मा के साथ नरपत पंडा के घर के सामने बातचीत कर रहा था। इसी दौरान अरमान कोष्टा और राहुल वहां पहुंचे। उन्होंने पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी और शराब पीने के लिए 500 रूपये की मांगने लगे । जब कृष्णा और कार्तिक ने रूपये और गाली देने से मना किया, तो आरोपी भड़क गए।

आलगोडा में बरने नदी पर पुल निर्माण का कार्य बंद

दर्जनों गांव का आवागमन हो सकता है बाधित

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। घाट सिमरिया से प्रतापपुर मार्ग में आलगोड़ा गांव की बरने नदी पर पुल बनाने का कार्य 23 जनवरी 2024 को पीडब्ल्यूडी सेतु निगम विभाग द्वारा स्वीकृति हुआ था। दो साल गुजरने के बाद भी इस पुल का काम आधा अधूरा पड़ा हुआ है ठेकेदार द्वारा पिछले छ महीने से पुल निर्माण का कार्य पूरी तरह बंद कर दिया गया। कुछ ही दिनों में बारिश आने वाली है ऐसे में एक दर्जन गांवों के लोगों का आवागमन बाधित हो जाएगा जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। लोक निर्माण विभाग सेतु निगम के द्वारा लगभग 12 करोड़ 43 लाख 73 हजार की लागत से 150 मीटर लंबा पुल निर्माण पहुंच मार्ग का कार्य स्वीकृत हुआ था। ठेकेदार द्वारा शुरुआती दौर मे पुल निर्माण का कार्य तीव्र गति से किया गया परंतु जनवरी 2026 से पुल निर्माण का कार्य बंद पड़ा हुआ। हालांकि निर्माण एजेंसी नित्यंता इन्फा.प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड सतना के द्वारा लगभग अस्सी फ़ीसदी निर्माण कार्य कर लिया गया है परंतु शेष बीस फ़ीसदी निर्माण कार्य अधूरा है। जिसके कारण पुल से आवागमन संभव नहीं है। क्षेत्रीय गांवो में आलगोडा, रिठौरी ,रमखिरिया, कटरा, देवरी, टंगवा, पंचकुंडी, खमरिया, कटरा सिंदुरशी, सिमरिया, कुंआ, घुटना, अगरिया, टिकरिया, झींटी सहित अनेक गांवों के लोगों के माथे में चिंता की लकीरें स्पष्ट दिख रही है उनका कहना है की जल्द ही बारिस आने वाली है।

क्षेत्रीय नागरिक सुभाष लोधी, शिवकुमार लोधी ,पिंकू महाराज द्वारा बताया गया की इस संबंध में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों व पीडब्ल्यूडी सेतु निगम के अधिकारियों तहसील के प्रशासनिक अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया गया परंतु इस ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया। वहीं विभागीय सूत्रों से पता चला है कि निर्माण कार्य की अतिरिक्त लागत बढाने हेतु पुनरीक्षित राशि के लिए डीपीआर तैयार कर लोक निर्माण विभाग सेतु निगम के प्रदेश मुख्यालय भोपाल को कार्यपालन यंत्री जबलपुर द्वारा पत्र भेजा गया था जिसकी प्राशकीय स्वीकृति तो प्राप्त हो गई है परंतु राशि न आने के चलते कार्य को रोका गया है। क्षेत्रीय नागरिक अनंत नौगरिया ,केके दुबे, नानवती चौधरी, शिवकुमार पटैल, रेशमा वंशकार, नमन चौबे शिवचरण साहू, वीरेंद्र मिश्रा, मनीष पालीवाल, मुकेश सिंह, मनोज साहू ने बताया की जल्द ही क्षेत्रीय सरपंचों के साथ मध्य प्रदेश शासन के पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह जिला कलेक्टर राघवेंद्र सिंह से मिलकर उक्त अधूरे पुल को शीघ्र पूरा करने के लिए प्रतिनिधि मंडल भेंट करेगा।

आंत्रशोध से पीड़ित युवती की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । तिलवारा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती की अचानक तबीयत बिगड़ने से इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। सोनी कॉलोनी निवासी 59 वर्षीय राजेंद्र वासनिक ने जानकारी देते हुए बताया कि उनकी 22 वर्षीय बेटी राशि वासनिक को डायरिया की शिकायत शुरू हो गई। तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान राशि को सांस लेने में तकलीफ होने लगी। तमाम कोशिशों के बावजूद राशि की सेहत लगातार गिरती चली गई आखिर उसकी मौत हो गई।

अमरकंटक और खोड़री में शुरू हुई स्काउट्स-गाइड्स की वार्षिक हाइक

एडवेंचर के सफर पर निकले 'रेलवे जांबाज', जिला संघ का 90 सदस्यीय दल रवाना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पमरे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के तत्वावधान में युवाओं को साहसिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए विशेष पहल की गई है। 12 जून से 14 जून तक आयोजित होने वाली वार्षिक हाइक के लिए सुबह स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स और लीडर्स का एक विशाल 90 सदस्यीय दल बस द्वारा प्रकृति की गोद में बसे अमरकंटक और खोड़री के लिए रवाना हुआ। प्रस्थान के समय सभी युवा प्रतिभागियों के चेहरों पर गजब का उत्साह, नई ऊर्जा और एडवेंचर को लेकर एक अनोखी चमक देखने को मिली। इस तीन दिवसीय साहसिक हाइक का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों में विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए साहस, कड़ा अनुशासन, आत्मनिर्भरता और टीम भावना का विकास करना है।

इस यात्रा और पूरे कैंप के दौरान स्काउटिंग के नियमों के तहत सुरक्षा एवं अनुशासन बनाए रखने का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। इस हाइक को सफल और सुरक्षित बनाने के लिए राज्य मुख्यालय के प्रतिनिधि के रूप में सौरव कुमार, रंजन कुमार सिंह और अमित पटेल भाग ले रहे हैं। वहीं, सचिपति नंदन के कुशल नेतृत्व में जिला सचिव अनिल चौबे, आशीष सोनकर, आरती रैकवार और लक्ष्मी पाणिग्रही सहित अन्य लीडर्स महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रतिभागियों की सेहत और आपातकालीन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय अस्पताल से 2 नर्सिंग स्टाफ की विशेष टीम भी दल के साथ रवाना की गई है। साथ ही दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से पाँच सर्विस रोवर भी इस हाइक में अपना महत्वपूर्ण और सराहनीय योगदान दे रहे हैं।

सोने-चांदी के जेवरात और नल की टोंटियां तक ले उड़े चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि वे अब जेवरात और नगदी के साथ-साथ घर के नल भी नहीं छोड़ रहे हैं। विजय नगर क्षेत्र के लक्ष्मीपुर कृष्णा इलाइट में रहने वाली एक महिला के सूने मकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने लाखों के माल पर हाथ साफ कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लक्ष्मीपुर कृष्णा इलाइट निवासी 42 वर्षीय स्वाति गुप्ता एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती हैं। बीती 9 जून को वह अपने मकान में ताला लगाकर जानकीनगर स्थित अपने माता-पिता के घर गई थीं। शनिवार, 13 जून की दोपहर जब वह वापस अपने घर लौटीं, तो घर का मुख्य दरवाजा खुला हुआ था और ताला टूटा पड़ा था। घर के भीतर जाकर देखा तो पूरा सामान बिखरा पड़ा था। जिसमें रखे सोने-चांदी के कीमती जेवरात और नगदी पैसे गायब थे। इतना ही नहीं, शातिर चोरों ने मकान में लगे सारे पानी के नल भी उखाड़ लिए और उन्हें भी अपने साथ समेट ले गए। सूचना विजय नगर थाना पुलिस को दी।

फनिक्स एडवेंचर पार्क अग्निकांड में लापरवाही उजागर

वेल्डर अशोक की हुई थी मौत, संचालकों के खिलाफ दर्ज हुआ मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । बरगी थाना क्षेत्र स्थित 'फनिक्स एडवेंचर पार्क' में बीते 25 मार्च को लगी भीषण आग और उसमें एक कर्मचारी की हुई दर्दनाक मौत के मामले में हुई जांच में पार्क संचालकों द्वारा बरती गई गंभीर लापरवाही सामने आने के बाद पुलिस ने संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया बीती 25 मार्च को फनिक्स एडवेंचर पार्क के गेमिंग ज़ोन में अचानक आग लग गई थी, जिससे वहां रखा सामान जलकर खाक हो गया। आग बुझने के बाद सर्चिंग के दौरान वहां एक अज्ञात व्यक्ति का जला हुआ कंकाल मिला था। इसके अगले दिन, लोचन गौंड नामक व्यक्ति ने अपने जीजा 44 वर्षीय अशोक मरावी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। अशोक 25 मार्च को उक्त पार्क में वेल्डिंग का काम करने गया था और तब से लापता था। पुलिस ने मृतक की बेटी के डीएनए सैंपल और कंकाल के डीएनए की जांच कराई, जिसमें जैविक संबंध की पुष्टि हुई।

प्रशासनिक जांच में सामने आई लापरवाही

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला दंडाधिकारी के निर्देश पर एक जांच दल गठित किया गया था। इस दल में एसडीएम अभिषेक सिंह ठाकुर, सीएसपी बरगी, एमपीईबी, लोक निर्माण विभाग और नगर निगम के अग्निशमन अधिकारी शामिल थे। जांच में यह तथ्य सामने आया कि पार्क का निर्माण अस्थायी और अर्ध-अस्थायी प्रकृति का था, जिसमें फोम, प्लास्टिक और कपड़े जैसी अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री का उपयोग किया गया था। जांच रिपोर्ट के अनुसार, सबसे बड़ी चूक यह थी कि परिसर में न तो पर्याप्त अग्निशमन यंत्र उपलब्ध थे और न ही फिक्स्ड फायर फाइटिंग सिस्टम लगा हुआ था। घटना के समय पार्क में एग्जॉस्ट फैन लगाने के लिए वेल्डिंग का काम किया जा रहा था। इसी दौरान वेल्डिंग से निकली चिंगारी पास ही रखी ज्वलनशील सामग्री पर गिर गई, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया। सुरक्षा के नाम पर शून्य इंतजाम और पार्क का बीमा न होना संचालकों की घोर लापरवाही को दर्शाता है।

संचालकों पर गिरी गाज

मृतक अशोक मरावी को बिना किसी सुरक्षा उपकरण, अग्निशमन संसाधनों के अभाव में और अत्यधिक ज्वलनशील क्षेत्र में वेल्डिंग का काम सौंपने के कारण उसकी जान गई। इस पूरी जांच के आधार पर पुलिस ने फर्म के संचालक 37 वर्षीय प्रभाकर जैन, 26 वर्षीय वेदांत कुमार दीवान और 26 वर्षीय बासु गुप्ता के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस अब मामले की विस्तृत विवेचना कर रही है।

शारीरिक शिक्षा : केवल खेल नहीं, व्यक्तित्व निर्माण का आधार

आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थी पढ़ाई और परीक्षाओं के दबाव में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि वे अपने स्वास्थ्य पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पाते। ऐसे समय में शारीरिक शिक्षा का महत्व और भी बढ़ जाता है। शारीरिक शिक्षा केवल खेल-कूद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण आधार है।

स्वस्थ शरीर का आधार

शारीरिक शिक्षा विद्यार्थियों को स्वस्थ और फिट बनाए रखने में मदद करती है। नियमित व्यायाम, योग, दौड़, खेल और अन्य शारीरिक गतिविधियाँ शरीर को मजबूत बनाती हैं तथा रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ाती हैं। स्वस्थ शरीर होने पर विद्यार्थी पढ़ाई में अधिक ध्यान केंद्रित कर पाते हैं और उनकी कार्यक्षमता भी बढ़ती है।

मानसिक शांति और उत्साह

शारीरिक शिक्षा का सकारात्मक प्रभाव मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। खेल-कूद और व्यायाम तनाव, चिंता तथा अवसाद को कम करने में सहायक होते हैं। जब विद्यार्थी मैदान में खेलते हैं, तो उनके मन में उत्साह और आत्मविश्वास का विकास होता है। इससे उनकी सोच सकारात्मक बनती है और वे चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर पाते हैं।

संपूर्ण गुणों का विकास

खेल विद्यार्थियों को अनुशासन, समय प्रबंधन और नेतृत्व जैसे महत्वपूर्ण गुण भी सिखाते हैं। किसी भी खेल में सफलता पाने के लिए नियमों का पालन करना, टीम के साथ मिलकर काम करना और कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना आवश्यक होता है। ये गुण जीवन के हर क्षेत्र में सफलता दिलाने में मदद करते हैं।

टीम भावना का विकास

शारीरिक शिक्षा सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विभिन्न खेलों में भाग लेने से विद्यार्थियों में सहयोग, मित्रता, सहिष्णुता और टीम भावना विकसित होती है। वे दूसरों का सम्मान करना सीखते हैं और सामूहिक रूप से लक्ष्य प्राप्त करने का महत्व समझते हैं।

जीवनशैली में बदलाव

वर्तमान समय में मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के कारण बच्चों की शारीरिक गतिविधियाँ कम हो गई हैं। इसके परिणामस्वरूप मोटापा, कमजोरी और अन्य स्वास्थ्य समस्याएँ बढ़ रही हैं। ऐसे में शारीरिक शिक्षा विद्यार्थियों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करती है। अंततः कहा जा सकता है कि शारीरिक शिक्षा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। यह उन्हें स्वस्थ शरीर, संतुलित मन, मजबूत व्यक्तित्व और बेहतर जीवन कौशल प्रदान करती है। इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी दिनचर्या में शारीरिक गतिविधियों और खेलों को अवश्य शामिल करना चाहिए, क्योंकि स्वस्थ विद्यार्थी ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं।

शुभांगी तिवारी
खेल, शारीरिक शिक्षा
शिक्षक
बीएमडी हितकारिणी कन्या
उच्चतर माध्यमिक शाला
दीक्षितपुरा, जबलपुर

मैदान से शिखर तक: महिला खिलाड़ियों के लिए करियर अवसर

एक समय था, जब खेलों को मुख्य रूप से पुरुषों का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन आज भारतीय महिलाएं हर खेल में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। क्रिकेट, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, कुश्ती, एथलेटिक्स, शूटिंग और हॉकी जैसे खेलों में महिला खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। बदलते समय के साथ खेलों में महिलाओं के लिए न केवल भागीदारी बढ़ी है, बल्कि करियर के नए और आकर्षक अवसर भी सामने आए हैं। सही प्रशिक्षण, मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ महिलाएं खेलों के माध्यम से न केवल अपना भविष्य संवार सकती हैं, बल्कि समाज में नई प्रेरणा भी बन सकती हैं।

प्रोफेशनल खिलाड़ी

खेलों में सबसे लोकप्रिय करियर विकल्प प्रोफेशनल खिलाड़ी बनना है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर महिलाएं पहचान, सम्मान और आर्थिक सफलता प्राप्त कर सकती हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि, प्रायोजन और सरकारी सहायता भी मिलती है।

खेल प्रशिक्षक (कोच)

यदि किसी खिलाड़ी के पास खेल का अच्छा अनुभव और तकनीकी ज्ञान है, तो वह कोच बनकर नई पीढ़ी को प्रशिक्षण दे सकती है। आज स्कूलों, कॉलेजों, खेल अकादमियों और निजी प्रशिक्षण केंद्रों में महिला कोचों की मांग लगातार बढ़ रही है।

फिटनेस ट्रेनर और योग प्रशिक्षक

फिटनेस के प्रति बढ़ती जागरूकता ने महिलाओं के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। प्रमाणित फिटनेस ट्रेनर, जिम प्रशिक्षक और योग शिक्षिका के रूप में करियर बनाया जा सकता है। यह क्षेत्र रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर भी प्रदान करता है।

स्पोर्ट्स मैनेजमेंट

खेल आयोजनों का संचालन, खिलाड़ियों का प्रबंधन, प्रायोजन और विपणन जैसे कार्य स्पोर्ट्स मैनेजमेंट के अंतर्गत आते हैं। यह उन महिलाओं के लिए उत्कृष्ट विकल्प है जो खेलों से जुड़ी रहना चाहती हैं, लेकिन मैदान के बाहर कार्य करना पसंद करती हैं।

स्पोर्ट्स जर्नलिज्म

खेल समाचारों की रिपोर्टिंग, विश्लेषण और कमेंट्री के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। टीवी चैनल, समाचार पत्र, डिजिटल मीडिया और खेल वेबसाइटें योग्य खेल पत्रकारों को अवसर प्रदान कर रही हैं।

स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपी और स्पोर्ट्स मेडिसिन

खिलाड़ियों को चोटों से उबरने और बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता करने वाले विशेषज्ञों की मांग हमेशा रहती है। फिजियोथेरेपी, स्पोर्ट्स मेडिसिन और पुनर्वास विज्ञान में प्रशिक्षण प्राप्त करके महिलाएं इस क्षेत्र में सफल करियर बना सकती हैं।

रेफरी और अंपायर

खेल प्रतियोगिताओं के संचालन के लिए प्रशिक्षित रेफरी और अंपायरों की आवश्यकता होती है। आज क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी और अन्य खेलों में महिला अंपायर और रेफरी अपनी पहचान बना रही हैं।

स्पोर्ट्स साइंस और डेटा एनालिटिक्स

आधुनिक खेलों में तकनीक का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। खिलाड़ियों के प्रदर्शन का विश्लेषण, फिटनेस डेटा का अध्ययन और रणनीति निर्माण जैसे कार्य स्पोर्ट्स साइंस और डेटा एनालिटिक्स के अंतर्गत आते हैं। विज्ञान और तकनीक में रुचि रखने वाली महिलाओं के लिए यह उभरता हुआ क्षेत्र है।

खेल शिक्षक

स्कूलों और कॉलेजों में शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की मांग हमेशा बनी रहती है। बी.पी.एड या एम.पी.एड. जैसे पाठ्यक्रम करके महिलाएं शिक्षण क्षेत्र में प्रवेश कर सकती हैं।

भारतीय खेल प्राधिकरण
sports authority of india

खेल प्रतिभाओं के लिए सुनहरा अवसर: SAI में निकली बंपर भर्तियां

खेलों में करियर बनाने का सपना देखने वाले युवाओं के लिए यह समय बेहद खास है। देश की शीर्ष खेल संस्थाओं स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने विभिन्न पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की है। इन भर्तियों के माध्यम से खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल विज्ञान विशेषज्ञों और खेल प्रबंधन से जुड़े युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर काम करने का अवसर मिलेगा। खेल क्षेत्र में रोजगार की तलाश कर रहे उम्मीदवारों के लिए यह एक सुनहरा मौका है।

असिस्टेंट कोच के 100 पद

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने विभिन्न खेलों के लिए 100 असिस्टेंट कोच पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया है। चयनित उम्मीदवारों को देशभर के साई प्रशिक्षण केंद्रों और अकादमियों में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। यह भर्ती एथलेटिक्स, हॉकी, कबड्डी, कुश्ती, तीरंदाजी, बॉक्सिंग, बैडमिंटन, जूडो, तैराकी और अन्य खेलों के लिए की जा रही है।

आवश्यक योग्यता

इन पदों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास संबंधित खेल में डिप्लोमा, कोचिंग सर्टिफिकेट अथवा मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण होना चाहिए। राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके खिलाड़ियों को प्राथमिकता मिल सकती है। संबंधित खेल में अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों के लिए चयन की संभावना अधिक रहेगी।

आयु सीमा और वेतन

अधिकांश पदों के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष निर्धारित की गई है। आरक्षित वर्गों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट प्रदान की जाएगी। चयनित उम्मीदवारों को आकर्षक वेतन के साथ अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी। पद और अनुभव के अनुसार मासिक वेतन लगभग 40 हजार रुपये से लेकर 80 हजार रुपये या उससे अधिक तक हो सकता है।

आवेदन प्रक्रिया

उम्मीदवारों को साई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन पत्र भरना होगा। आवेदन करते समय शैक्षणिक प्रमाणपत्र, खेल उपलब्धियों के दस्तावेज, पहचान पत्र तथा अन्य आवश्यक प्रमाणपत्र अपलोड करने होंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 27 जून 2026 निर्धारित की गई है।

यूपीएससी मेन्स 2026: आखिरी दिनों की तैयारी बनेगी सफलता की कुंजी

यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन की सिविल सेवा मेंस परीक्षा का आयोजन 21 अगस्त से किया जाना है। इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माना जाता है। तैयारी के लिए अगले दो माह बेहद महत्वपूर्ण हैं। समय कम बचा है तो घबराने की जरूरत नहीं है। सही स्टडी प्लान, रेगुलर आंसर राइटिंग और मॉक टेस्ट की मदद से तैयारी को मजबूत बनाया जा सकता है। स्मार्ट रणनीति और लगातार अभ्यास आपकी सफलता की संभावना को बढ़ा सकता है।

सबसे पहले बनाएं दो महीनों का प्लान

दो महीने की तैयारी बिना योजना के करना मुश्किल हो सकता है। इसलिए सबसे पहले पूरे सिलेबस को छोटे छोटे हिस्सों में बांट लें। हर सप्ताह के लिए अलग लक्ष्य तय करें और रोजाना उसी के अनुसार अध्ययन करें। इससे सिलेबस समय पर पूरा होगा और आखिरी दिनों में रिवीजन के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा। एनसीईआरटी और मानक किताबों से रिवीजन पर जोर दें। नई किताबों से पढ़ना नुकसानदायक हो सकता है। इतिहास, भूगोल, राजनीति, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण जैसे विषयों के बेसिक कॉन्सेप्ट मजबूत रखें। बार बार रिवीजन से जानकारी लंबे समय तक याद रहती हैं।

आंसर राइटिंग की डेली करें प्रैक्टिस

यूपीएस मेन्स की परीक्षा में सबसे ज्यादा महत्व आंसर राइटिंग का होता है। कम समय में सटीक शब्द सीमा में सारगर्भित आंसर लिखने से आपको दूसरे प्रतिभागियों से बेहतर मार्क्स मिल सकेंगे। रोजाना कम से कम 5 से 8 प्रश्नों के आंसर लिखने की आदत डालें। उत्तर लिखते समय परिचय, प्वाइंटर बनाकर पैरा और निष्कर्ष का सही संतुलन रखें। जहां संभव हो वहां उदाहरण, डेटा, रिपोर्ट या डायग्राम जरूर बनाएं। ऐसा करने से आपका आंसर अधिक प्रभावी बनता है। ध्यान रखें कि अंतिम परिणाम सूची में एक एक अंक में कई अभ्यर्थियों का चयन होता है। इसलिए एक एक अंक बढ़ाने की रणनीति पर काम करें।

करेंट अफेयर्स को न करें नजरअंदाज

मुख्य परीक्षा में सवाल करेंट अफेयर्स के इर्दगिर्द ही आते हैं। इसलिए पिछले एक साल के महत्वपूर्ण नेशनल और इंटरनेशनल इवेंट्स पर नजर रखते हुए उनका नियमित अध्ययन करें। मानक अखबार, सरकारी रिपोर्ट, आर्थिक सर्वेक्षण और बजट से जुडे महत्वपूर्ण पहलुओं और बिंदुओं के छोटे छोटे नोट्स तैयार रखें और नियमि रिवीजन करते रहें। सामान्य अध्ययन के प्रश्नों को करेंट अफेयर्स से जोड़कर उत्तर लिखने से आपका आंसर प्रभावी रहेगा और आपको दूसरे अभ्यर्थियों से बेहतर अंक मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

ऑप्शनल सब्जेक्ट पर भी फोकस जरूरी

यूपीएस मेन्स एग्जाम में ऑप्शनल सब्जेक्ट के मार्क्स मेरिट पर महत्वपूर्ण और प्रभावी प्रभाव डालते हैं। इसलिए रोजाना कुछ समय अपने ऑप्शनल सब्जेक्ट के लिए जरूर रखें। पिछले सालों के प्रश्न प्रत्रों की सूची तैयार कर आंसर राइटिंग करते हुए रिवीजन जरूर करें। छोटे छोटे प्वाइंटनर बनाकर उनका रिवीजन करने से अधिक शब्द सीमा वाले सवाल हल करने में भी आसानी जाएगी। महत्वपूर्ण तथ्यों आंकड़ों को एक जगह लिख लें। शॉर्ट कीज बनाकर बार बार उनका अध्ययन करें। लगातार रिवीजन करने से आपको परीक्षा कक्ष में आंसर लिखने में आसानी जाएगी।

काम करने के बेहतरीन मौके
स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट

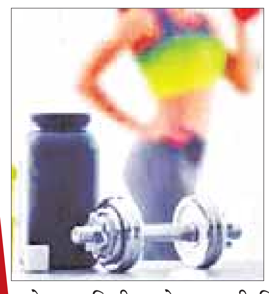

किसी भी स्पोर्ट्स टीम को मैदान में खिलाड़ियों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट की जरूरत होती है। स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट एथलीटों और उनके कोच के साथ व्यक्तिगत रूप से काम करते हैं। एथलीट या खिलाड़ी का प्रदर्शन उनके आहार से बहुत प्रभावित होता है। ये पेशेवर राज्य या देश को पदक दिलाने में भूमिका निभाते हैं। आमतौर पर स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट की जॉब के लिए पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री वाले अनुभवी विशेषज्ञों को प्राथमिकता दी जाती है।

कौन सी डिग्री जरूरी है

स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट बनने के लिए बीएससी (फूड साइंस एंड न्यूट्रिशन) जरूरी है। 12वीं पास करके मेडिकल स्ट्रीम में जानेवाले न्यूट्रिशन या डाइटेटिक्स में बैचलर डिग्री लेने वाले इस कॅरियर को चुन सकते हैं। फूड साइंस एंड न्यूट्रिशन या डाइटेटिक्स या न्यूट्रिशन में बैचलर डिग्री कोर्स करके जॉब शुरू कर सकते हैं या स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन या इससे संबंधित विषय में मास्टर कोर्स करके आगे बढ़ सकते हैं। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन- एमएससी (स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन), इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू)- मास्टर ऑफ साइंस इन डाइटेटिक्स एंड फूड सर्विस मैनेजमेंट न्यूट्रिशनल बायोकेमिस्ट्री, अन्नामलाई यूनिवर्सिटी-एमएससी इन डाइटेटिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ केरल- मास्टर ऑफ साइंस इन डाइटेटिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई- मास्टर ऑफ साइंस इन डाइटेटिक्स कोर्स संचालित करती हैं।

इकलौती बेटी के सपनों को उड़ान देती इंदिरा गांधी स्कॉलरशिप योजना

समाज में बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा संचालित इंदिरा गांधी सिंगल गर्ल चाइल्ड स्कॉलरशिप योजना एक सराहनीय पहल है। यह योजना उन छात्राओं के लिए विशेष रूप से बनाई गई है जो अपने माता-पिता की इकलौती संतान हैं और उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं। आर्थिक सहायता के माध्यम से यह योजना प्रतिभाशाली छात्राओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है। योजना का मुख्य उद्देश्य बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना और छोटे परिवार के मानदंड को प्रोत्साहित करना।

योजना की पात्रता

- आवेदक भारत की नागरिक हो।
- परिवार की इकलौती बेटी हो। जिनके कोई भाई न हों, वे पात्र हैं।
- जुड़वां (ट्विन्स) बेटियां भी आवेदन कर सकती हैं।
- किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या कॉलेज में नियमित और पूर्णकालिक (फुल टाइम) प्रथम वर्ष के स्नातकोत्तर (पीजी या मास्टर) पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया हो।
- प्रवेश के समय आयु 30 वर्ष से अधिक न हो।
- डिस्टेंस या ओपन मोड से पढ़ाई करने वाली छात्राएं पात्र नहीं हैं।

छात्रवृत्ति राशि

- 36,200 प्रति वर्ष, अधिकतम 2 वर्ष (पूरे पीजी कोर्स की अवधि तक) प्रदान की जाती है।

चयन प्रक्रिया

आवेदन सामन्यतः नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) के माध्यम से ऑनलाइन किया जाता है। प्रतिवर्ष लगभग 3000 छात्राओं को योजना के अंतर्गत शामिल किया जाता है।

आवश्यक दस्तावेज

- संबंधित पाठ्यक्रम में प्रवेश संबंधी दस्तावेज
- आधार कार्ड
- बैंक खाते का विवरण
- सिंगल गर्ल चाइल्ड संबंधी घोषणा पत्र
- संस्थान द्वारा सत्यापित प्रमाण पत्र

आवेदन कहां करें?

नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) के आधिकारिक पोर्टल में जाकर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। पोर्टल पर क्लिक करके संपूर्ण जानकारी पाई जा सकती है।

प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने रोड ओव्हर ब्रिज का किया लोकार्पण

पुलिस की पहल, प्रदेश में पहली बार शुरू हुआ कवच पेट्रोल मैनेजमेंट सिस्टम

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री तथा बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने 13 जून को बालाघाट-वारासिवनी-कटंगी मुख्य मार्ग पर वैनगंगा नदी के पुल के पहले रेल्वे क्रासिंग बीके-09, किलोमीटर 1048/0-1 पर निर्मित रोड ओव्हर ब्रिज (आरओबी) का लोकार्पण किया। इस ब्रिज के लोकार्पण के साथ ही इससे वाहनों का आवागमन शुरू हो गया है। रोड ओव्हर ब्रिज से आवागमन शुरू होने से रेलवे की मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग क्रमांक बीके-09, किलोमीटर 1048/0-1 को स्थायी रूप से बंद कर दिया गया हैं।

लोकार्पण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि राजा भोज के नामकरण वाले इस ओव्हरब्रिज के लोकार्पण कार्यक्रम में उन्हें शामिल होने का सौभाग्य मिला है। इसके लिए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करते है। बालाघाट में रेलवे क्रासिंग पर निर्मित यह पुल केवल बालाघाट जिले की जनता के लिए ही नही बल्कि यहाँ आने वाले यात्रियों के लिए भी एक सुखद अहसास कराने वाला माध्यम बनेगा। इसका लाभ जिले की जनता और आने वाले यात्रियों को लंबे समय तक मिलेगा। यह रोड ओव्हरब्रिज बालाघाट जिले के विकास के नये द्वारा खोलेगा और नई संभावनाओं को जन्म देगा।

सरकार बच्चों को दे रहीं निशुल्क उपचार

जिले के प्रभारी मंत्री एवं मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा तथा परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने शनिवार को जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र (डीईआईसी) परिसर में आयोजित जिला स्तरीय राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कायक्रम (आरबीएसके) शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने ईको मशीन यूनिट एवं नेत्र रोग जांच के लिए उच्च गुणवत्ता वाली वीईपी मशीन यूनिट का फीता काटकर लोकार्पण किया। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चों के लिए निशुल्क उपचार की प्रभावी व्यवस्था कर रही है। बालाघाट जिला विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा हैं। शिविर में बच्चों के हृदय रोग, नेत्र रोग, हर्निया, जन्मजात मोतियाबिंद, टंग टाई सहित विभिन्न गंभीर बीमारियों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच एवं उपचार किया गया।

स्मार्ट पेट्रोलिंग की

बदलते समय के साथ पुलिसिंग के स्वरूप में भी तेजी से परिवर्तन हो रहा है। आधुनिक तकनीक का उपयोग कर आमजन को बेहतर सुरक्षा प्रदान करने और अपराध नियंत्रण को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में बालाघाट पुलिस ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पेट्रोल मैनेजमेंट सिसटम को अपनाया है। यह पहल आज जिले में स्मार्ट पुलिसिंग की एक सफल मिसाल बनकर उभरी है। मंत्री श्री उदय प्रताव सिंह के समक्ष पुलिस पेट्रोलिंग के मॉनीटरिंग सिस्टम का प्रजेंटेंशन दिखाया गया और बताया गया कि यह किस तरह से काम करता है। प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने पीएमएस की सराहना करते हुए कहा कि यह एक अच्छा सिस्टम है, इससे अपराधियों को पकडने, उन पर निगरानी रखने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने में बहुत मददगार है। उनका प्रयास होगा कि यह सिस्टम प्रदेश के अन्य जिलों में भी अपनाया जाए।

इनकी रहीं उपस्थिती

इस अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी, राजकुमार कर्राहे, पूर्व मंत्री रामकिशोर नानो कावरे, गौरीशंकर बिसेन, प्रदीप जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सम्राट सिंह सरस्वार, कलेक्टर मृणाल मीना, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, जिला पंचायत डुलेन्द्र ठाकरे, झामसिंह नागेश्वर, नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेखा बिसेन, श्रीमती मीना रहांगडाले, सत्यनारायण अग्रवाल, सेतु निर्माण संभाग के अधीक्षण यंत्री जी. पी. पटले, एसडीओ अर्जुन सनोडिया, नगर पालिका के पार्षद, अन्य गणमान्य नागरिक, पत्रकार एवं आमजन उपस्थित थें।

मंडी में 'प्रवेश पर्ची' के नाम पर अवैध वसूली

किसानों के विरोध पर रुकी उगाही, स्टाफ की कमी बनी बहाना

कटंगी (स्वतंत्र मत)।

कृषि उपज मंडी कटंगी में किसानों से प्रवेश पर्ची यानी गेट पास के नाम पर अवैध वसूली का मामला सामने आया है। शनिवार सुबह करीब साड़े 11 बजे जब कुछ जागरूक किसानों से मंडी कर्मचारियों ने प्रति ढेर 5 रुपये लेकर पर्ची थमाई, तो पूरा मामला उजागर हो गया। हैरानी की बात यह रही कि किसानों को दी गई पर्ची पर 'प्रवेश शुल्क शून्य' अंकित था। इसके बाद किसानों ने हंगामा कर दिया और मंडी कर्मचारियों को शुल्क लेना बंद करना पड़ा। किसानों के आरोप हैं कि मंडी प्रबंधन स्टाफ की कमी का बहाना बनाकर यह मंडी में खरीदी शुरू होने के साथ ही खेल कर रहा था। शनिवार को रबी सीजन की धान बेचने पहुंचे किसान जब मंडी परिसर में अपनी उपज की ढेरी लगा चुके थे, तब मंडी के कुछ कर्मचारी उनके पास पहुंचे और प्रति ढेर 5 रुपये की मांग करने लगे।

वसूली का विरोध करने के बाद किसान सीधे मंडी सचिव संत कुमार डहेरिया के दफ्तर पहुंचे, लेकिन सचिव मौके पर मौजूद नहीं थे। मंडी में मौजूद एक महिला कर्मचारी ने किसानों को बताया कि वह किसानों से लिए जाने वाले शुल्क का रजिस्टर मेंटेन कर रही है। हालांकि महिला कर्मचारी यह नहीं बता पाई कि जब पर्ची पर शुल्क शून्य है तो 5 रुपये किस मद में लिए जा रहे हैं और यह पैसा कहां जमा हो रहा है। किसानों के आक्रोश के बाद मंडी प्रबंधन ने फिलहाल शुल्क वसूलना बंद कर दिया है। लेकिन सवाल यह है कि अब तक जो वसूली हुई, उसका हिसाब कौन देगा?

नियम गेट पर ही लगता है प्रवेश शुल्क - मंडी अधिनियम के जानकार बताते हैं कि कृषि उपज मंडी में प्रवेश शुल्क वाहन के गेट से अंदर आने पर ही लिया जाना चाहिए। यह शुल्क मंडी बोर्ड द्वारा निर्धारित होता हैं और इसकी रसीद दी जाती है। लेकिन कटंगी मंडी में नियमों को ताक पर रखकर ढेर लगने के बाद किसानों से प्रति ढेर 5 रुपये वसूले जा रहे थे। मंडी प्रबंधन इसके पीछे कर्मचारियों की कमी का हवाला दे रहा है। उनका कहना है कि गेट पर कर्मचारी न होने के कारण वे अंदर ढेरी लगने के बाद शुल्क ले रहे हैं। लेकिन किसान सवाल उठा रहे हैं कि जब पर्ची पर शुल्क शून्य है तो फिर पैसा किस बात का लिया जा रहा है?

एक दशक से नहीं हुई भर्ती - इस पूरे मामले के बीच मंडी की बदहाली की असली वजह भी सामने आई है। जानकारी के अनुसार कृषि उपज मंडी कटंगी में सहायक उप निरीक्षक के 12 पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में मात्र 1 पद पर ही नियुक्ति है। शेष 11 पद पिछले करीब एक दशक से रिक्त पड़े हैं। स्टाफ की भारी कमी के कारण मंडी की व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं।

सरकार पर साधा निशाना - अवैध वसूली सामने आने के बाद किसानों ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ भी नाराजगी जताई। खासतौर पर प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव पर किसान व्यंग्य करते सुनाई दिए। किसानों का कहना था कि सरकार एक तरफ किसानों की आय दोगुनी करने की बात करती है, दूसरी तरफ मंडी में ही उनसे अवैध वसूली हो रही है। ग्राम बीसापुर के किसान गीतेन्द्र बिसेन ने कहा वह 10 किमी दूर से आए हैं। पहले ही भाव कम मिल रहा है, ऊपर से मंडी में 5 रुपये प्रति ढेर के हिसाब से वसूल किए जा रहे है उन्होंने कहा कि 5 रुपए एक छोटी रकम जरूर है यह सोचकर अवैध वसूली को बड़ावा नहीं दिया जा सकता। अब पता चला कि यह तो अवैध है।

तेज आंधी में छात्रा पर गिरा पेड़, मौत

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। जिले के चरेगांव में शुक्रवार शाम आए तेज आंधी-तूफान के दौरान एक दर्दनाक हादसे में 14 वर्षीय छात्रा रुचि पिता नरेश पंचतिलक की मौत हो गई। रुचि अपने माता-पिता के साथ नागपुर से इलाज कराकर गांव लौटी थी।

जानकारी के अनुसार, बस से उतरने के बाद रुचि अपने घर की ओर पैदल जा रही थी। इसी दौरान तेज हवा के कारण एक पलाश का पेड़ उसके ऊपर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे तत्काल चरेगांव स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। शनिवार को अस्पताल चौकी पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने बताया कि डॉक्टर की सूचना पर पंचनामा कार्रवाई की गई है। मामले की जांच चरेगांव चौकी पुलिस द्वारा की जाएगी।

मृतका रुचि पंचतिलक, नरेश पंचतिलक की पुत्री थी। वह नौवीं कक्षा उत्तीर्ण कर दसवीं कक्षा में पहुंची थी। बताया गया कि वह कमजोरी की शिकायत के चलते इलाज के लिए नागपुर गई थी। घटना के बाद परिवार और गांव में शोक का माहौल है।

खैरलांजी के बीआरसी शंकरलाल भगत की वेतन वृद्धि रोकी, प्रतिनियुक्ति समाप्त

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

विभागीय समीक्षा बैठकों में विकासखण्ड खैरलांजी अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक एवं विभागीय गतिविधियों की प्रगति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर कलेक्टर मृणाल मीना ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक (बीआरसी) जनपद शिक्षा केन्द्र खैरलांजी शंकरलाल भगत की आगामी एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोक दी गई है तथा उनकी प्रतिनियुक्ति भी समाप्त कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, विभागीय समीक्षा बैठक में जिले के 10 विकासखंड में सबसे कम प्रगति पाई गई। जिसके पश्चात कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा 27 मई को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर विभागीय प्रगति कम रहने पर स्पष्टीकरण मांगा गया था। इसके जवाब में शंकरलाल भगत ने 29 मई को अपना पक्ष प्रस्तुत किया, लेकिन विभाग ने उनके जवाब को असंतोषजनक माना। इसके बाद कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा जारी आदेश में शंकरलाल भगत की आगामी एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने की कार्रवाई की गई। वहीं कलेक्टर मृणाल मीना के अनुमोदन के पश्चात आदेशानुसार जिला परियोजना समन्वयक घनश्याम प्रसाद बर्मन ने उनके कार्य को संतोषजनक नहीं पाए जाने के कारण विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक पद से उनकी प्रतिनियुक्ति समाप्त कर उन्हें उनके मूल विभाग, शिक्षा विभाग में वापस भेज दिया गया है।

आदेश के अनुसार शंकरलाल भगत, जिनका मूल पद उच्च माध्यमिक शिक्षक है, को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बालाघाट में उपस्थित होना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह कार्रवाई कलेक्टर के अनुमोदन के बाद तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

झलवार में फिर मौत बनकर आया बाघ, लगातार दूसरी घटना से सहमे ग्रामीण

उमरिया स्वतंत्रमत।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा कोर क्षेत्र से एक बार फिर दुखद खबर सामने आई है। ग्राम झलवार में बाघ के हमले में एक युवक की मौत हो गई। खास बात यह है कि इसी क्षेत्र में एक दिन पहले भी बाघ के हमले में एक महिला की जान चली गई थी। लगातार दूसरी घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल गहरा गया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम झलवार निवासी कल्याण सिंह (30 वर्ष) पिता रामकृपाल सिंह की बाघ के हमले में मौत हुई है। बताया जा रहा है कि युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ था और अक्सर अकेले गांव और जंगल से लगे क्षेत्रों में घूमता रहता था। शुक्रवार को वह गांव के पास जंगल की ओर चला गया, जहां अचानक बाघ ने उस पर हमला कर दिया। हमले की गंभीरता इतनी थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी गांव में पहुंचते ही लोगों की भीड़ मौके की ओर दौड़ पड़ी, लेकिन बाघ शव के पास ही मौजूद था। इससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई और कोई भी पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। सूचना मिलने पर वन विभाग और पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची तथा क्षेत्र को सुरक्षित करने की कार्रवाई शुरू की गई।वन विभाग के अधिकारियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती बाघ को घटना स्थल से हटाना रही। विभागीय अमला लगातार प्रयास कर रहा है ताकि बाघ को जंगल के भीतर भेजा जा सके और उसके बाद शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई पूरी की जा सके। सुरक्षा के मद्देनजर आसपास के इलाके में निगरानी बढ़ा दी गई है। गौरतलब है कि 24 घंटे पहले भी झलवार क्षेत्र में महुआ बीनने जंगल गई एक महिला की बाघ के हमले में मौत हो गई थी।

लगातार दो घटनाओं ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। लोगों का कहना है कि बाघों की गतिविधियां अब गांवों के बेहद करीब तक पहुंच रही हैं, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। घटनाओं के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखने और लोगों की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था करने की मांग की है। वहीं वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे जंगल या जंगल से लगे क्षेत्रों में अकेले न जाएं और किसी भी वन्यजीव की गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल सूचना दें।

मानसिक दुर्बल नाबालिग से दुष्कर्म

उमरिया स्वतंत्रमत। जिले के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मानसिक रूप से कमजोर 16 वर्षीय नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय मे पेश किया है। जानकारी के अनुसार बालिका की तबीयत खराब होने पर परिजन उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल शहडोल ले गए थे। जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसके गर्भवती होने की जानकारी दी। इसके बाद परिजनों ने बालिका से पूछताछ की, जिस पर उसने बताया कि लगभग तीन माह पूर्व मोहल्ले का ही लक्की गड़रिया उसे बहला-फुसलाकर घर के पास ले गया था और उसके साथ गलत कार्य किया।

बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारी, आर्मी टीम ने किया संभावित प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण

उमरिया, स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशानुसार एवं राहत शाखा प्रभारी संयुक्त कलेक्टर के मार्गदर्शन में वन सिग्नल ट्रेनिंग सेंटर जबलपुर की आर्मी टीम द्वारा जिले के संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का रैकी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य वर्षा ऋतु में संभावित बाढ़ आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करना था।

निरीक्षण के दौरान आर्मी टीम एवं तहसीलदार मानपुर ने उन स्थानों का चयन किया, जहां आपातकालीन परिस्थितियों में सेना अपनी अस्थायी राहत एवं बचाव चौकियां स्थापित कर सकेगी। मानपुर क्षेत्र में चतुर्भुज घाट एवं बलहौड़ तथा इंदवार क्षेत्र में इंदवार एवं भोगगढ़ घाट सहित कुल चार महत्वपूर्ण स्थानों को चिन्हित किया गया।

इन स्थानों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों तक त्वरित पहुंच सुनिश्चित कर राहत एवं बचाव कार्य संचालित किए जाएंगे। निरीक्षण के दौरान आर्मी टीम के अधिकारियों के साथ तहसीलदार मानपुर, नायब तहसीलदार मानपुर एवं प्लाटून कमांडर राहुल कुमार साहू उपस्थित रहे। प्रशासन एवं सेना के इस संयुक्त प्रयास से जिले में आपदा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी तथा आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित लोगों को शीघ्र सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

अस्मिता लीग एवं साइकिलिंग महोत्सव का सफल आयोजन संपन्न

उमरिया, स्वतंत्र मत ।

साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया तथा भारतीय खेल प्राधिकरण की खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया बालिका एवं महिला साइकिलिंग लीग का आयोजन जिला साइकिल संघ उमरिया, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा क्रीड़ा भारती जिला उमरिया के सहयोग से उमरिया बायपास स्थित कछरवार रोड पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में 13 से 16 वर्ष आयु वर्ग की 35, 17 से 18 वर्ष आयु वर्ग की 27 तथा 19 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की 17 प्रतिभागियों सहित कुल 79 बालिकाओं एवं महिलाओं ने

उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं तथा खेलों के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। प्रतियोगिता के पदक विजेताओं एवं प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए धनुषधारी सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आयोजित अस्मिता लीग देशभर में महिलाओं के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

करोड़ों के लागत से हो रहे गुणवत्ता विहीन सड़क निर्माण पर उठने लगे सवाल..!

बिना परमीशन के पंचायतीय तालाब से निकाले मिट्टी, घातक गड्ढों में तब्दील हुआ तालाब

मानपुर (स्वतंत्र मत)। ताला से पनपथा रोड तिराहा से उमरिया ब तक चौड़ाई के सांथ डामरी करण निर्माणा धीन है, जिसका निर्माण कई करोड़ के लागत से किसी ठेकेदार द्वारा करवाया जा रहा है। इस सड़क के निर्माण कार्य में कई प्रकार की कमी झलकने लगी है। जिसका निर्माण स्टीमेट से पतला और संकला होने की खबर है।वही उसका बेस भी कमजोर दिख रहा है, और इस सड़क में मटेरियल, रोलर और पानी के कम उपयोग से सड़क की उम्र भी कम होने की आशंका जताई जा रही हैं। इस सड़क के टॉप परत पर रोलर कम्प्रेस के कमी से सड़क में लेविल तक नहीं है जिस पर चलने वाले वाहन कूदते और बंहकते हुये चलते हैं। इस डामरीकारण रोड पर चलने से गाड़ी और सवारी दोनों को कंपकंपी आले लगती है, जैसे कोई भूकम्प के आने से होता है। वही सूत्रों ने बताया कि इस सड़क के बेस में गुणवत्ता युक्त मुरुम के स्थान में लोकल मिट्टी डलवाया गया है, जिससे कई हिस्से पर यह रोड कभी भी फट सकती है अथवा दब सकती है। प्लेंथ में डालने के लिये कई जगह इसी सड़क के बार्डर के मिट्टी को डाल दिया गया है जिस से उस सड़क से उतरने के लिये मानव, मवेशी और वाहन को अपने जान से खेलवाड़ करने के बराबर है। उमरिया व पंचायत के कई लोगों का कहना है कि अस सड़के के प्लेंथ में फैलाने के लिये मिट्टी निह शुल्क में यहीं के सार्लजन्क सरकारी तालाब से लाया गया है, जिस तालाब की खुदाई

जेसीबी से करवाया गया है, यहां से मिट्टी निकाल कर तालाब में बहुत गहरे और जानलेवा बड़े बड़े विसाल गड्ढे और नाला सा बनाकर छोड़ दिया गया है, जिन में मानव और मवेशियों को कभी भी गिरकर जान गंवाने का भय सता रहा है, पानी भरने पर तालाब मोहल्ले के लोग स्नान करने एवं मवेसियों को पानी पिलाने के लिये अक्सर इसी तालाब में जाया करते थे जहां घातक नाली और गड्ढे बनाकर हमारे लोगों पर घातक मुसीबत खड़ा कर दिया गया है। इस तालाब का निर्माण कुछ पंचवर्षीय पहले करवाया गया था वर्तमान में इस तालाब के सौन्दर्यकरण को नस्ट कर दिया गया है। वहीं पूंछे जाने पर कसेरू वालों ने बताया कि कसेरू के एक किसान के खेत से निशुल्क में मिट्टी खुदवाकर सड़क में डलवाया गया है, जो अवैध खनन के दायरे में आता है। वहीं जब सरपंच जी से पूंछा गया कि इस शासकीय तालाब से मिट्टी लेने के लिए क्या पंचायत विभाग से लिखित मांग की गई हैं या पंचायत विभाग ने कोई आदेश जारी किया ? यहां से निकाले गये मिट्टी का कोई निर्धारित राषि आंकी गई है कि निशुल्क में दे दिया गया है ? इस तालाब के बिगड़े सुंदर्ता का मरम्त किसके द्वारा और कब करवाया जायेगा ? तब जवाब में सरपंच कुशवाहा जी द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया और वहीं के पंचायती सचिव मंगलेस्वर शुक्ला जी द्वारा बताया गया उक्त विषय के बारे में मुझे आज दिनांक 10,06,2026 को दोपहर तक किसी भी प्रकार की कोई जानकारी नहीं नहीं मिली है और मुझे भी कोई जानकारी नहीं है, जिससे वहीं के क्षत्रवासियों का कहना है कि यह विषय जटिल है जो जांच का विषय बन चुका है।

वृद्धा आश्रम बीजाडांडी में नारकीय जीवन जी रहे बुजुर्गों की आंखों से छलके आंसू : कहा- जिन पर किया भरोसा उन्होंने ही दिया दगा

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

जिले के बीजाडांडी क्षेत्र में संचालित एक कथित वृद्धाश्रम को लेकर ऐसे गंभीर आरोप सामने आए हैं जिन्होंने प्रशासन समाज कल्याण विभाग और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। बीजाडांडी में सैद्धांतिक सीनियर सिटीजन होम नाम से संचालित इस संस्था में रह रहे बुजुर्गों ने मीडिया से बातचीत में जो खुलासे किए वे बेहद चिंताजनक हैं। आरोप है कि मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मंदिरों और अन्य सार्वजनिक स्थानों से बुजुर्ग महिला-पुरुषों को बहला-फुसलाकर यहां लाया गया और फिर उन्हें वर्षों तक आश्रम में ही रखा गया।

मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शिकायत मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन को रात में ही हस्तक्षेप करना पड़ा तथा नायब तहसीलदार की मौजूदगी में पंचनामा कार्यवाही की गई। बीजाडांडी थाना प्रभारी अनीता कुड़ापे के अनुसार कुछ समय पहले तक इस आश्रम में लगभग 73 बुजुर्ग रखे गए थे जबकि वर्तमान में यहां 33 बुजुर्ग मौजूद हैं। इनमें 9 महिलाएं और 24 पुरुष शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन बुजुर्गों को प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों से यहां लाया गया था। जानकारी के अनुसार संस्था का संचालन जबलपुर निवासी ज्योति मिश्रा द्वारा किया जा रहा है। संस्था के अधीन लगभग 9 कर्मचारी कार्यरत बताए जाते हैं। आरोप है कि ये कर्मचारी विभिन्न जिलों में सर्वे के नाम पर घूमते हैं और असहाय, गरीब अथवा अकेले रहने वाले बुजुर्गों को बेहतर जीवन भोजन और देखभाल का झांसा देकर बीजाडांडी स्थित आश्रम तक ले आते हैं।

आश्रम में मौजूद कई बुजुर्गों ने बताया कि उन्हें यहां लाने से पहले संस्था का फोटो लगा हुआ एक फॉर्म भरवाया गया था। उन्हें बताया गया था कि यहां रहने खाने और स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था मिलेगी। लेकिन बाद में वे अपने घर लौटना चाहते थे इसके बावजूद उन्हें वापस नहीं भेजा गया। कुछ बुजुर्गों का दावा है कि वे कई वर्षों से यहां रह रहे हैं और अपने परिवार या गृह क्षेत्र में वापस जाना चाहते हैं। यदि ये आरोप सही साबित होते हैं तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही का मामला नहीं बल्कि मानवाधिकारों से जुड़ा अत्यंत गंभीर विषय बन जाता है। बुजुर्गों ने डायल-112 पर शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें जबरन आश्रम में रखा गया है।

शिकायत के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और बुजुर्गों के बयान दर्ज किए गए। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने भी जांच शुरू की। बुजुर्गों ने आरोप लगाया कि उन्हें सार्वजनिक स्थानों से लाकर आश्रम में रखा गया और यहां से बाहर जाने की नहीं दिया जाता है। कुछ ने यह भी कहा कि वे अपने घर जाना चाहते हैं लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। इन आरोपों के सामने आने के बाद पूरे जिले में इस संस्था को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि सामाजिक सुरक्षा अधिकारी जयदीप गोविंद भारतीया के अनुसार संस्था का जनपद पंचायत अथवा जिला पंचायत स्तर पर कोई पंजीयन रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है।

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि उनके पास संस्था से संबंधित किसी वैध पंजीयन या अधिकृत संचालन की जानकारी नहीं है। इस पूरे मामले ने केवल संस्था ही नहीं बल्कि उन विभागों को भी कठघरे में खड़ा कर दिया है जिनकी जिम्मेदारी समाज कल्याण और वृद्धजन संरक्षण से जुड़ी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि संस्था लंबे समय से संचालित थी तो उसके दस्तावेज पंजीयन वित्तीय स्रोत कर्मचारियों की नियुक्ति और बुजुर्गों की वास्तविक स्थिति की नियमित जांच होनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि वर्षों तक किसी ने इसकी गंभीरता से समीक्षा नहीं की। अब यह भी जांच का विषय है कि संस्था को आर्थिक सहायता कहां से मिल रही है बुजुर्गों के नाम पर कोई अनुदान या दान राशि प्राप्त की जा रही थी या नहीं और यदि हो रही थी तो उसका उपयोग किस प्रकार किया गया। समाजसेवा के नाम पर संचालित संस्थाओं की भूमिका हमेशा सम्मानजनक मानी जाती है। लेकिन जब किसी संस्था पर लोगों को बहला-फुसलाकर लाने और उनकी स्वतंत्रता सीमित करने जैसे आरोप लगते हैं तो पूरी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि बुजुर्गों को उनकी इच्छा के विरुद्ध रखा गया तो यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं के साथ गंभीर खिलवाड़ माना जाएगा। ऐसे मामलों में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही आवश्यक होगी। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी अनीता कुड़ापे ने नायब तहसीलदार के साथ आश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के बयान दर्ज कराए और पंचनामा तैयार किया। प्रशासन ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही तय होगी। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल उन 33 बुजुर्गों के भविष्य को लेकर है जो आज भी आश्रम में रह रहे हैं। यदि वे वास्तव में अपने घर लौटना चाहते हैं तो प्रशासन को उनकी पहचान परिवार और मूल निवास का पता लगाकर उन्हें सम्मानपूर्वक पुनर्वास उपलब्ध कराना होगा। बीजाडांडी का यह मामला केवल एक वृद्धाश्रम तक सीमित नहीं है। यह उन तमाम व्यवस्थाओं की पड़ताल का अवसर है जिनके भरोसे समाज के सबसे कमजोर और असहाय वर्गों की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। फिलहाल बीजाडांडी का यह कथित वृद्धाश्रम पूरे जिले में चर्चा और संदेह का केंद्र बन चुका है।

पुलिस अधीक्षक ने दिया करियर मार्गदर्शन

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

सेवाभारती द्वारा आयोजित कन्या कौशल शिविर के तीसरे दिन का सायंकालीन सत्र प्रेरणा उत्साह और मार्गदर्शन से परिपूर्ण रहा इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी परिवार सहित शिविर में पहुंचे और बालिकाओं के साथ आत्मीय संवाद किया। पुलिस अधीक्षक ने शिविर की विभिन्न गतिविधियों और व्यवस्थाओं का अवलोकन किया उन्होंने अपने परिवार के साथ बालिकाओं के बीच समय बिताया तथा उनकी प्रतिभा अनुशासन और उत्साह की सराहना की उनकी सहभागिता से शिविर का वातावरण और अधिक उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायक बन गया पुलिस अधीक्षक ने बालिकाओं को जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी उन्होंने कहा कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों उन्हें कभी भी अपने सपनों के मार्ग में बाधा नहीं बनने देना चाहिए ऊंचे सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस ही सफलता की पहली सीढ़ी है उन्होंने बालिकाओं को पीएससी और यूपीएससी जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी उन्होंने बताया कि सही रणनीति नियमित अध्ययन समय प्रबंधन और कड़ी मेहनत के माध्यम से कोई भी विद्यार्थी सफलता हासिल कर सकता है करियर मार्गदर्शन के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ अध्ययन करने का संदेश दिया कार्यक्रम के अंत में हरिकेश दुबे ने पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी एवं उनके परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

समावेशित शिक्षा प्रशिक्षण का आयोजन

मण्डला। (स्वतंत्र मत)। आकांक्षी विकासखण्ड योजना के अंतर्गत चयनित विकासखण्ड नारायणगंज में समावेशित शिक्षा को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 9 जून से 13 जून तक शासकीय मॉडल स्कूल कुड़ामैली में पांच दिवसीय मल्टी-कैटेगरी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण का सफल संचालन मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीईओ श्रृद्धा सोनी के नेतृत्व में किया गया विकासखण्ड एमआरसी शेख इरफान ने बताया कि प्रशिक्षण में सीडब्ल्यू एसएन दिव्यांग बच्चों को शिक्षित करने वाले 173 शिक्षकों तथा 12 जन शिक्षकों सहित कुल 185 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य सामान्य विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थियों के शिक्षकों को समावेशी शिक्षा, ब्रेललिपि, सांकेतिक भाषा एवं विशेष शिक्षण तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को दिव्यांग बच्चों के नामांकन उनकी विशेष आवश्यकताओं की पहचान संवेदनशील व्यवहार तथा अनुकूल शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। जिला समावेशित शिक्षा प्रभारी एवं सहायक परियोजना समन्वयक केके उपाध्याय ने शिक्षकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि समावेशित शिक्षा का मूल उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को उसकी आवश्यकता और क्षमता के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं बीआरसी कमलेश भवेदी ने कहा कि समावेशित शिक्षा का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है। वहीं शिक्षा समिति के अध्यक्ष अविनाश शर्मा ने शिक्षकों को शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने का आह्वान किया प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर के रूप में संदीप सोनी, प्रशांत वैद्य, अरविंद यादव, सीमा यादव, शेख इरफान, पंकज उईके, शंकरिया उईके एवं शालिनी ठाकुर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई समापन समारोह में शासकीय महाविद्यालय कुड़ामैली प्राचार्य एडमोन लकणा सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

ड्यूटी व्यवस्था में परिवर्तन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मानसून सत्र 2026 के दौरान संभावित बाढ़ एवं अतिवृष्टि जैसी आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला स्तरीय बाढ़ आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम की ड्यूटी व्यवस्था में अस्थायी परिवर्तन किया गया है इस संबंध में कलेक्टर कार्यालय द्वारा आदेश जारी किया गया है जारी आदेश के अनुसार जिला स्तरीय बाढ़ आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम दूरभाष क्रमांक 07642-251079 में सूचना आदान-प्रदान एवं समन्वय कार्य के लिए तैनात लोक निर्माण विभाग के अनुरेखक राजेश कुमार कोष्ठी 15 जून से 17 जून तक अवकाश पर रहेंगे।

शरीर का स्विच दबाते ही मिलेगी राहत, 3 दिवसीय शिविर 16 से

मण्डला (स्वतंत्रमत)। मंडला में पहली बार सुप्रसिद्ध डॉक्टर एसके गर्ग का आगमन हो रहा है यहां पर आयोजित विशाल स्वास्थ्य शिविर में बिना दवा दर्द से पाए परमानेन्ट राहत वाले इस शिविर का आयोजन 16 जून से 18 जून तक किया जा रहा है। यहां प्रात: 9 बजे से 6 बजे तक शिविर आयोजित होगा उपचार के लिए पंजीयन कराना अनिवार्य किया गया है। पुलिस पेट्रोल पम्प के सामने स्थित एमके होटल में आयोजित तीन दिवसीय स्वास्थ्य शिविर में चमात्कारी प्रेशर पॉइंट थेरेपी, मैगनेटिक थेरेपी से उपचार किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमति मृदुला काल्पीवार ने जानकारी देते हुए बताया कि

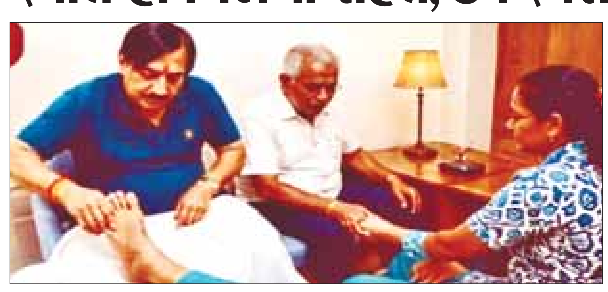

सुजोक एक्यूप्रेशर एवं मैग्नेटिक चिकित्सा पद्धति के विशेषज्ञ डॉ. एसके गर्ग द्वारा तीन दिवसीय उपचार शिविर आयोजित किया जा रहा है। डॉ. गर्ग सुजोक एवं मैग्नेट थेरेपी के माध्यम से शरीर के विशेष दबाव बिंदुओं प्रेशर पॉइंट्स और ऊर्जा प्रवाह को सक्रिय कर स्वास्थ्य लाभ देने का प्रयास करते हैं उनके अनुसार हाथों पैरों और शरीर के विभिन्न बिंदुओं के माध्यम से शरीर की आंतरिक स्थिति को समझकर उपचार किया जाता है जिससे शरीर की स्व-उपचार क्षमता को प्रोत्साहन मिलता है शिविर में साइटिका, कमर दर्द, घुटनों का दर्द, सर्वाइकल, माइग्रेन, कंधे का दर्द, जोड़ों के दर्द, ब्लड प्रेशर तथा डायबिटीज जैसी समस्याओं से पीड़ित लोगों को परामर्श एवं उपचार दिया जाएगा। इस पद्धति से अनेक लोगों को राहत मिली है और कई मरीजों ने सकारात्मक अनुभव साझा किए हैं। डॉ. एसके गर्ग देश के विभिन्न राज्यों में स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से सेवाएं दे चुके हैं तथा अनेक सामाजिक खेल एवं सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों का उपचार कर चुके हैं आयोजकों ने नागरिकों से शिविर में पहुंचकर इस वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति की जानकारी लेने और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है। यहां पर 16 जून को गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले मरीजों का नि:शुल्क उपचार और दवा वितरण होगा जिसका सम्पूर्ण खर्च सामाजिक कार्यकर्ता किशोर काल्पीवार द्वारा किया जाएगा।

शिविर में सुनीं समस्याएं

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिले के ग्राम पंचायत बिनेका एवं ग्राम पंचायत पोंडीमाल में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा शासन द्वारा संचालित जनहितैषी योजनाओं की जानकारी प्रदान की सांसद ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना शासन की प्राथमिकता है शिविर के दौरान ग्रामीणों ने पेयजल, सड़क, आवास, राजस्व तथा अन्य स्थानीय समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

भाजपा की जिला कामकाजी बैठक संपन्न

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

भारतीय जनता पार्टी की महत्वपूर्ण कामकाजी बैठक जिला भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों हाल ही में संपन्न हुए विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण कर हुई तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों का परिचय और स्वागत संपन्न हुआ। बैठक को संबोधित करते हुए जिले के संगठन प्रभारी रमेश भटेरे ने पिछले दिनों आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए सभी

पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को वरिष्ठ नेतृत्व से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीति-नीति और जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रहा है तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी को समन्वय एवं सक्रियता के साथ कार्य करना होगा। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले भर में आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने अपने संबोधन में संगठन की आगामी कार्ययोजना पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है और कार्यकर्ताओं की सक्रियता के बल पर पार्टी निरंतर जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ा रही है। सभी जनपद नगर पालिका, नगर परिषद क्षेत्र मे 12 जून से 18 जून तक लगाए जा रहे जन कल्याण शिविर मे अंतिम छोर तक के व्यक्ति लाभान्वित हो कोई भी व्यक्ति शासन की योजनाओं से वंचित न रहे इसके लिए आप सभी चिंता करे भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा म. प्र. प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के मंडला प्रथम आगमन की तैयारी पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में मंच संचालन जिला उपाध्यक्ष भाजपा शैलेश मिश्रा एवं आभार जिला महामंत्री भाजपा संतोष रजक ने किया।

सांसद श्री कुलस्ते का प्रवास कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते 14 जून को दोपहर 3:45 बजे डिण्डौरी से सरही गेट मंडला पहुंचेंगे तथा रात्रि विश्राम करेंगे। 15 जून को प्रात: 10 बजे सरही गेट से बिछिया के लिए रवाना होंगे तथा प्रात: 11 बजे बिछिया में जनकल्याण शिविर में भाग लेंगे। सांसद श्री कुलस्ते 11:30 बजे बिछिया से घुटास के लिए प्रस्थान करेंगे एवं दोपहर 12:10 बजे घुटास में जनकल्याण शिविर में शामिल होंगे। वे दोपहर 2 बजे घुटास से घुघरी के लिए रवाना होंगे तथा दोपहर 3 बजे नेझर घुघरी पहुंचकर जनकल्याण शिविर में शामिल होंगे। श्री कुलस्ते शाम 4 बजे नेझर घुघरी से ढेंकों पंचायत, सलवाह मण्डल के लिए रवाना होंगे तथा शाम 4:30 बजे जनकल्याण शिविर में भाग लेंगे। शाम 5 बजे ढेंकों पंचायत से घुघरी के लिए प्रस्थान करेंगे। सांसद श्री कुलस्ते शाम 5:30 बजे घुघरी में आयोजित जनकल्याण शिविर में शामिल होंगे। वे शाम 7 बजे घुघरी से मंडला सर्किट हाउस के लिए रवाना होंगे तथा रात्रि 9 बजे मंडला पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे सांसद श्री कुलस्ते 16 जून को प्रात: 10 बजे मंडला से मुकासखुर्द नारायणगंज के लिए प्रस्थान करेंगे तथा प्रात: 11 बजे वहां पहुंचकर बाउंड्रीवॉल का लोकार्पण एवं जनकल्याण शिविर में शामिल होंगे। वे दोपहर 12 बजे नारायणगंज से जनपद पंचायत निवास के लिए रवाना होंगे तथा दोपहर 12:30 बजे निवास हायरसेकेंडरी स्कूल में भाग लेंगे। वे दोपहर 1:30 बजे निवास से पौंड़ी बीजाडांडी के लिए प्रस्थान करेंगे तथा दोपहर 2:30 बजे पौंड़ी बीजाडांडी पहुंचकर जनकल्याण शिविर में शामिल होंगे तथा रात्रि विश्राम करेंगे।

नैनपुर में पेट्रोल-डीजल संकट गहराया

डीजल की चाह में किसानों के ट्रैक्टरों की लंबी कतार

नैनपुर। नगर में इन दिनों पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। तीन पेट्रोल पंप होने के बावजूद भी बीते दिन तक किसी भी पंप पर पेट्रोल उपलब्ध नहीं था, जबकि केवल एक पंप पर सीमित मात्रा में डीजल मिलने से लोगों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा। यह स्थिति आये दिन नगर में देखी जा रही है। जहां डीजल लेने के लिए सुबह से ही ट्रैक्टरों की लंबी लाइनें देखी गईं। कृषि कार्यों का समय होने के कारण किसानों की परेशानी और बढ़ गई है। खेतों में जुताई, बुवाई जैसे आवश्यक कार्यों के लिए ट्रैक्टरों की जरूरत होती है, लेकिन ईंधन की कमी ने इन कार्यों की गति को धीमा कर दिया है। मजबूरी में किसान घंटों लाइन में लगकर डीजल लेने को विवश हैं।

जानकारी के अनुसार, डीजल की सीमित उपलब्धता को देखते हुए प्रत्येक ट्रैक्टर को लगभग 3,000 रुपये तक का ही डीजल दिया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक किसानों को राहत मिल सके। इसके बावजूद कई किसानों को बिना डीजल लिए ही लौटना पड़ रहा है।

वहीं, पेट्रोल की किल्लत के चलते दुपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोग पेट्रोल की तलाश में एक पंप से दूसरे पंप तक भटकते नजर आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सामान्य दिनों में एक-दो दिन में मिलने वाला ईंधन अब कई दिनों तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, जिससे स्थिति और गंभीर होती जा रही है। यदि जल्द ही आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो इसका असर न केवल कृषि कार्यों पर बल्कि दैनिक जीवन और स्थानीय व्यापार पर भी पड़ेगा।

नगरवासियों और किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द पेट्रोल और डीजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और कृषि कार्य के साथ आम जन जीवन प्रभावित होने से बच सके।

शिविरों के माध्यम से लाभान्वित हो रहे हितग्राही

नगरीय क्षेत्र में लगाये जा रहे जन कल्याण शिविर

159 हितग्राही हुए लाभान्वित

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य जनकल्याणकारी योजनाओं के विशेष शिविर का आयोजन किया गया। नगरीय क्षेत्र में ये शिविर नगर पालिका के विभिन्न वार्डो में 12,13 और 15 जून को आयोजित किये जाएंगे। जिसकी शुरुआत वार्ड क्रमांक 8 श्रीराम मंदिर परिसर में वार्ड क्रमांक 06, 07, 08, 09 और वार्ड 14 के रहवासियों को शासन की विभिन्न योजनाओं में हित लाभ पहुंचाकर किया गया।

शिविर का शुभारम्भ नपा अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी द्वारा श्रीराम मंदिर में द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। शिविर में कार्यालय नगर पालिका, तहसील, विकासखंड शिक्षा

अधिकारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ,महिला एवं बाल विकास ,सिविल अस्पताल, पशु चिकित्सालय, थावर परियोजना ,कृषि , विद्युत विभाग, भारतीय स्टेट बैंक, सेंट्रल बैंक नैनपुर सहित कुल 12 विभाग उपस्थित रहे। शिविर में प्राप्त कुल 71 आवेदनों का निराकरण कर हितग्राहियों को त्वरित लाभ दिया गया।

अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नैनपुर आशुतोष ठाकुर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी लक्ष्मण सिंह सारस, द्वारा नगर पालिका एवं अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओं ,सेवाओं के विषय में विस्तृत जानकारी साझा की गई । इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों के द्वारा वार्ड क्रमांक 8 मुख्य मार्ग पर वृक्षारोपण किया गया। साथ ही श्याम बैरागी द्वारा रचित गीत 'नैनपुर से कचरा गोल' का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में कुल 09 हितग्राहियों को अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान की गई। 02 हितग्राहियों को खाद्यान्न पर्ची वितरित की गई । द्वितीय दिवस कल 13 जून को वार्ड क्रमांक 3 जयसवाल धर्मशाला में वार्ड क्रमांक 01,02,03,04,13 हेतु शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में आवेदनों का निराकरण कर 88 हितग्राहियों को त्वरित लाभ प्रदान किया गया एवं 03 हितग्राहियों को अंत्येष्टि राशि प्रदान की गई । उक्त शिविर में अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, उपाध्यक्ष श्रीमती संजू लता वैष्णव, पार्षद राजाराम शर्मा, नितिन ठाकुर, श्रीमती पिंकी चौधरी, सुनील विश्वकर्मा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आशुतोष ठाकुर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी लक्ष्मण सिंह सारस, बीएमओ डॉ राजीव चावला, पूर्व पार्षद जयंत रंगारी, जुगल बघेल, धनपत विश्वकर्मा, गणमान्य नागरिक अंजनी तिवारी, कन्हैया चावला, सुधीर वन्देवार, कुलदीप डोंगरे , गणेश कोकड़िया, श्रीमती पुष्पा डोंगरे,श्रीमती रूपा श्रीवास्तव, श्रीमती किरण बर्मन, सुनील जघेंला, रामकुमार चौरसिया, उपयंत्री अभिलाष श्रीवास, राजस्व उप निरीक्षक प्रेम कुमार चौटेल, अरुण यादव, एवं नगर पालिका कर्मचारी एवं अन्य विभागों के कर्मचारी अधिकारी उपस्थित रहे।

नाम सुधार व दस्तावेज गुम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं रीता तिवारी पति श्री पंकज तिवारी आयु 37 वर्ष निवासी दादा धनीराम वार्ड नं. 24 महाराजपुर जिला मण्डला मप्र की स्थायी निवासी हूँ। यह कि मेरे द्वारा कक्षा 12वीं की परीक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय सिरमौर रीवा से सत्र 2006-07 में दी गई थी जिसमें मैं अनुत्तीर्ण रही हूँ। यह कि भूलवश मेरे द्वारा उक्त विद्यालय से प्राप्त की गई टी.सी. स्थानान्तरण प्रमाण पत्र महाराजपुर से मण्डला के बीच में लगभग दिनांक 20.03.2026 में गुम हो चुकी है। जो कि प्रयास पूर्वक ढूंढे जाने पर भी नहीं प्राप्त हुई है यह कि मैं विवाहित हो चुकी हूँ तथा विवाह से पूर्व मेरा नाम रीता देवो द्विवेदी RITA DEVI DWIVEDI पिता श्री हरिशंकर द्विवेदी था तथा रीता तिवारी एवं रीता देवी द्विवेदी दोनो नाम मेरे ही हैं जो सही हैं मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाता है उक्त टीसी स्थानान्तरण प्रमाण पत्र में मेरे पूर्व नाम RITA DEVI DWIVEDI के नाम से पुनः जारी किए जाने हेतु संबंधित कार्यालय में इस शपथपत्र का निष्पादन किया जा रहा है।

शपथकर्ता :-रीता तिवारी पति श्री पंकज तिवारी निवासी दादा धनीराम वार्ड नं. 24 महाराजपुर जिला मण्डला

मानसूनी फुहारों में भीगना तो आपको पसंद ही होगा पर इस मौसम में सबसे ज्यादा परेशानी तब होती है, जब बारिश में भीगने के बाद कपड़ों और बालों समेत आपके पूरे लुक का हाल-बेहाल हो जाता है। इसका मतलब यह कतई नहीं कि इस मौसम में भीगने से बचने के लिए बाहर ही न निकलें या फैशनेबल दिखने में कोई कमी रखें।

मानसून में बरकरार रखें... फैशन का टशन

भीगे मदमस्त मौसम में भरपूर लुत्फ उठाइए। इसके बावजूद यंगस्टर्स को जो समस्या परेशान कर रही है, वो है फैशन की। बरसात के मौसम में कैसे दिखाएं फैशन का जलवा? कैसे कोई मिटे उनकी खूबसूरत दिल लुभाने वाली अदा पर? चाहे मौसम कोई भी क्यों न हो, खुद को अपडेट रखते हुए हर कोई फैशन का लुत्फ उठा सकता है तो कुछ इस तरह रखे खुद को फैशनेबल। भीगे मौसम में कुछ इस तरह का स्टाइल अपनाएं, जो आपके लुक को सूट करे और आपको सबसे जुदा-जुदा फील कराए।

फैब्रिक के साथ एक्सपेरिमेंट

फैशन की बात करें तो हम पाएंगे कि आजकल के युवा फिल्म स्टार्स से प्रेरित होकर उनके स्टाइल को अपना रहे हैं। कैटरीना या करीना की ट्रांसपरेंट साड़ी और ब्राइट ब्लाउज महिलाओं को आकर्षित कर रहे हैं। इन साड़ियों का कलेक्शन आप उनके वार्डरोब में हमेशा पाएंगे। अधिकतर फैशन डिजाइनर यंगस्टर्स के लिए फैशन क्रिएट करते हैं।

हमेशा रहें कम्फर्ट जोन में

अगर ऑफिस जाती हैं तो खुद को कैसे रखेंगी बारिश में फैशनेबल, इस बात का खास ख्याल रखना पड़ता है। बारिश में आप चाहे जो भी कपड़े पहनें, वो कम्फर्ट हों, साथ ही कॉटन के या मोटे न हों, क्योंकि अगर कपड़े भीग जाएंगे तो जल्दी सूखेंगे नहीं। इसलिए ऑफिस गोइंग गर्ल्स, वुमंस को हमेशा हल्के जैसे सिंथेटिक या जार्जेट के कपड़े पहनने चाहिए। ये जल्दी सूखते हैं और कम्फर्टेबल होते हैं।

मूड के अनुसार हो वियरिंग

ब्लाउजेस, शर्ट्स, टाई और अन्य एसेसरीज जैसे नेक पीसेस, स्कार्फ्स, बैग्स और शूज में वैराइटी के कारण वे अपनी वेयरिंग स्टाइल को मन मुताबिक या मौसम के मिजाज के तौर पर ढाल सकते हैं। आप इस मौसम में जींस की जगह कैप्री, ट्राउजर जिगजैंग कुछ और ट्राई कर सकती हैं।

स्टाइल का रखें ध्यान

कुछ भी पहनने से पहले अपने बॉडी टाइप को ध्यान में रखें। आपका वेयरिंग स्टाइल आपकी बॉडी को फ्लैटर करें। आज के जमाने का स्टाइल हर तरह की बॉडी के लिए परफेक्ट है। इस सीजन में आप ब्राइट कलर्स के कपड़े पहन सकती हैं। रंगीन कपड़े आपके मूड को भी रंगीन बना देंगे। इन दिनों फ्लोरल प्रिंट्स का चलन भी अधिक है। यह यंग और फ्रेश लुक प्रदान करता है।

- मानसून में बहुत जरूरी है कि आप मॉइस्चराइजर का प्रयोग जरूर करें।
- मेकअप में वाटरप्रूफ और स्मज-फ्री प्रोडक्ट्स का ही प्रयोग करें।
- स्मजप्रूफ काजल पेंसिल का प्रयोग करें।
- पिंक, ग्रीन और ब्ल्यू जैसे कलर ही सीजन में इन हैं, क्योंकि बोल्ड कलर आपको फ्रेश लुक भी देंगे और ज्यादा समय तक टिकेंगे भी।
- फाउंडेशन न्यूड या लाइट पीच कलर का अप्लाई करें।
- फाउंडेशन की जगह लाइट मूस इस मौसम में अच्छा ऑप्शन है।
- डार्क स्पॉट्स और दाग-धब्बों के लिए कंसीलर अप्लाई करें।
- बहुत बोल्ड लुक के बजाय सिंपल लुक क्रिएट करें, जैसे स्मोकी आइज की जगह सिंपल कलर्ड लाइनर से पतली लाइंस अप्लाई कर आई मेकअप करें।
- आई मेकअप और फेस मेकअप के लिए गेंटल और सॉफ्ट कलर्स यूज करें।
- डे लुक के लिए पेस्टल शेड्स के आईशैडो बेस्ट होते हैं।
- लिप ग्लास अवॉयड करें, क्योंकि वो स्मज हो जाता है। क्रीमी फिनिश वाला मैट लिप कलर बेहतर ऑप्शन है।

यूज करें सिंथेटिक फैब्रिक

मानसून में अक्सर कपड़े भीग जाते हैं। ऑफिस में आप गीले कपड़ों के साथ तो नहीं बैठ सकतीं, इसलिए हल्के कपड़े पहनें। थिन कॉटन के अलावा आप सिंथेटिक फैब्रिक का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। ये आसानी से धुल जाते हैं और गीले होने पर भी जल्दी सूख जाते हैं।

जींस का मोह छोड़ें

जींस टाइट होती है और भीगने के बाद ये शरीर से चिपक जाती है। कॉटन चिनॉस हल्का और लूज होता है। इसे पहनने पर आप खुद को अनकम्फर्टेबल महसूस नहीं करेंगी।

ट्राई करें हर रंग

ईस्स ब्यूटी पार्लर की एक्सपर्ट अंजू कालरा बताती हैं, इस मौसम में आप चाहे जितना बचें, थोड़ा बहुत भीग ही जाती हैं। ऐसे में बारिश में हैवी मेकअप के बजाय हल्का और नेचुरल मेकअप करें। हां, फैशनेबल दिखने के लिए ब्राइट रंग की वॉटरप्रूफ लिपस्टिक लगाएं। मानसून रंगों के साथ प्रयोग करने का उत्तम समय है। नए-नए कलर ट्राई करें और अपने आपको नया लुक दें।

कम्फर्ट लुक दें फुटवियर

ऐसे शूज का चुनाव करें, जो पैरों को बरसात में जमा होने वाले पानी से सुरक्षित रख सकें। लेदर के शूज से दूर रहें। अगर आप लेदर के शूज पहनेंगी तो इस बात का ख्याल रखें कि वो पानी में भीगे नहीं। बरसात के मौसम में पानी से तरबतर होना कौन नहीं चाहेगा? यंगस्टर्स की बात करें तो उन्हें भीगने का सिर्फ बहाना चाहिए। ऐसे में यह जरूरी है कि उनका ड्रेसिंग स्टाइल कम्फर्टेबल हो।

न्यू थीम से घर को दें न्यू इफेक्ट

इस मौसम में कमरे को न्यू इफेक्ट देने के लिए गार्डन थीम चुन सकती हैं। इसके लिए रंग-बिरंगे फूल, हरी पत्तियों और फव्वारों से जुड़ी सीनरीज, कर्टन्स, बेड लिनेन से कमरे को सजाएं। इन दिनों में आपका लिविंग रूम कूलिंग इफेक्ट दे, इसके लिए जरूरी है कि लिविंग रूम की दीवारों पर लाइट कलर्स पेंट करा दें।

प्राकृतिक रूप से आप आसानी से अपने घर को ठंडा-ठंडा, कूल-कूल रख सकती हैं। इसकी खास बात यह है कि ये तरीके बीमारियों से बचाव भी करते हैं। घर को ठंडा-ठंडा, कूल-कूल रखने के लिए जरूरी है कि उसकी छत ठंडी रखें। इसके लिए सुबह और शाम दोनों टाइम घर की छत पर पानी से छिड़काव करें या छत पर टाट रखें। इससे घर की दीवारों का तापमान कम होता है, साथ ही ठंडक के लिए खस के टाट को पानी से भिगोकर टांगने से घर में ठंडक बनी रहती है।

हल्के रंग के पर्दे

सूरज की रोशनी आपके कमरे को रौशनी से भरक देती है। इससे बचने के लिए पर्दों का इस्तेमाल करें। गाढ़े रंग के पर्दे धूप को अपनी ओर खींचते हैं, वहीं हलके, पेस्टल और व्हाइट जैसे रंग धूप से बचाते हैं। कहने का मतलब है कि पर्दों का कलर जितना हलका होगा, घर उतना ही ठंडा रहेगा।

यूज करें लाइट कलर्स

इन दिनों में लाइट फैब्रिक में लाइट कलर कर्टेंस लगाएं। कोशिश करें कि ये प्योर कॉटन, नेट और शिफॉन फैब्रिक्स के हों। कुर्सियों और सोफे के तकियों और कुशंस को कलरफुल और वाइब्रेंट डिजाइंस से सजाएं। आप चाहें तो ग्रीन और यलो वुवेन बास्केट को भी लिविंग रूम में रख सकती हैं।

ताजगी से भरपूर

ग्रीन के साथ सनी येलो कलर कॉम्बिनेशन के पिलो, बेड लिनेन भी कमरे को आकर्षक और तरोताजगी से भर देंगे। ग्रीन कलर के शौकीन लोगों को चाहिए कि मिक्सिंग पैटर्न, जैसे क्रिस क्रॉस, स्ट्राइप, ज्यॉमिट्रिकल शेप यानी तिकोनी, गोल, चौकोर, आड़ी-तिरछी आकृतियों का सहारा लें।

पेस्टल शेड

दूसरी ओर, यदि आपने वॉल-टू-वॉल कारपेट लगाया हुआ है तो उसके ऊपर से कॉटन के हलके रंग वाले कालीन या कपड़े लगा दें। इससे कमरा गर्म महसूस नहीं होगा। डार्क कलर के कैंडल्स को व्हाइट और पेस्टल शेड कैंडल्स से रिप्लेस कर लें। इसके अलावा ताजा फूलों को भी फ्लावर पाट में लगाएं।

लिविंग रूम को कूल रखेगा फेस्टिव लुक

फेस्टिव लुक लिविंग रूम में लाइटिंग एसेसरीज यूज करें। स्ट्रिंग लाइट्स बेहद आकर्षक नजर आती हैं। इन्हें हैंग करना आसान होता है और ये कमरे को एक फेस्टिव लुक भी देती हैं। हमिंगबर्ड्स और सनफ्लावर्स जैसे डिजाइन सिलेक्ट करें। इस पर मैरीगोल्ड और ज्यॉमेट्रिकल डिजाइंस वाले हैंगिंग पेपर लालटेन आपके लिविंग रूम को सीजनल टच देंगे। कालीन मोड़कर रख दें। लिविंग रूम की जमीन को खाली रहने दें।

पुराने फुटवियर का यूं कर सकती हैं मेकओवर...

अक्सर फुटवियर का रंग थोड़ा हल्का पड़ जाने के बाद हम उसे अपने कलेक्शन से आउट कर देते हैं। यदि आपका कोई फुटवियर पुराना हो चुका है या आप उससे बोर हो चुकी हैं तो उसे डिजाइनर बनाकर री-यूज कर सकती हैं। इस बात का ध्यान रखें कि शूज पर नैट को खींचकर लगाना है, ताकि उस पर सिलवटें न पड़ें तथा वह भद्दा न दिखाई दे। आप चाहें तो ब्राइट पर लाइट एवं लाइट कलर के शूज पर ब्राइट नैट लगा सकती हैं। उसे और अधिक संवारने के लिए आप उस पर एक-एक रेडिमेड फ्लॉवर भी लगा सकती हैं।

स्टोन

रोजाना इस्तेमाल होने वाले फुटवियर को आप स्टोन से सजा सकती हैं। फुटवियर की पतली स्ट्रीप में आप कोई भी रंगीन स्टोन लगा दें और ऊपर से रिबन का छोटा फ्लावर बना के चिपका दें।

पुराने बटन

फुटवियर को ट्रेंडी लुक देने के लिए आप पुराने बटन का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आपके पास फ्लैट बैली है तो उस पर अलग-अलग रंग के पुराने बटन लगाकर इसे स्टाइलिश लुक दें।

नैट की झलक

यदि आप किसी फुटवियर को सिंपल होने के कारण नहीं पहनना चाहतीं तो उस पर नैट चढ़ा दें। ब्लैक नैट लें और अपने पुराने फुटवियर पर ग्लू की मदद से उसे चिपका दें और फिर उसे सूखने के लिए धूप में रख दें। जब नैट सूख कर उस पर अपनी पकड़ मजबूती से बना ले तो एक्स्ट्रा नैट काट दें।

मिरर

बाजार में छोटे मिरर आसानी से मिल जाएंगे। इन मिरर से आप अपनी हिल्स या शूज को एक अलग लुक दे सकती हैं।

स्पार्कल ग्लू

स्पार्कल ग्लू की मदद से आप अपने शूज को एक नया लुक दे सकती हैं। शूज के ऊपर आप स्पार्कल ग्लू से कोई भी डिजाइन बना दें। जैसे- छोटे फ्लावर या कार्टून आदि। या तो ग्लीटर से भी लुक चेंज कर सकती हैं।

स्टीकर

आपने मार्केट में भी बहुत से ऐसे फुटवियर देखे होंगे, जिन पर स्टीकर लगे होते हैं। बेहतर होगा कि इन्हें मार्केट से खरीदने के बजाए घर पर खुद स्टीकर से फुटवियर को ट्रेंडी लुक दें।

गैस सिलेंडर के इस्तेमाल में बरतें सावधानी

गैस सिलेंडर का इस्तेमाल करते समय ध्यान में रखें ये बातें-

- सिलेंडर को हमेशा सीधा ही रखना चाहिए। उसे कभी भी नीचे गिराकर नहीं रखना चाहिए, इससे दुर्घटना भी घट सकती है।
- किचन में हवा आने-जाने के लिए हवादार खिड़कियां भी जरूर होना चाहिए, जिससे एलपीजी रसोई में इकट्ठी नहीं होगी।

- रात को सोने से पहले गैस का रेगुलेटर नॉब बंद कर दें।
- जहां सिलेंडर रख रही हैं, वह जगह सूखी होना चाहिए। इसे गरम स्थान पर न रखें।
- सिलेंडर में प्रयोग होने वाले रेगुलेटर और ट्यूब्स की समय-समय पर जांच करते रहना चाहिए। इनमें जरा सी भी खराबी लगे तो तुरंत इनको बदल दें।
- गैस का रेगुलेटर और पाइप हमेशा अच्छी कंपनी का ही इस्तेमाल करें।

महिलाएं... पुरुष और बच्चे हो रहे हैं संक्रमित

वायरस का अटैक... बढ़ा रहा गले में इंफेक्शन

गले में इंफेक्शन बैक्टीरिया और वायरस के संपर्क में आने से होता है। बैक्टीरिया और वायरस से संक्रमित होने के बाद गले में जलन, दर्द, सूजन, बुखार और खांसी जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। अगर ये तकलीफें वायरस अटैक की वजह से हो रही हैं तो अपने आप ही ठीक हो जाती है, लेकिन अगर इसका कारण बैक्टीरिया है तो इलाज के लिए एंटीबायोटिक दवाइयां दी जाती हैं।

गले में इंफेक्शन के लक्षण

- भूख न लगना।
- अधिक ठंड लगना।
- मुंह के अंदर फफोले बनना।
- अचानक से शरीर का तापमान बढ़ जाना।
- छाती की त्वचा में लाल-लाल चकत्ते बनना।
- खाना निगलने में कठिनाई और पानी पीते समय गले में दर्द होना।
- खांसी आना और गले का लाल हो जाना। गले पर सफेद धब्बे आने लगते हैं।

डॉक्टर को कब दिखाएं

अगर गले में संक्रमण की वजह से खाना खाते समय गला दर्द हो, थूक के साथ खून आता है, सांस लेने में कठिनाई, मुंह को खोलने और बन्द करने में कठिनाई होती है तो बिना देरी किए डॉक्टर को जरूर दिखाएं।

इंफेक्शन का परीक्षण

यह टेस्ट बड़ा ही आसान है और कुछ ही मिनट बाद इसका रिजल्ट भी आ जाता है। स्ट्रेप थ्रोट की समस्या होने पर इस टेस्ट को किया जाता है। अगर टेस्ट का रिजल्ट नकारात्मक आता है तो थ्रोट कल्चर टेस्ट करवाना पड़ता है, जिसका नतीजा आने में एक दिन का समय लगता है।

- थ्रोट इंफेक्शन का परीक्षण करने के लिए आपका ब्लड टेस्ट किया जा सकता है। कम्प्लीट ब्लड काउंट टेस्ट भी किया जा सकता है।

गले में इंफेक्शन से बचाव

- जब तक इंफेक्शन पूरी तरह ठीक नहीं होता, तब तक लोगों से शारीरिक दूरी बनाए रखें। हालांकि संक्रमित होने के बाद लक्षण नजर आने में समय लगता है। ऐसे में कुछ वायरस पहले ही फैल जाते हैं।

- खाना खाने से पहले व खाना खाने के बाद हाथों को अच्छी तरह से धोएं। हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।
- अगर आप स्ट्रेप थ्रोट की समस्या से पीड़ित हैं तो अपना खाना-पानी किसी के साथ शेयर न करें। पहने जाने वाले कपड़ों का भी विशेष ध्यान रखें।
- घर में किसी को थ्रोट इंफेक्शन की समस्या हुई है तो घर के सारे कपड़े और बर्तनों को गर्म पानी के साथ धोना चाहिए। समय-समय पर साफ-सफाई करते रहना चाहिए, जिससे गंदगी न पनपने पाए।
- खांसी आते वक्त या छींकते समय मुंह को रुमाल से ढंक लें। ऐसा करने से बैक्टीरिया हवा में नहीं घुलेंगे।
- सिगरेट और शराब का सेवन न करें। आपके सामने कोई सिगरेट पीता है तो उसे मना करें या वहां से हट जाएं। सिगरेट का धुआं आपके गले में इंफेक्शन को बढ़ा सकता है।

शहद की चाय

दो चम्मच शहद, 10 से 15 तुलसी की पत्तियां और दो-तीन लौंग पानी में डालकर उबालें। ठंडा हो जाने पर इस पानी का सेवन करें। तुलसी की पत्तियों में बैक्टीरिया मारने के अनोखे गुण होते हैं, जो इंफेक्शन से छुटकारा दिलाते हैं।

मुलेठी

मुलेठी की छोटी और पतली गांठ मुंह में रखकर चबाएं। इस तरह से इसके रस का सेवन करने से गले की सारी समस्याएं दूर हो जाएंगी।

सेब का सिरका और नमक

एक गिलास पानी में एक चम्मच सेब का सिरका और बराबर मात्रा में नमक मिलाएं। अब इस पानी से गरारे करें। ऐसा दिन में 4 से 5 बार करने से कुछ ही दिनों में गले के इंफेक्शन की समस्या दूर हो जाती है।

नींबू पानी व काली मिर्च

एक गिलास गुनगुने पानी में एक चम्मच शहद और एक चम्मच नींबू का रस मिलाकर इसका सेवन करें। काली मिर्च में बैक्टीरिया खत्म करने के गुण होते हैं। दिन में चार से पांच काली मिर्च के दानों को चबाएं। थ्रोट इंफेक्शन में यह फायदेमंद है।

खांस-खांसकर हो गया है बुरा हाल तो अपनाएं ये अचूक नुस्खे

- खांसी से राहत पाने के लिए अदरक और नमक दोनों का इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर दोनों को एकसाथ खाया जाए तो यह फायदेमंद साबित हो सकता है।
- बलगम वाली खांसी की वजह से बेचैनी और दर्द हो सकता है। इससे बचने और तुरंत राहत पाने के लिए आप काली मिर्च को देसी घी के साथ मिलाकर ले सकते हैं।
- पान के पत्ते का पानी भी खांसी से निपटने में फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके लिए, करना ये है कि एक कप पानी में पान के पत्ते को डालकर उबाल लें। फिर जब पानी आधा रह जाए, तो पत्ते को हटाकर पानी को कप में लें और सिप-सिप करके पीएं।
- मुलेठी खाकर भी खांसी से निपटा जा सकता है। आप चाहें तो मुलेठी के एक टुकड़े को मुंह में रखकर चूसते रहें या फिर मुलेठी वाले पान को खाकर भी आराम मिल सकता है।

घरेलू नुस्खे

स्नान दूर करे तनाव

- तनावग्रस्त महसूस होने पर हल्के गुनगुने पानी से बालों को भिगोकर नहाएं। इससे मांसपेशियों को आराम मिलेगा और मन भी शांत होगा।
- भोजन करने से आधा घंटा पहले अदरक का एक छोटा टुकड़ा नमक लगाकर चूसें। इससे भूख बढ़ेगी और भोजन भी आसानी से हजम होगा।
- एक गिलास चुकंदर के रस में एक छोटा चम्मच शहद मिलाकर पीने से शरीर में आयरन की कमी दूर होती है।
- इलायची के बीजों को पीसकर बराबर मात्रा में मिश्री मिला लें। रोज तीन बार एक छोटा चम्मच इस मिश्रण का सेवन करने से गैस या अपच में राहत मिलेगी।

किचन टिप्स

अब ताजा रहेगा पनीर

- पनीर को ताजा रखने के लिए उसे एक कटोरी में पानी में सिरका डालकर रखें।
- यदि मक्खन खराब हो गया हो तो उसे गरम करके एक चुटकी नमक और थोड़ा सा हरा धानिया डाल दें, उसका स्वाद बेहतर हो जाएगा।
- दूध की खीर को बर्तन की तली में लगने से बचाने के लिए, खौलते समय उसमें एक सिक्का डाल दें।
- हाथों में मिट्टी के तेल की गंध आ रही हो तो थोड़ा सा दही लेकर हाथों पर मल लें, गंध जाती रहेगी।
- प्याज या लहसुन भूनते समय गैस के पास सिरके में पानी मिलाकर रखें।

कोई बात नहीं...सिर्फ हमला! ईरान ने ठुकराया ट्रंप का ऑफर

तेहरान

ईरान ने अमेरिका की डील को ठुकरा दिया है। ट्रंप एक तरफ व्हाइट हाउस में मीटिंग कर रहे हैं और पत्रकारों से कह रहे हैं कि उनकी ईरान के साथ डील हो गई है। ईरान अमेरिका की सारी शर्तों को मानने पर राजी भी हो गया है। दूसरी तरफ ईरान ने साफ कह दिया है कि उसने अमेरिका की ना तो कोई शर्त मानी है और ना ही अमेरिका और ईरान की कोई डील हुई है। यानी कि हमले जरूर थम चुके हैं लेकिन युद्ध अभी तक थमा है या नहीं। इसको लेकर अभी भी कंफ्यूजन बाकी है। ट्रंप का दावा है कि अमेरिकी सैनिकों का एक छोटा समूह कल ही ईरान में घुसकर पूरे ईरान पर कब्जा कर सकता है। साथ में यहां पर यह भी कहा गया है कि अगर मैं चाहूं तो यानी कि यह बात डॉनल्ड ट्रंप कह रहे हैं। एक और ईरान इंटरनेशनल इंग्लिश की खबर है। इसमें ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका आज रात ईरान पर और भी बड़े हमले और शक्तिशाली बम हमले करेगा और कहा कि अमेरिका अभी भी तेहरान से बातचीत कर रहा है। लेकिन उनकी प्राथमिकता ईरान के तेल व्यापार केंद्र खर्ग द्वीप पर कब्जा करना है। यानी कि ईरान में कब्जा करने और ईरान में जमीन पर सैनिक उतारने, बड़ा हमला करने की धमकी ट्रंप ने ईरान को एक रात पहले दे दी थी। कुछ ही घंटों के बाद भारत के समय के मुताबिक कहें तो रात से दिन हुआ और खबर ये आ गई कि डॉनल्ड ट्रंप ने अब हमला करने का जो अपना प्लान था वो टाल दिया है।

व्हाइट हाउस ने बयान जारी किया और कहा कि डॉन्ड ट्रंप के आदेश पर अमेरिका ने ईरान पर अपने हमलों को रोक दिया है क्योंकि ईरान ने अमेरिका की डील को मान लिया है। स्वीकार कर लिया है। अमेरिका का दावा है और डॉनल्ड ट्रंप का दावा है कि ईरान ने अमेरिका की सारी शर्तों को मान लिया है जो ईरान के आगे उन्होंने रखी थी। इसमें ईरान के न्यूक्लियर हथियार एनरिच यूरेनियम से जुड़ी हुई शर्तें हैं जो ईरान ने मान ली है। ये अमेरिका का दावा है। लेकिन इसी दावे पर इसी खबर पर अब ईरान की ओर से जवाब आ चुका है। द हॉर्मोज लेटर के हवाले से खबर है जिसमें यह लिखा है कि ईरान के विदेश मंत्रालय ने ट्रंप के इस नए दावे को सिरे से खारिज कर दिया है कि ईरान में सर्वोच्च नेता समेत सभी ने समझौते को मंजूरी दे दी है। द होर्मुज लेटर के हवाले से एक खबर है जिसमें लिखा है कि मंत्रालय का कहना है कि किसी ने भी इस समझौते को स्वीकार नहीं किया है और कोई समझौता हुआ ही नहीं है। आगे कहा गया है कि किसी भी समझौते के लिए अमेरिका को ईरान की सभी मांगों को मानना होगा जिसमें यह शर्त भी शामिल है कि वह समृद्ध यूरेनियम नहीं सौंपेगा या परमाणु रियायतें नहीं देगा। स्टेट ऑफ हॉर्मोस स्थाई रूप से ईरानी प्रबंधन के अधीन रहेगा और 24 अरब डॉलर जो उनकी रुकी हुई धनराशि है वह भी ईरान को दे दी जाएगी।

ईरान का कहना है कि अगर वह दबाव में झुकता तो वह एक साल पहले ही झुक गया होता ना कि लगातार अमेरिका की बमबारी के बाद। साथ ही ईरानी प्रवक्ता ने ट्रंप के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि समझौते पर साइन होने पर स्टेट ऑफ फॉर्मस फिर से खुल जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि यह ईरानी प्राधिकरण के अधीन आता है और बंद है और सुरक्षित आवागमन संभव नहीं है। आगे ईरान ने ट्रंप के इस नए दावे को भी खारिज किया है कि उन्होंने ईरान पर आज रात के हमलों को रद्द करने के लिए समझौता किया है। ईरान ने इसको बेबुनियाद बताते हुए कहा कि ऐसा कोई समझौता हुआ ही नहीं है और ट्रंप के सभी शब्दों को उसी तरीके से नजरअंदाज किया जाना चाहिए जैसे कि उन्होंने पिछले दो महीनों में 38 बार समझौते की घोषणा करी थी। तस्नीम न्यूज़ के मुताबिक एक वरिष्ठ इजरयली अधिकारी ने चैनल 12 को बताया कि उन्हें किसी भी समझौते के होने की जानकारी नहीं है। यह बात यह खबर अब ईरान की ओर से कही जा रही है कि उनके और अमेरिका के बीच कोई समझौता हुआ नहीं है और ना ही अमेरिका की जो डील है उस पर ईरान राजी हुआ है।

टूट गया भारत के सब्र का बांध, आधी रात फोन घुमाकर जयशंकर ने अमेरिका को डांटा

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया आज उस ज्वालामुखी की तरह है जो फट चुका है। चारों तरफ बारूद की गंध है। आसमान से बम बरस रहे हैं और समंदर की लहरें अब लाल हो रही हैं। लेकिन इस युद्ध की आग में जब बेगुनाह भारतीयों की जान चली जाती है तो दिल्ली का सिंहासन डोल जाता है। होर्मुज के समंदर में अमेरिका ने वो कायराना हरकत की जिसने भारत के सब्र का बांध तोड़ दिया। भारत के तीन जांबाज नाविकों की जान चली गई और वजह महाशक्ति होने का अहंकार। ये दिन इतिहास में अमेरिका की उस सशस्त्र डकैती के नाम पर दर्ज होगा जिसने तीन भारतीय परिवारों को उम्र भर का दर्द दे दिया। लेकिन कहानी यहां खत्म नहीं होती है। अमेरिका ने सोचा था कि वह झूठ बोलेगा और भारत मान लेगा।

ट्रंप ने ईरान पर उंगली उठाई। लेकिन भारत ने उसी उंगली को मरोड़कर अमेरिका को आईना दिखा दिया और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आधी रात को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को फोन पर जो सुनाया उसे सुनकर वाशिंगटन के गलियारों में सन्नाटा पसर गया। ओमान की खाड़ी तेल टैंकर एम्प्टी सिट्टे बेलो शांति से अपने गंतव्य की ओर आगे बढ़ रहा था। इस जहाज पर कोई लड़ाकू विमान नहीं था। कोई मिसाइलें नहीं थी। इस पर सवार थे 24 भारतीय नागरिक जो अपने घर बार से दूर समंदर के सीने पर मेहनत कर रहे थे। तभी अचानक अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों ने इस कमर्शियल जहाज को घेर लिया। बिना किसी चेतावनी के, बिना किसी ठोस वजह के अमेरिका ने इस शांतिपूर्ण जहाज पर हमला कर दिया। गोलों की उस बरसात में जहाज दहल उठा और हमारे 21 भारतीय भाइयों ने मौत को करीब से देखा और किसी तरह अपनी जान बचाई। लेकिन तीन भारतीयों की जान इस अमेरिकी सनक में भेंट चढ़ गई।

डेक कैडेड आदित्य शर्मा इंजन फिटर शिवंद चौरसिया और चीफ इंजीनियर पटनाला सुरेश यह सिर्फ नाम नहीं यह भारत के वह बेटे हैं जिनके प्राण अमेरिका की गलतफहमी और अहंकार ने छीन लिए। इन तीन भारतीयों की जान जाने की खबर जैसे ही भारत पहुंची, देश का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। अब देखिए अमेरिका की चालाकी। हमला खुद किया, भारतीयों की जान खुद ली लेकिन दुनिया के सामने आकर क्या बोले। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा कर दिया कि यह हमला ईरान के ड्रोंस ने किया है। ट्रंप ने कोशिश की कि वह भारत को बरगला लिया जाए और इस पूरे कांड का ठीकरा ईरान पर फोड़ दिया जाए। अमेरिका चाहता था कि भारत इस पर ईरान से लड़ने लगे और अमेरिका पर्दे के पीछे अपनी इस बड़ी गलती को छिपा ले। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप शायद भूल गए कि सामने मोदी का भारत है। भारत ने उनकी बातों पर भरोसा करने की बजाय अपनी खुद की हाई लेवल जांच शुरू की। सेटेलाइट डाटा खंगाले गए। बचे हुए नाविकों के बयान लिए गए और वह सच सामने आया जिसने अमेरिका की पूरी प्लानिंग को मिट्टी में मिला दिया। भारत ने कंफर्म किया कि हमला किसी ईरानी ड्रोन ने नहीं बल्कि अमेरिकी नौसेना के जहाज से हुआ है।

मुंबई में 57 साल में जून की सबसे गर्म रात दर्ज

मुंबई, (वार्ता)। महाराष्ट्र के मुंबई में 12 जून को 57 साल में जून की सबसे गर्म रात दर्ज की गई, जब पूरे शहर में न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। मौसम विभाग ने शनिवार को जानकारी दी। कोलाबा वेधशाला में न्यूनतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सांताक्रूज़ में 30.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, दोनों केन्द्रों ने लगातार चौथे दिन तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ज़्यादा बताया।

अधिकारियों ने इस असामान्य गर्मी की वजह दक्षिण कोंकण में रुके हुए मॉनसून की लहर और कमज़ोर पश्चिमी हवाओं को बताया, जिससे आर्द्रता का स्तर ज़्यादा रहा और रातें बहुत ज़्यादा गर्म रहीं।

उन्होंने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून आम तौर पर 11 जून तक मुंबई पहुँच जाता है, लेकिन इस बार इसके विलंब से 15 जून के आसपास आने की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने 13 जून तक मुंबई, ठाणे और पालघर में गर्म और नमी वाले हालात के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें प्री-मॉनसून बारिश शुरू होने तक ज़्यादा से ज़्यादा तापमान 34-36 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

इस बीच, मुंबई में आज सुबह हल्के बादल छाए रहने और नमी वाले मौसम में उठे, शहर में रुक-रुक कर बूंदाबांदी और बादल छाए रहने के बावजूद असामान्य रूप से गर्मी बनी हुई है।

आईएमडी ने आगामी दिनों में हल्की बारिश और कभी-कभी गरज के साथ बादल बनने की संभावना के साथ आम तौर पर नमी वाले मौसम का अनुमान लगाया है।

बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) ने भी अपना 2026 उच्च ज्वार का कैलेंडर जारी किया है, जिसमें लोगों को बड़ी ज्वार गतिविधि के समय सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई है, जिससे निचले इलाकों और शहर के समुद्र तट पर बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। नगर निगम के जारी कार्यक्रम के मुताबिक, जून और सितंबर के बीच मुंबई में 4.5 मीटर से ज़्यादा ऊँची कई बार ऊँची लहरें आएंगी। इस सीज़न की सबसे ऊँची लहर 16 जुलाई को आने की उम्मीद है, जब समुद्र का स्तर 4.89 मीटर तक पहुँचने का अनुमान है।

वेबसाइट के मुताबिक शहर में जून में कई बड़ी ऊँची लहरें आ सकती हैं, खासकर 14 से 19 जून के बीच जब लहरों का लेवल 4.64 मीटर से 4.87 मीटर के बीच रहने की उम्मीद है। आगामी 13 से 18 जुलाई के बीच एक और बड़ी लहर आने का अनुमान है, जिसमें समुद्र का लेवल 4.89 मीटर तक बढ़ने की उम्मीद है।

भविष्य के युद्ध तकनीक, गति और नवाचार से लड़े जायेंगे: राजनाथ सिंह

हैदराबाद, (वार्ता)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को भारतीय वायु सेना के नये कमीशन प्राप्त अधिकारियों से उन्नत तकनीकों, नवाचार और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता से संचालित युद्ध के बदलते स्वरूप के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। हैदराबाद के पास वायु सेना अकादमी में 217वें कोर्स की संयुक्त स्नातक परेड की समीक्षा करते हुए श्री सिंह ने स्नातक कैडेटों को अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने और अपने प्रतिष्ठित 'विंग्स' हासिल करने पर बधाई दी। परेड को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि स्नातक होने वाले इस बैच में 240 पायलट और ग्राउंड-ड्यूटी अधिकारी शामिल हैं। इनमें भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और वियतनाम के प्रशिक्षु भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अकादमी में विभिन्न शाखाओं की यह विविधता, सशस्त्र बलों के थल, वायु और जल सेना के जुड़ाव तथा एकीकृत अभियानों पर दिये जा रहे बढ़ते जोर को

दर्शाती है। भारतीय वायु सेना की समृद्ध विरासत का जिक्र करते हुए श्री सिंह ने कहा कि इस बल ने 1947-48 के कश्मीर संघर्ष के दौरान एयरलिफ्ट अभियानों से लेकर 1971 के युद्ध तक, देश के हितों की रक्षा में निर्णायक भूमिका निभायी है। उन्होंने आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ हालिया अभियानों में वायु सेना के योगदान की भी सराहना की और कहा कि ऐसे अभियानों की सफलता इसके कर्मियों के साहस, अनुशासन और पेशेवर रुख के कारण ही संभव हो सकी, जिसे उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म का भी पूरा सहयोग मिला। रक्षा मंत्री ने कहा कि युद्ध के तौर-तरीकों में बुनियादी बदलाव आया है। सैनिकों और हथियारों वाले पारंपरिक संघर्षों के विपरीत, आधुनिक लड़ाइयां तेजी से उपग्रहों, ड्रोन, सेंसर, रोबोटिक्स और साइबर सिस्टम जैसी तकनीकों पर निर्भर होती जा रही है। उन्होंने सचेत किया कि भविष्य के संघर्षों में संचार नेटवर्क, निगरानी प्रणालियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमले शामिल हो सकते हैं। इसके लिए तकनीकी रूप से तैयार रहना बेहद जरूरी है। अधिकारियों से सतर्क और परिस्थितियों के अनुकूल ढलने का आग्रह करते हुए श्री सिंह ने कहा कि उन्हें उभरती हुई युद्ध प्रणालियों और रणनीतियों का लगातार अध्ययन करना चाहिए, नवाचार करना चाहिए और तकनीकी रूप से बढ़त बनाये रखनी चाहिए। उन्होंने कहा, दुनिया भर में हो रहा हर संघर्ष एक सीख के रूप में काम आना चाहिए। आज के दौर में स्मार्ट वर्क और तकनीकी उत्कृष्टता उतनी ही महत्वपूर्ण हैं, जितना कि कठिन परिश्रम।

इजरायली रक्षा मंत्री ने कहा, सीरिया, लेबनान और गाजा के सुरक्षा क्षेत्रों में बनी रहेगी सेना

यरूशलम, (वार्ता)। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज ने कहा कि इजरायली सेना लेबनान, सीरिया और गाजा में अपने नियंत्रण वाले सुरक्षा क्षेत्रों से पीछे नहीं हटेगी। एक बयान में श्री कैट्ज ने इस फैसले को खतरों के जवाब और सात अक्टूबर 2023 को हुए हमास के हमले से मिले सबक के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा कि सेना इजरायल की सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि इजरायली सेना उत्तरी वेस्ट बैंक के खाली कराये गये शरणार्थी शिविरों से भी पीछे नहीं हटेगी और जरूरत पड़ने पर इस कदम का विस्तार अन्य 'आतंकवादी' शिविरों तक किया जा सकता है। अमेरिका-ईरान के बीच चल रही वार्ताओं के संबंध में श्री कैट्ज ने कहा कि इजरायल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से यह उम्मीद करता है कि वह ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने और उसके मिसाइल कार्यक्रम तथा क्षेत्रीय समर्थित गुटों पर अंकुश लगाने में अमेरिका-इजरायल के साझा हितों की रक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए इजरायल के पास 'स्वतंत्र रूप से' कार्रवाई करने की क्षमता होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सेना को उसी के अनुसार तैयारी करने के निर्देश दिये हैं।

भारत में खेती किसानी कभी घाटे का सौदा नहीं रही :योगी

वाराणसी, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि कृषि प्रधान देश भारत का किसान हमेशा से नवाचारी रहा है और खेती किसानी में नये प्रयोग कर कृषि योग्य भूमि की उत्पादक क्षमता बढ़ाने और उत्पाद की गुणवत्ता बेहतर करने में दिलचस्पी जाहिर करता रहा है। यही कारण है कि भारत में कृषि क्षेत्र कभी घाटे का सौदा नहीं रहा है।

योगी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन शनिवार को काशी हिंदू विश्वविद्यालय में विज्ञान भारती के सातवें राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाटन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कहा , पहले किसान केवल किसान नहीं था, बल्कि वह इनोवेटर था। कृषि कभी घाटे का सौदा नहीं था। उस समय का किसान स्वयं नवाचार करता था। हमारा व्यापारी केवल व्यापारी नहीं था, बल्कि वह देश को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी था। हमारी अर्थव्यवस्था खेती-बाड़ी से जुड़ी हुई थी, जो अपने उत्पादों को दुनिया भर में पहुंचाने का काम करती थी। भारत एक कृषि प्रधान देश माना जाता है। हमारी सबसे बड़ी ताकत एमएसएमई और कृषि क्षेत्र था। उन्होने कहा, विज्ञान का मतलब ही लोक कल्याण है। दुनिया के अंदर जिस भी देश ने प्रगति की है, उसके पास विज्ञान का यही भाव था। आधुनिक विज्ञान का कुल समय चार से पांच सौ साल का रहा है। भारत की प्राचीन गौरवशाली परंपरा का अध्ययन करें तो पता चलता है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 44 से 45 प्रतिशत थी। चार सौ साल पहले भी लगभग 24-25 प्रतिशत हिस्सेदारी हमारी थी, लेकिन स्वतंत्रता के समय हम डेढ़ से दो प्रतिशत पर आ गए थे। हमें यह देखना होगा कि ऐसा क्यों हुआ।

मुख्यमंत्री ने जगदीश चंद्र बसु की दो पौधों वाली कहानी का उल्लेख करते हुए कहा कि जीवों में ही नहीं, जड़-पौधों में भी चेतना होती है। उन्होंने बचपन में अपनी मां द्वारा पौधे लगाए जाने का जिक्र किया और कहा कि ज्ञान जहां से भी आए, उसका स्वागत होना चाहिए।।

उन्होंने कहा कि 2014 से पहले कारीगरों को बदहाल बना दिया गया था, उनके बनाए उत्पादों को बेकार बताया गया था, परिणामस्वरूप वे बाजारों से बाहर हो गए थे। 2017 के बाद हमने 'एक जिला एक उत्पाद' शुरू करके डिजाइन और पैकेजिंग पर जोर दिया। बाजार से कारीगरों को जोड़ने का काम किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संस्थान में विशेषकर बुजुर्गों की स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के लिये लगभग 150 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे 200 बिस्तरों वाले सात मंजिला अत्याधुनिक 'नेशनल सेंटर फॉर एजिंग' का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद कार्यदायी संस्था के अभियंताओं को युद्धस्तर पर कार्य कर प्राथमिकता के आधार पर समय से पहले निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए।

'यादें' की खासियत है रिलेटेबल कहानियों में ताज़गी भरा ट्विस्ट : अर्जुन पुंज

सोनी सब के लोकप्रिय शो 'यादें' में डिग्गी का किरदार निभा रहे अभिनेता अर्जुन पुंज का कहना है कि इस धारावाहिक की सबसे बड़ी खासियत इसकी ऐसी कहानियां हैं, जिनसे दर्शक खुद को जोड़ पाते हैं और जिनमें एक नया एवं ताज़गी भरा ट्विस्ट भी देखने को मिलता है।ह्यूमर, भावनाओं और रोजमर्रा की जिंदगी के मेल से सजा 'यादें' लगातार ऐसी कहानियां पेश कर रहा है, जिन पर दर्शक मुस्कुरा सकें। शो में अर्जुन पुंज द्वारा निभाया जा रहा डिग्गी का किरदार डॉ. सृष्टि की जिंदगी में अहम भूमिका निभाता नजर आ रहा है। अर्जुन पुंज ने कहा, सोनी सब का 'यादें' दर्शकों के लिए हमेशा रिलेटेबल रहता है और साथ ही एक ताज़गी भरा ट्विस्ट भी जोड़ता है। यही बात इसे खास बनाती है। अपने किरदार के बारे में अर्जुन ने कहा कि डिग्गी एक शांत, संतुलित और परिपक्व व्यक्ति है, जो कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य नहीं खोता। उन्होंने कहा कि डिग्गी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह किसी भी विवाद या भावनात्मक स्थिति को समझदारी और संतुलन के साथ संभालता है तथा लोगों को जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने के बजाय सोच-समझकर निर्णय लेने की सलाह देता है।उन्होंने बताया कि डिग्गी की सबसे बड़ी ताकत उसका संतुलित दृष्टिकोण है। वह हर स्थिति को सभी पक्षों से समझने का प्रयास करता है और सहानुभूति तथा तर्क के साथ आगे बढ़ता है। यही गुण उसे अन्य किरदारों से अलग बनाते हैं। शो में अपने पसंदीदा दृश्य का जिक्र करते हुए अर्जुन ने कहा कि उनका सबसे पसंदीदा क्षण वह पहला दृश्य है, जिसे उन्होंने शो के लिए शूट किया था। इस दृश्य में डिग्गी ने तनावपूर्ण माहौल को अपने हास्य और समझदारी से सहज बना दिया था। उनके अनुसार, यही दृश्य डिग्गी के व्यक्तित्व को सबसे बेहतर ढंग से दर्शाता है। डिग्गी जैसे भावनात्मक रूप से संतुलित किरदार को निभाने की चुनौती पर अर्जुन ने कहा कि सबसे कठिन काम उस शांति और संयम को बनाए रखना है, जहां सामान्य तौर पर लोग भावनात्मक प्रतिक्रिया देते हैं।

गवर्नर के दर्शकों के लिए खास ऑफर एक टिकट खरीदें और दूसरी मुफ्त पाएं

फ़िल्म गवर्नर को दर्शकों से मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया के बीच फिल्म के निर्माताओं ने सिनेप्रेमियों के लिए विशेष ऑफर की घोषणा की है। अभिनेता मनोज बाजपेयी अभिनीत इस फिल्म के लिए अब दर्शक एक टिकट खरीदकर दूसरी टिकट मुफ्त प्राप्त कर सकते हैं।निर्माता विपुल अमृतलाल शाह की इस फिल्म ने सिनेमाघरों में रिलीज के बाद पहले दिन 1.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। फिल्म 1991 के आर्थिक संकट की पृष्ठभूमि पर आधारित है और उस अनसुने नायक की कहानी प्रस्तुत करती है, जिसने देश को आर्थिक चुनौतियों से उबारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। निर्माताओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी कि दर्शक बुकमायशो पर टिकट बुक करते समय गवर्नर कोड का उपयोग कर बाय वन, गेट वन फ्री ऑफर का लाभ उठा सकते हैं। फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। मजबूत कहानी, प्रभावशाली संवाद और मनोज बाजपेयी के दमदार अभिनय की सराहना की जा रही है। सकारात्मक प्रचार और दर्शकों के बीच बढ़ती लोकप्रियता के कारण फिल्म के सप्ताहांत में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है। फिल्म का निर्देशन चिन्मय मांडलेकर ने किया है, जबकि इसके निर्माता विपुल अमृतलाल शाह हैं। आशिन ए . शाह सह-निर्माता हैं। फिल्म की कहानी और पटकथा सुवेंदु भट्टाचार्य, सौरभ भारत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने लिखी है।

राव बहादुर का रहस्यमयी टीजर जारी, सत्यदेव के दमदार अवतार ने बढ़ाई उत्सुकता

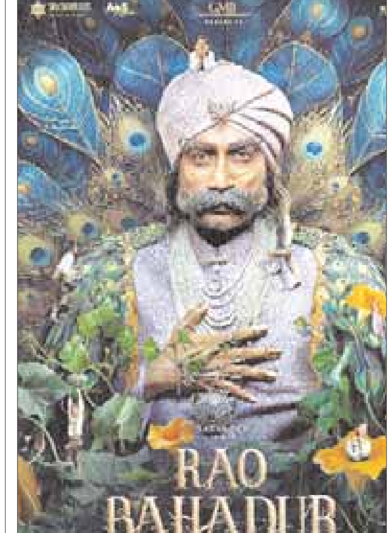

अभिनेता सत्यदेव अभिनीत आगामी फिल्म राव बहादुर का नया टीजर जारी कर दिया गया है। निर्देशक वेंकटेश महा की इस फिल्म के टीजर ने अपनी रहस्यमयी कहानी, भव्य प्रस्तुति और मनोवैज्ञानिक ड्रामा की झलक से दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म तीन जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म के शानदार फर्स्ट लुक और पहले गीत ओ सुंदरी को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद निर्माताओं ने जस्ट अ टीजर शीर्षक से इसकी नई झलक जारी की है। टीजर में सत्यदेव बहादुर राजकुमार के किरदार में नजर आ रहे हैं। फोबिया, भ्रम, मतिभ्रम और रहस्य से भरपूर यह टीजर दर्शकों को एक अलग और अनोखी दुनिया की झलक दिखाता है।

टीजर में ऐसी कहानी का संकेत मिलता है, जिसमें मुख्य किरदार किसी अदृश्य भय और मानसिक संघर्ष से जूझता नजर आता है। फिल्म में संदेह को सबसे बड़ाभूत बताया गया है, जो कहानी को एक मनोवैज्ञानिक और रहस्यपूर्ण आयाम देता है। फिल्म का विजुअल कैनवास भव्य, आकर्षक और प्रभावशाली दिखाई देता है, जबकि सत्यदेव का बदला हुआ अंदाज भी दर्शकों का ध्यान खींच रहा है। फिल्म के प्रस्तुतकर्ता महेश बाबू ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर टीजर साझा करते हुए लिखा,याद रखिए... यह सिर्फ एक टीजर है। राव बहादुर के इस असाधारण विजन को पर्दे पर उतारने के लिए मुझे इस पूरी टीम पर गर्व है। यह फिल्म तीन जुलाई को सिनेमाघरों में आ रही है। फिल्म का पहला गीत ओ सुंदरी पहले ही लोकप्रिय हो चुका है। सत्यदेव और दीपा थॉमस पर फिल्माया गया यह रोमांटिक गीत अपनी मधुर धुन, पीरियड सेटिंग और भव्य दृश्यांकन के कारण दर्शकों की पसंद बन गया है। गीत फिल्म की कहानी के भावनात्मक और रोमांटिक पक्ष की झलक भी प्रस्तुत करता है। राव बहादुर एक ऐसी कहानी है, जिसमें मनोवैज्ञानिक ड्रामा को शाही अतीत की धुंधली यादों और रहस्य के साथ जोड़ा गया है। वेंकटेश महा ने फिल्म का लेखन, निर्देशन और संपादन किया है।

मानवता की अनूठी मिसाल: काया इंटरनेशनल योग स्टूडियो के मातृशक्ति रक्तदान शिविर: में गूंजा सृष्टि की जननी

नरसिंहपुर।स्वतंत्रमत।

सामाजिक सरोकारों की दिशा में आगे बढ़ते हुए काया इंटरनेशनल योग स्टूडियो की प्रमुख सुश्री इंदु सिंह के नेतृत्व में भव्य आयोजन हुआ।रक्तदान से पूर्व सभी महिलाओं का नि:शुल्क हीमोग्लोबिन एवं ब्लड प्रेशर परीक्षण; पूर्ण सुरक्षा मानकों के साथ उत्सव संपन्न हुआ।शासकीय जिला चिकित्सालय की सर्व-सुविधायुक्त बीटीसी वैन और विशेषज्ञ स्टाफ की तकनीकी भूमिका से शिविर को नई गति मिली।विश्व रक्तदाता दिवस के वैश्विक आह्वान के अंतर्गत नरसिंहपुर नगर में एक अभूतपूर्व और सामाजिक चेतना से ओतप्रोत मानवीय अभियान संपन्न हुआ। क्षेत्र की प्रतिष्ठित संस्था काया इंटरनेशनल योग स्टूडियो एवं काया जनकल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में मातृशक्ति रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। संस्था की संचालिका एवं सुप्रसिद्ध वेलनेस एक्सपर्ट सुश्री इंदु सिंह के कुशल संयोजन एवं नेतृत्व में आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज में महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और रक्तदान के क्षेत्र में मातृशक्ति की सहभागिता को अग्रिम पंक्ति में लाना रहा। इस अवसर पर मातृशक्ति ने समाज के समक्ष मानवता, सेवा और परोपकार का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करते

हुए रक्तदान कर जरूरतमंदों को नया जीवन देने का संदेश दिया। अक्सर, सामाजिक स्तर पर महिलाओं के स्वास्थ्य और रक्तदान को लेकर कई तरह के भ्रम या संकोच देखे जाते हैं। इन भ्रांतियों को दूर करते हुए शिविर की शुरुआत पूरी तरह से वैज्ञानिक और चिकित्सकीय पद्धतियों के साथ की गई। सर्वप्रथम शिविर स्थल पर उपस्थित समस्त माताओं-बहनों और सदस्यों का गहन रक्त परीक्षण किया गया। रक्तदान से पूर्व चिकित्सकीय मानकों के अनुरूप सभी प्रतिभागियों के हीमोग्लोबिन एवं ब्लड प्रेशर की नि:शुल्क जांच की गई, ताकि केवल पात्र एवं स्वस्थ महिलाएं ही रक्तदान कर सकें। स्वास्थ्य परीक्षण उपरांत पात्र चिकित्सा मानकों के अनुसार पूर्णत: स्वस्थ और पात्र पाई गई महिलाओं को ही रक्तदान की अनुमति दी गई, जिससे शिविर में सुरक्षा का माहौल और सुदृढ़ हुआ। महिलाओं में इंटरनेशनल योग मास्टर इंदु सिंह, भारती रघुवंशी, आरती सिंह, मीना दुबे, चंचल श्रीवास्तव, पूनम धुर्वे, उर्वशी पाठक एवं दीपांशी लखेरा ने उत्साहपूर्वक एक-एक यूनिट रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया। इन महिलाओं ने यह सिद्ध कर दिया कि मातृशक्ति केवल सृष्टि की जननी ही नहीं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर जीवनदाता की भूमिका भी निभा सकती है। इस पूरे आयोजन के दौरान नगर की कई गणमान्य महिलाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति अत्यंत प्रेरणादायी रही। जिनमें ज्योति चौहान, ज्योति नेमा, विनीता पाण्डेय, सरिता जाट, वंदना तंतुवाय, सीमा नामदेव एवं कीर्ति प्रजापति आदि प्रमुख हैं। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए इस पुनीत कार्य में सहयोग प्रदान किया और अन्य महिलाओं को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया। मातृशक्ति रक्तदान शिविर को सफल बनाने में शासकीय जिला चिकित्सालय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। चिकित्सालय प्रशासन द्वारा विशेष रूप से रक्तदान हेतु सर्वसुविधायुक्त बीटीसी (ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेंटर) वैन उपलब्ध कराई साथ ही, चिकित्सालय के अनुभवी और प्रशिक्षित तकनीकी स्टाफ ने अपनी सेवाएं दीं। इस दौरान डॉ. मध्यांतिका गर्ग, लैब टेक्नीशियन स्वप्निल चौरसिया, वार्ड बॉय अभिषेक, वैन ड्राईवर शाहरुख़ खान एवं अन्य सहयोगी स्टाफ उपस्थित रहे, जिन्होंने पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया व अत्यंत संवेदनशीलता और कुशलता के साथ रक्त संग्रहण का कार्य संपन्न कराया। उन्होंने कहा कि, इन सभी रक्तदाताओं द्वारा दान की गई रक्त की एक-एक बूँद जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक के माध्यम से गंभीर मरीजों, प्रसूताओं और जरूरतमंदों के लिए जीवनदायिनी साबित होगी। कार्यक्रम के अंत में काया इंटरनेशनल योग स्टूडियो की संचालिका सुश्री इंदु सिंह ने सभी रक्तदाताओं, अतिथियों, जिला चिकित्सालय के चिकित्सकीय दल एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान कर मानव सेवा के इस महान कार्य में सहभागी बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सहभागिता से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की नई शुरुआत होती है। मातृशक्ति का यह प्रयास न केवल अनेक लोगों के जीवन की रक्षा करेगा।

साहित्य समाज का दर्पण है, नई पीढ़ी कविता साहित्य से जुड़े

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

पं.भवानी प्रसाद मिश्र रामकुमार वर्मा रमेश कुमार बुधौलिया टी आर नेमा सहित गुरु प्रसाद सक्सेना ने अपनी कलम लेखनी कविता साहित्य से नरसिंहपुर का सम्मान बढ़ाया है।इस क्रम में एक और नाम है अशोक त्रिपाठी जिन्होंने नई पीढ़ी को साहित्य साधना से जोड़ते हुए अपने बहुआयामी सृजन से नरसिंहपुर का नाम रोशन किया है।विगत दिवस श्री त्रिपाठी के जन्मोत्सव पर सम्मान अभिनंदन सहित नरसिंह वरिष्ठ जन परिषद ने उनके सृजन साहित्य लेखनी पर अपने विचार रखे।परिषद अध्यक्ष गणेश कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि माता पिता बेटी बुजुर्ग नशाबंदी वृक्षारोपण जलसंवर्धन धरती पुत्र किसान सहित अनेक भाव सुंदर चिंतन और सार्थक संदेश देते हैं।कवि का साहित्य नव पीढ़ी के लिए प्रेरणा व मार्गदर्शन है।अध्यात्म विज्ञान शाला प्रमुख दामोदर दास गोस्वामी ने कहा कि त्रिपाठी की कविताओं में राष्ट्र जागरण के साथ ही अध्यात्म और भक्ति का अनुपम संगम है।प.सी बी शर्मा ने कवि की प्रकाशित अनेक कृतियों की जानकारी देते हुए उनकी कविताओं का सरस वाचन किया।डा महेश त्रिपाठी ने कहा कि कवि ने युवा अवस्था से ही साहित्य में सक्रिय होकर देश भर में नरसिंह धरा को गौरवान्वित किया है।पूर्व प्राचार्य आर के नेमा ने कहा कि राष्ट्रीय कवि त्रिपाठी बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं।इनकी कविताओं में प्रवाह आकर्षण और चिंतन है।समीक्षक ऋषि महोबिया ने कहा कि कविवर त्रिपाठी ने अनेकों बार रेडियो टीवी सहित देशभर में खूब कविता पाठ किया है आपकी अनेक किताबें भी छपीं हैं।फिर भी आपकी सहजता सरलता देखते ही बनती है ।पुलिस प्रशासन से सेवा निवृत्त राजेश जाट ने कहा कि कवि की राष्ट्र जागरण की कविताएं सभी को रोमांचित करती हैं।चिंतक विचारक देवेन्द्र दुबे ने कहा कि त्रिपाठी एक सशक्त शिल्पकार हैं इनकी कविताएं जनमानस को प्रभावित करती हैं।योगाचार्य एन सी जैन ने कहा की कवि का लाजबाव उत्कृष्ट सृजन है इन्हें सुनना अच्छा लगता है।अरूण खरे ने कहा कि आज से तीस साल पहले जब मैंने सब टीबी पर कवि को सुना था।तब से आज तक मैं इनकी कविताओं को हमेशा सुनता हूं। समीक्षा के क्रम में पं यू एस उपाध्याय मदन गोपाल शर्मा डा केदार गुप्ता प्रभात राय दिनेश कटारे प्रेमशंकर राघव एन के कोरी आर के नावकर दिनेश श्रीवास्तव सहित अनेक वरिष्ठ जनों ने कवि के साहित्य पक्ष को उभारते हुए अपनी शुभकामनाएं दी।अंत में कविवर त्रिपाठी ने अपने विचार यूं रखें..कुछ तुम चलो कुछ हम चलें,ये श्रृंखला चलती रहे,देशभक्ति की तमन्ना साथ में पलती रहे,मां वीणा पाणी शारदे से मांगता हूं बस यही,ये दीप ज्योति लेखनी की हर समय जलती रहे।संचालन सी बी शर्मा ने तो आभार प्रदर्शन ऋषि महोबिया ने किया।

जनकल्याण शिविर में केन्द्र एवं राज्य शासन की योजनाओं से हितग्राहियों को लाभांवित किया जाएगा : कलेक्टर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से हितग्राहियों को लाभांवित करने के लिए जिले में 12 से 18 जून तक प्रत्येक विकासखंड/नगरीय निकायों में जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। यह शिविर तीन दिवसीय होंगे, जो सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। आयोजित शिविर में शासन की योजनाओं से हितग्राहियों को लाभांवित करने और नागरिकों की समस्याओं का निराकरण होगा। शिविर में विभागीय अधिकारियों के द्वारा शासन की योजनाओं की जानकारी देनी होगी और नागरिकों द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदन पत्रों का निराकरण करना होगा। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह शुक्रवार को ग्राम जरजोला- खमरिया में आयोजित जनकल्याण शिविर को संबोधित कर रही थी। आयोजित शिविर में राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशु पालन विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, श्रम विभाग, खाद्य विभाग सहित अन्य विभागों के द्वारा शासन की योजनाओं और उपलब्धियों पर आधारित स्टॉल लगाए गए थे। शुक्रवार 12 जून को जनपद पंचायत नरसिंहपुर व नगर पालिका नरसिंहपुर, जनपद पंचायत गोटेगांव व नगर पालिका गोटेगांव, जनपद पंचायत चांवरपाठा और नगर पालिका गाडरवारा में शिविर आयोजित किए गए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आयोजित शिविर में कृषि विभाग के द्वारा किसानों को प्राकृतिक खेती, खाद एवं बीज वितरण तथा कृषि यंत्रों की जानकारी दी। जिससे किसान शासन की उक्त योजनाओं का लाभ उठा सकें। किसानों को शिविर में मृदा परीक्षण, जीवामृत/ बीजामृत, उद्यानिकी फसल तथा सब्जी की खेती करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शिविर में स्वसहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के संबंध में जानकारी दी। समूहों की महिलाओं को व्यापार एवं उद्योग स्थापित करने के बारे में बताया गया। शिविर में स्वसहायता समूह के पंजीयन करने और समूहों के लिए बैंकों में खाते खुलवाने के बारे में जानकारी दी गई, जिससे समूह की महिलाएं लेन-देने का कार्य कर सके। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने शासकीय भूमि में किए गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए। इसके लिए राजस्व विभाग संबंधित विभागों की मदद लेकर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करेगा।

जैन मंदिरों में चोरी करने वाले चोर गिरोह का पर्दाफाश

जैन मंदिरों से चोरी की गई 250 वर्ष पुरानी मूर्तियां बरामद

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिला अंतर्गत विगत दो से तीन माह में 3 धार्मिक स्थानों जैन मंदिर, ग्राम रामनिवारी, हनुमान मंदिर, तेन्दूखेडा एवं जैन मंदिर करकबेल पर चोरी की घटनाएं घटित हुई थी जिनकी पतासाजी हेतु पुलिस टीमें सतत कार्य रही थी। तकनीकी जांच, वैज्ञानिक साक्ष्यों एवं सूक्ष्म विवेचना के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपियों पहचान कर प्रकरण का सफल खुलासा किया =* धार्मिक आस्था से जुड़े इस संवेदनशील प्रकरण एवं पुरानी चोरी की घटनाओं के पेटर्न को देखते हुए पुलिस द्वारा प्रारंभ से ही सभी पहलुओं पर गंभीरता एवं सूक्ष्मता से जांच की गई। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर वैज्ञानिक साक्ष्य संकलित किए गए तथा घटनास्थल पर उपलब्ध परिस्थितिजन्य साक्ष्यों एवं अन्य तकनीकी जानकारियों का गहन विश्लेषण किया गया। पूर्व में हुई चोरी की वारदातों के पैटर्न का भी किया गया विश्लेषण=* गौरतलब है कि पूर्व में रामनिवारी एवं

तेन्दूखेडा में भी धार्मिक स्थानों पर चोरी की घटनाएं होने पर पुलिस अधीक्षक एवं अति. पुलिस तत्काल मौके का निरीक्षण किया गया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए साथ ही इस प्रकरण की विवेचना के दौरान भी पूर्व में हुई चोरी की घटनाओं के पैटर्न का भी गहन विश्लेषण किया गया। घटनाओं के समय, स्थान, वारदात के तरीके एवं आरोपियों की गतिविधियों का तुलनात्मक अध्ययन कर महत्वपूर्ण सुराग एकत्रित किए गए।

संदेही पर रखी गई लगातार नजर- विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र एवं संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधियों का लगातार विश्लेषण किया।

इसी दौरान प्राप्त जानकारी के अनुसार निगरानी बदमाश टिक्कू उर्फ टेकसिंह लडिया की संदिग्ध गतिविधियां सामने आने पर उसकी गहन पतारसी की गई। प्राप्त तथ्यों एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उससे पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया।पूछताछ में सामने आए साथी आरोपियों के नाम विधिवत पूछताछ के दौरान उसने अपने साथियों के साथ मिलकर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने की जानकारी दी। उसके द्वारा बताए गए साथियों के नाम ज्ञानी पिता गोरेलाल प्रजापति, निवासी ग्राम झामर, थाना ठेमी, जिला नरसिंहपुर,आशीष शर्मा पिता बिहारीलाल शर्मा, निवासी गोहचर, थाना गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर, नितिन शर्मा पिता कैलाश शर्मा, निवासी मुरलीधर वार्ड, गोटेगांव, थाना गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर,चिन्टू उर्फ मुकेश सोनी, गोटेगांव द्वारा गिरफ्तार चोरों से चोरी का सामाना खरीदा जाता था जिसे भी गिरफ्तार किया गया है।

शातिर चोरों का गिरोह पुलिस गिरफ्त में-जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हुई चोरी की घटनाओं का खुलासा हुआ। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चोरी की कई वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया।

आरोपियों ने दिनांक 06-07.06.2026 की रात्रि करकबेल जैन मंदिर, दिनांक 10.03.2026 को ग्राम रामनिवारी धाना गोटेगांव स्थित जैन मंदिर, दिनांक 07.04.2026 को तेन्दूखेड़ा स्थित जैन मंदिर दिनांक 30.05.2026 को वैलहाई गोटेगांव की एक चाय-नाश्ते की दुकान तथा दिनांक 02.04.2026 को गोटेगांव-सतपुड़ा रोड बापपास के समीप मातवर पटेल के निवास पर चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।जैन मंदिरों से चोरी की गई 250 वर्ष पुरानी मूर्तियां एवं अन्य सामग्री बरामद करने में सफलता-गिरफतार आरोपियों से गहनता सू पूछताछ पर उनके द्वारा चोरी की गई भगवान की 250 वर्ष पुरानी मूर्तियों के छिपाए गए स्थानों पर रात-दिन सघन सर्च आपरेशन चलाया गया जिसके परिणाम स्वरूप चोरी किए गए लगभग 250 वर्ष पुरानी भगवान की अस्तधातू की 02 मूर्तिया,चाँदी के करीब 17 छत्र, चाँदी के 02 आसन,चाँदी का एक मुकुट,04 नग बैट्री,03 नग इनवेटर,फ्रिज 2 नग,एलईडी टीव्ही 4 नग,2 डीव्ही आर,पंखे 2 नग,घटना में प्रयुक्त 02 मोटर साईकिल,नगदी 4000 रूपये।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में 3 विशेष टीम थी गठित:* प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए अज्ञात चोर की शीघ्र गिरफ्तारी एवं चोरी गई संपत्ति की बरामदगी हेतु पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना द्वारा अति. पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया के मार्गदर्शन में एवं एसडीओपी, गोटेगांव, श्री मनीष त्रिपाठी के नेतृत्व में 3 विशेष टीमें गठित की गई थी। उक्त टीम को अज्ञात आरोपी की पतासाजी कर शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए थे।

एनटीपीसी में बालिका सशक्तिकरण अभियान संपन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

एनटीपीसी गाडरवारा में आयोजित एक माह के आवासीय बालिका सशक्तिकरण अभियान (गर्ल एम्पावरमेंट मिशन 2026) का शनिवार, 13 जून 2026 को भव्य समारोह के साथ सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह एनटीपीसी की एक महत्वपूर्ण कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व पहल है, जिसका उद्देश्य आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की किशोरियों को सशक्त बनाना तथा उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना है। इस अभियान के अंतर्गत चयनित 70 बालिकाओं को एक माह तक एनटीपीसी टाउनशिप में आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समापन समारोह में प्रतिभागी बालिकाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागी बालिकाओं के अभिभावकों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। समारोह के मुख्य अतिथि, श्री हिम्मत सिंह चौहान, मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी गाडरवारा, ने अपने संबोधन में कहा कि यह अभियान जिले में बालिका सशक्तिकरण को नई दिशा और गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन में योगदान पर अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रशिक्षकों एवं स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा यह कार्यक्रम उन्हें आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने का साहस भी प्रदान करता है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी बालिकाओं को प्रमाण-पत्र, पदक, स्मृति-चिह्न एवं समूह छायाचित्र प्रदान किए गए। 2026 के समापन समारोह ने यह सशक्त संदेश दिया कि जब एक बालिका सशक्त होती है, तो उसके साथ पूरा परिवार, समाज और समुदाय प्रगति की ओर अग्रसर होता है। यह पहल केवल शिक्षा और प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रही, बल्कि बालिकाओं को एक नई दृष्टि, आत्मविश्वास और उद्देश्यपूर्ण जीवन की दिशा प्रदान करने में सफल रही।

समारोह में एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारियों, सभी महाप्रबंधकों, अवनी महिला मंडल की उपाध्यक्ष एवं स्वयंसेविकाओं, आयोजन समिति के सदस्यों तथा बड़ी संख्या में कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पशुओं को बरसात के मौसम में बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण जरूरी

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. सुनील बृजपुरिया ने बताया कि बरसात के मौसम में पशुओं को बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण कराना जरूरी है। उन्होंने बताया कि पशुपालन विभाग के चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार बारिश के सीजन में गलघोटू, लंगड़ा बुखार और खुरपका-मुंहपका जैसी जानलेवा बीमारियां पशुओं में तेजी से फैलती हैं, जिससे पशुओं की मृत्यु तक हो सकती है। इन बीमारियों का सीधा असर पशुओं के दुग्ध उत्पादन और उनकी कार्यक्षमता पर पड़ता है। उपसंचालक डॉ. बृजपुरिया ने बताया कि गलघोटू बीमारी में पशु को तेज बुखार, सांस लेने में तकलीफ और गले में सूजन हो जाती है। वहीं लंगड़ा बुखार के कारण पैरों में सूजन, तेज बुखार और चलने-फिरने में गंभीर परेशानी होती है। खुरपका-मुंहपका रोग पशुओं की उत्पादन क्षमता को सीधा प्रभावित करता है, जबकि लंपी स्किन डिजीज के कारण शरीर पर गांठें बन जाती हैं और पशु लंबे समय तक बीमार रहता है।

उन्होंने बताया कि अपने पशुओं को समय रहते टीका लगवाना ही इन बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। विशेषज्ञों के अनुसार हर वर्ष बारिश शुरू होते ही संक्रामक रोगों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके बावजूद अनेक पशुपालक टीकाकरण को लेकर लापरवाही बरतते हैं, जिसका खामियाजा बाद में पूरे पशुधन को भुगतना पड़ता है। वर्तमान में जिले में गलघोटू और लंगड़ा बीमारी से बचाव के लिए सघन टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। खुरपका व मुंहपका- एफएमडी बीमारी से बचाव के लिए वर्तमान में जिले में विशेष टीकाकरण किया जा रहा है। गलघोटू और लंगड़ा बुखार के टीके वर्ष में एक बार, जबकि एफएमडी का टीका हर छह महीने में लगाना जरूरी है।

शिविरों के माध्यम से 268 नागरिकों के आधार अपडेट व नए कार्ड बनाए गए

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। सहायक प्रबंधक ई-गवर्नेंस श्री ब्रजकिशोर बादल ने बताया कि कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष आधार शिविरों का आयोजन कर नागरिकों को उनके गांव के समीप ही आधार अपडेट एवं नवीन आधार कार्ड बनाने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसी क्रम में गुरूवार को जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में 7 आधार संबंधी शिविर लगाए गए। इन शिविरों के माध्यम से कुल 268 नागरिकों के आधार अपडेट किए गए एवं नए आधार कार्ड बनाए गए। उन्होंने बताया कि 121 नागरिकों के आधार में बायोमेट्रिक अपडेट, 58 नागरिकों के डेमोग्राफिक अपडेट और 90 नागरिकों के नए आधार कार्ड बनाए गए। साथ ही इन शिविरों के माध्यम से 5 वर्ष से और 15 वर्ष से एक मेंडेटरी आधार अपडेशन का कार्य किया गया।

जेके व्हाइट, कटनी में विश्व पर्यावरण दिवस पर हरित भविष्य का संकल्प

फलदार पौधों का वितरण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रमों का भव्य आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जे.के. व्हाइट, कटनी जे.के. सीमेंट लिमिटेड की इकाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कर्मचारियों एवं श्रमिकों के मध्य फलदार पौधों का वितरण किया गया, जिससे प्रत्येक परिवार को पर्यावरण संरक्षण एवं हरित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु एक भव्य पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं प्रदूषण नियंत्रण का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी एवं सहभागितापूर्ण बनाने के लिए पोस्टर प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस प्रेरणादायी कार्यक्रम का नेतृत्व गौरव कुमार सिंह, यूनिट हेड, जे.के. व्हाइट कटनी द्वारा किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें अपने दैनिक जीवन में ऐसे कार्य अपनाने चाहिए जो प्रकृति के संरक्षण में सहायक हों। कार्यक्रम की सफलता में प्रवीण कुमार सिंह, एचआर हेड एवं राहुल गुप्ता, ईएचएस विभाग का विशेष योगदान रहा। वरिष्ठ नेतृत्व टीम, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सभी श्रमिक साथियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी उपस्थितजनों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल बचत एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया। जे.के व्हाइट, कटनी द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति संगठन की सामाजिक प्रतिबद्धता, हरित सोच एवं सतत विकास के संकल्प का उत्कृष्ट उदाहरण है।

17 जून को बांधा मंदिर में होगी गरुड़ भगवान की प्राणप्रतिष्ठा

कटनी (स्वतंत्रमत)

श्री राधाकृष्ण मंदिर लघु वृंदावन धाम बांधा इमलाज में 17 जून बुधवार को परम पुनीत पुरुषोत्तम मास में श्री राधाकृष्ण जी के अंशावतार स्वरूप श्री गरुड़ भगवान जी की प्राण प्रतिष्ठा होगी साथ ही श्रीधाम मंदिर के संस्थापक बैकुंठवासी श्री गोरेलाल पाठक जी उनकी धर्मशील अर्धांगिनी भागोता देवी एवं पूना देवी की प्रतिमा स्थापित होगी। मंदिर परिवार द्वारा प्रेषित जानकारी के अनुसार श्री गरुड़ भगवान के प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 15 जून से वैदिक विधि विधान एवं शास्त्र अनुसार देव आवाहन पूजन के साथ प्रारंभ होगा। प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व समस्त अधिवास संपन्न होंगे। 16 जून को प्रात: गोपालाभिषेक तथा सायं में भगवान की भव्य महा आरती होगी। 17 जून को श्री गरुड़ जी का नगर भ्रमण के पश्चात सायं में आचार्य जी की उपस्थिति में प्राण प्रतिष्ठा होगी। 18 जून को कन्या, ब्राह्मण तथा श्रद्धालु जनों का भंडारा प्रसाद होगा। कार्यक्रम के अंतर्गत 15 जून से 17 जून तक श्रीधाम वृंदावन के पूज्य आचार्य अखिलेश चतुर्वेदी के द्वारा सायं 4 बजे से प्रति दिवस भक्तमाल ग्रंथ के भक्तों के चरित्र का गायन किया जावेगा। प्रति दिवस सायं से रात्रि तक भजन संकीर्तन आयोजित होंगे। मंदिर परिवार ने समस्त धर्मप्रिय जनों से उक्त आयोजन में सहभागी बनते हुए पुण्य लाभ प्राप्त करने की प्रार्थना की है।

संगीतमय सुंदरकांड एवं भजन संध्या का भव्य आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। अग्रवाल महिला रामायण मंडली एवं अग्रवाल महिला मंडल के द्वारा अग्रवाल भवन धर्मशाला में संगीतमय सुंदरकांड एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें ढोलक, मंजीरा और हारमोनियम की मधुर धुन पर पूरा परिसर जय श्री राम के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और हनुमान जी की आरती के साथ हुआ। अग्रवाल महिला रामायण मंडली की सदस्याओं द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया एवं पाठ के बाद अग्रवाल महिला मंडल द्वारा हनुमान जी के भजनों की प्रस्तुति दी गई। भक्तों ने भाव-विभोर होकर नृत्य किया। तत्पश्चात सदस्यों द्वारा दीपदान एवं सामूहिक महाआरती की गई। अग्रवाल महिला रामायण मंडली के अध्यक्षा रीता अग्रवाल ने बताया कि सुंदरकांड का पाठ करने से सभी कष्ट दूर होते हैं और घर में सुख शांति आती है।

प्रदूषण नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई

मेसर्स प्रेस्टीज व्हीकल प्रा.लि. को उद्योग संचालन तत्काल बंद करने के निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले में नियम विरुद्ध संचालित औद्योगिक इकाइयों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बड़ी कार्रवाई की है। पीरबाबा स्थित मेसर्स प्रेस्टीज व्हीकल प्रा.लि. द्वारा प्रदूषण नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर संस्था को तत्काल प्रभाव से उद्योग का संचालन बंद करने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी सुधांशु तिवारी ने बताया कि संबंधित संस्था द्वारा जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम 1974 एवं वायु प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम 1981 के तहत आवश्यक सम्मति का नवीनीकरण नहीं कराया गया था। जबकि किसी भी औद्योगिक इकाई के संचालन के लिए इन अधिनियमों के अंतर्गत बोर्ड से सम्मति एवं उसका नियमित नवीनीकरण अनिवार्य है। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि संस्था द्वारा अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र ईटीपी स्थापित नहीं किया गया है। निर्देशों के बावजूद बिना उपचारित दूषित जल सीधे नालियों में छोड़ा जा रहा था, जिससे आसपास के क्षेत्र में जल प्रदूषण की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो रही थी। संस्थान में पर्यावरणीय अधिनियमों के अनुरूप प्रभावी जल प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था स्थापित नहीं की गई थी। यह स्थिति पर्यावरणीय अधिनियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जल अधिनियम 1974 की धारा 33-क एवं वायु अधिनियम 1981 की धारा 31-क के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए संस्था को तत्काल प्रभाव से बंद करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड को संस्था का विद्युत कनेक्शन विच्छेदित करने तथा उद्योग विभाग को दी गई सभी शासकीय सुविधाएं तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्देशों का पालन नहीं करने पर वायु अधिनियम की धारा 37(1) के अंतर्गत वैधानिक न्यायालयीन कार्रवाई की जाएगी, जिसके लिए संबंधित संस्था स्वयं जिम्मेदार होगी।

जन चौपाल कार्यक्रम में वरिष्ठजनों का सम्मान

कटनी (स्वतंत्रमत)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 जून से 21 जून तक आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम के अंतर्गत जनसंपर्क एवं वरिष्ठजन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शिवमंदिर प्रागण वाकल मे आयोजित कार्यक्रम में सांसद वी.डी. शर्मा, विधायक प्रणय प्रभात पांडेय, भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक टंडन, जिला पंचायत अध्यक्ष सुनीता, रमेश मेहरा, शंकर महतो, प्रकाश गुप्ता, राजेश चौधरी, मंडल अध्यक्ष डॉ. पीयूष अग्रवाल, कमलेश सेन एवं जनपद सदस्य रोहित राजाभैया सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। अतिथियों ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए आमजन से संवाद किया तथा जनहितकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

हॉलमार्किंग व आईएसआई मार्का के संबंध में दी जानकारी

कटनी (स्वतंत्रमत)

मानक चिह्न अंकित वस्तुओ में उपभोक्ता की सुरक्षा तथा अधिकार सुरक्षित रहते है भारतीय मानक ब्यूरो के सहयोग से अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन द्वारा वन स्टाप सेन्टर तथा सरस्वती स्वसहायता समूह की महिलाओ को वन स्टाप सेन्टर शान्ती नगर कटनी मे हॉलमार्किंग तथा आईएसआई मार्का के संबंध मे बिस्तार से जानकारी देते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारतीय मानक ब्यूरो के रिसोर्स परसन हरिशंकर शुक्ल ने बताया कि गुणवत्ता सामग्री के साथ आई एस आई मार्का तथा आभूषण मे हॉलमार्किंग से उपभोक्ता की सुरक्षा तथा अधिकार सुरक्षित रहते है, इसलिए आईएसआई मार्क सामग्री एवं हॉलमार्किंग आभूषण ही खरीदे। शुक्ल ने बताया कि किसी भी प्रकार की ठगी होने पर उपभोक्ता अदालत जा सकते है, जहा पर 6 अधिकार सुरक्षा का, सूचित करने का, सूचना का, चयन का, छतिपुर्ति काए तथा उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार प्राप्त है, कार्यक्रम में वन स्टाप प्रशासनिक अधिकारी गायत्री तिवारी, संगठन की जिलाध्यक्ष प्रीती सेन, आराधना तिवारी, सुमन सैनी ने भी अपने बिचार व्यक्त किये, कार्यक्रम में सैकडो महिलाये उपस्थित रही, जिन्हे किट प्रदान किया गया।

वेतन में विलंब अमानवीय: राकेश दुबे

प्रतिनियुक्ति में कार्यरत बीएसी एवं सीएसी को पड़े वेतन के लाले... डीपीसी ने रोका वेतन

कटनी (स्वतंत्रमत)

समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत जिला शिक्षा केन्द्र कटनी के अधीनस्थ प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत अमले की माह मई 2026 पेड जून 2026 का मासिक वेतन का जिला परियोजना समन्व्यक कटनी द्वारा 12 जून तक भुगतान नहीं किया गया है। जबकि प्रत्येक शासकीय कर्मचारी के बीमा, व्यक्तिगत लोन, गृह लोन, वाहन लोन, बच्चों की फीस, मकान का किराया इत्यादि के भुगतान हेतु माह के पांच से दस तारीख के बीच का समय नियत रहता है। परन्तु जिला परियोजना समन्व्यक कटनी प्रेमनारायण तिवारी (मूल पद उच्च माध्यमिक शिक्षक) द्वारा मैपिंग फीडिंग पुस्तक वितरण, यू डाइस जैसे कार्यों के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन न होने का हवाला देकर न केवल उक्त वेतन भुगतान रोका है, बल्कि कुछ लोकसेवकों की वेतनवृद्धि बाधित करने की भी धमकी दे रहे हैं। शासकीय शिक्षक संगठन के प्रांताध्यक्ष राकेश दुबे का कहना है कि मैपिंग, फीडिंग, यूडाइस जैसे कार्यों के शत-प्रतिशत पूर्णता के लिए बच्चों के प्रवेश के अनुसार सितंबर तक का समय निर्धारित किया गया है, फिर जून के प्रथम सप्ताह में इनका शत-प्रतिशत पूर्ण हो जाना कैसे संभव है। इसी तरह कटनी जिले में आवश्यकता से कुल 40 प्रतिशत पुस्तकें वितरण हेतु प्राप्त हुई हैं, जिन्हें जिला शिक्षा केन्द्र द्वारा स्कूल तक पहुंचाना था, परन्तु अनेक विद्यालयों में शिक्षक अपने संसाधन से पुस्तकें ढो कर ले जा रहे हैं, और इसके बाद भी 37 प्रतिशत वितरण कार्य इस अमले द्वारा कर लिया गया है, तो जब 100 प्रतिशत पुस्तकें मिलीं ही नहीं, तब सौ प्रतिशत वितरण कैसे संभव है। इसी तरह उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के लिए जारी हुए बजट का एक भी रूपया जिला परियोजना समन्व्यक कटनी प्रेमनारायण तिवारी मूल पद उच्च माध्यमिक शिक्षक द्वारा ब्लॉकों को जारी नहीं किया गया और संबंधित ब्लॉक सह समन्वयकों साक्षरता को उनके पद से पृथक करने का प्रस्ताव मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कटनी के समक्ष प्रस्तुत कर उन्हें पृथक करा दिया, ताकि अब अपने मनमाफिक लोगों को रखकर उक्त बजट की बंदरबांट की जा सके।

केंद्र समान वेतन खाता सुविधा लागू करने हेतु कलेक्टर को ज्ञापन

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा कटनी के जिलाध्यक्ष पूर्णेश उइके एवं मीडिया प्रभारी अनिल पांडेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 12 जून को संघ के द्वारा जिला कलेक्टर के नाम का ज्ञापन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कटनी को सौंपा गया जिसमें संघ ने आयुक्त संस्थागत वित्त संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल के पत्रानुसार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा केंद्र सरकार के कर्मचारियों को दिए जाने वाले खाता पैकेज संबंधी सुविधाएं राज्य शासन एवं उसके अधीन कार्यरत निगमध्मंडल व स्वायत्तशासी निकायों के अधिकारियों/कर्मचारियों पर भी लागू कर उन्हें आवास शिक्षा वाहन ओर व्यक्तिगत ऋण पर रियायती ब्याज दर, लाकर किराए और ऋण प्रसंस्करण शुल्क में छूट, खाता धारक को 1.50 करोड़ तक का व्यक्तिगत व हवाई दुर्घटना बीमा, स्थाई एवं आंशिक विकलांगता पर भी 1.50 करोड़ का बीमा, खाता धारक को टर्म लाइफ इंश्योरेंस में अतिरिक्त टॉप अप सुविधा के साथ 20 लाख तक का अधिक लाभ परिवार के लिए व्यापक स्वास्थ्य बीमा कवर डेबिट और क्रेडिट कार्ड पर बेहतर लाभ वित्तीय सेवाएं दिया जाने हेतु उक्त सुविधाओं के संबंध में समस्त अधिकारियों कर्मचारियों को अवगत कराने एवं बैंक खाता पैकेज योजना का लाभ शासकीय सेवकों को दिलाया जाए।

कटनी नगर की कवियित्री मीरा भार्गव वीरेंद्र मिश्र स्मृति पुरस्कार से सम्मानित

कटनी (स्वतंत्रमत)। म.प्र. साहित्य अकादमी के निदेशक विकास दवे द्वारा जारी एक घोषणा अनुसार मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों के 15 साहित्यकारों सहित कटनी नगर की वरिष्ठ साहित्यकार मीरा भार्गव के साहित्यिक अवदान पर उनकी काव्य कृति मीरा मुक्तामणि पर गीत कवि वीरेंद्र मिश्र प्रदेश कृति पुरस्कार 2024 प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। पुरस्कार में 51,000 रु. की राशि, शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र से उन्हें सम्मानित किया जाएगा। म.प्र. साहित्य अकादमी की उक्त घोषणा से कटनी साहित्य जगत हर्षित एवं गौरवान्वित है। तथा अनेक साहित्यिक संस्था संगठनों द्वारा मीरा भार्गव बहन को इस गौरवशाली उपलब्धि हेतु बधाई प्रेषित कर साहित्य अकादमी के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि वर्षों से साहित्य साधना में रत मीरा भार्गव बहन की तीन काव्य कृतियां लहरों की अनुगूँज, प्रेम प्रसून एवं मीरा मुक्तामणि प्रकाशित हैं। जबकि अनेक सहयोगी संकलन में उनकी रचनाएं प्रकाशित हैं। गत वर्ष संस्कारधानी जबलपुर की साहित्यिक- सांस्कृतिक संस्था (कादंबरी) के अखिल भारतीय वार्षिक समारोह में भी आपको उक्त कृति पर सम्मानित किया गया था।

अखिल भारतीय एवं प्रादेशिक कृति पुरस्कार कैलेण्डर वर्ष 2024 के पुरस्कारों की घोषणा

कटनी (स्वतंत्रमत)। साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्, मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग, भोपाल द्वारा अखिल भारतीय एवं प्रादेशिक कृति पुरस्कार कैलेण्डर वर्ष 2024 के पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। अखिल भारतीय प्रति पुरस्कार रुपये 1,00,000/- रुपये एक लाख एवं प्रादेशिक प्रति पुरस्कार रुपये 51,000/- रुपये इक्यावन हजार के साथ शॉल, श्रीफल, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति के साथ रचनाकारों को अलंकृत किया जाता है। साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे ने बताया कि अधिकांश पुरस्कारों हेतु दो श्रेष्ठ कृतियों को संयुक्त रूप से जूरी द्वारा चयनित किया गया है।

अखिल भारतीय कृति पुरस्कार

1. अखिल भारतीय पं. माखनलाल चतुर्वेदी निबंध डॉ. शकुंतला कालरा-दिल्ली की कृति बच्चे और आप एवं अखिलेन्द्र मिश्र-मुम्बई की कृति अभिनय अभिनेता और अध्यात्म, 2. अखिल भारतीय गजानन माधव मुक्तिबोध कहानी चरणसिंह अमी-इंदौर की कृति अतुकांत एवं डॉ. पूजा हेमकुमार अलापुरिया-मुम्बई की कृति कभी पैसा तो कभी किताब, 3. अखिल भारतीय राजा वीरसिंह देव उपन्यास डॉ. वीणा सिन्हा-भोपाल की कृति अग्निगर्भ में जलती पंखुरियाँ एवं सुयश त्यागी-भोपाल की कृति छूटते किनारे, 4. अखिल भारतीय आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचना पवन विजय-गाजियाबाद की कृति मास्क मैनिफेस्टो एवं लहरी राम मीणा-वाराणसी की कृति सृजन के विविध रूप और आलोचना, 5. अखिल भारतीय पं. भवानी प्रसाद मिश्र गीत एवं हिन्दी गजल सुशील साहिल-गोंडा की कृति यहाँ सब लोग हँसते बोलते हैं एवं शैलेन्द्र पाण्डेय-सरायकेला की कृति आईने के जाविये, 6. अखिल भारतीय अटल बिहारी वाजपेयी कविता अजीत कुमार पुरी-दिल्ली की कृति आह्लादित है अयोध्या एवं डॉ. कौशल दुबे-जबलपुर की कृति तथागत, 7. अखिल भारतीय कुवेरनाथ राय ललित निबंध संजीव शर्मा-भोपाल की कृति अयोध्या 22 जनवरी एवं संजय सक्सेना-राजगढ़ की कृति डायरी का मुड़ा हुआ पन्ना, 8. अखिल भारतीय विष्णु प्रभाकर आत्मकथा-जीवनी पं. कमलकांत शर्मा-दतिया की कृति शबरी दर्शन एवं मनीष कुमार पाटीदार-महेश्वर की कृति जिंदगी का सफर किशोर कुमार, 9. अखिल भारतीय निर्मल वर्मा संस्मरण रवीन्द्र कुमार दुबे-इंदौर की कृति एक दुनिया ऐसी भी एवं ऋचा दीपक कर्पे-देवास की कृति प्यादों का सुनहरा सफर, 10. अखिल भारतीय महादेवी वर्मा रेखाचित्र डॉ. प्रीति खरे-भोपाल की कृति नानी का घर ढूँढ़ रही हूँ एवं अशोक पटेल-शहडोल की कृति वनगीता, 11. अखिल भारतीय प्रो. विष्णुकांत शास्त्री यात्रा-वृत्तांत डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी-जयपुर की कृति ओकुहेपा एवं डॉ. शिव कुमार व्यास-जबलपर की कृति हिंदी में यात्रा वृत्तांत, 12. अखिल भारतीय भारतेन्दु हरिश्चन्द्र अनुवाद डॉ. श्रीनिवास शुक्ल सरस-सीधी की कृति लोकपुराण एवं डॉ. दंतू मुरली कृष्ण-भोपाल की कृति जीवन गीता, 13. अखिल भारतीय नारद मुनि फेसबुक/ब्लाग/नेट मनोज जैन मधुर-भोपाल का पेज फेसबुक/ब्लाग/नेट एवं कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल-रायपुर का पेज फेसबुक/ब्लाग/नेट को दिया गया है।

प्रादेशिक कृति पुरस्कार

1. प्रादेशिक वृन्दावन लाल वर्मा उपन्यास ब्रजेश राजपूत-भोपाल की कृति द एवरेस्ट गर्ल एवं गीता शुक्ला गीत-रीवा की कृति चांद मायूस क्यों है, 2. प्रादेशिक सुभद्रा कुमारी चैहान कहानी सूर्यकांत नागर-इंदौर की कृति ग्यारह कहानियाँ एवं कला जोशी-इंदौर की कृति जागते सपने, 3. प्रादेशिक श्रीकृष्ण सरल कविता राजेंद्र कोचला अम्बर-इंदौर की कृति इस देश के लिए एवं गोकुल प्रसाद सोनी-भोपाल की कृति सीता-स्वयंबर, 4. प्रादेशिक आचार्य नंददुलारे वाजपेयी आलोचना रमण रावल-इंदौर की कृति युग पुरुष मोदी एवं डॉ. सांत्वना श्रीकांत-भोपाल की कृति भारतीय नारी स्थिति और गति, 5. प्रादेशिक हरिकृष्ण प्रेमी नाटक विजय बेशर्म-गाड़रवाड़ा की कृति जिंदगी ही नाटक है एवं विवेक रंजन श्रीवास्तव-भोपाल की कृति जलनाद, 6. प्रादेशिक राजेन्द्र अनुरागी डायरी डॉ. अभय अरविन्द बेडेकर-अलीराजपुर की कृति कोरोना योद्धा की संघर्ष कथा, 7. प्रादेशिक पं. बालकृष्ण शर्मा नवीन प्रदेश के लेखक की पहली कृति जवाहर कर्णावत-भोपाल की कृति विदेश में हिंदी पत्राकारिता एवं डॉ. राकेश सिंघई-इंदौर की कृति वक्रोक्ति, 8. प्रादेशिक ईसुरी लोकभाषा विषयक अर्चना मण्डलोई-इंदौर की कृति गेरी-गेरी छाँव एवं सौरभ लाड़-इंदौर की कृति गरीब मनुस का उल्टा पांय, 9. प्रादेशिक हरिकृष्ण देवसरे बाल साहित्य राजा चैरसिया-कटनी की कृति बचपन है फुलवारी एवं नीना सिंह सोलंकी-भोपाल की कृति मुनिया की खुशी, 10. प्रादेशिक नरेश मेहता संवाद, पटकथा लेखन डॉ. मीनाक्षी दुबे-भोपाल की कृति कथा कल्पतरु, 11. प्रादेशिक जैनेन्द्र कुमार जैन लघुकथा देवेन्द्र सिंह सिसोदिया-इंदौर की कृति शुभ मुहूर्त एवं डॉ. यशोधरा भटनागर-देवास की कृति एक मुट्ठी मिट्टी, 12. प्रादेशिक सेठ गोविन्द दास एकांकी डॉ. साधना शुक्ला-भोपाल की कृति नाट्योन्मेष एवं अभिमन्यु जैन-जबलपुर की कृति लोकमाता अहिल्याबाई होलकर, 13. प्रादेशिक शरद जोशी व्यंग्य सुधीर देशपाण्डे-खण्डवा की कृति परम सत्ता से प्रेम एवं डॉ. सौरभ जैन-इंदौर की कृति रील नाम सत्य है, 14. प्रादेशिक वीरेन्द्र मिश्र गीत मीरा भार्गव सुदर्शना-कटनी की कृति मीरा मुक्तामणि एवं अमन अक्षर-मून्दी की कृति एक लड़की, 15. प्रादेशिक दुष्यंत कुमार गजल वृन्दावन राय सरल-सागर की कृति गजलों का गुलशन एवं हरिवल्लभ शर्मा हरि-भोपाल की कृति ये अँधेरों की पैरवी वाले को दिया गया है।

विश्वकप के ओपनिंग मैच में दबदबा बनाए रखने उतरेगी भारतीय महिला टीम

पाकिस्तान उलटफेर के इरादे से उतरेगी

बर्मिंघम, (वार्ता)

हरमनप्रीति कौर की अगुवाई वाली भारतीय महिला आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप 2026 के अपने पहले मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ जीत के साथ करना चाहेगी। वहीं एजबेस्टन स्टेडियम में होने वाले इस मैच में पाकिस्तानी टीम उलटफेर के इरादे से उतरेगी। यह मुकाबला ना केवल ग्रुप-स्टेज अंक तालिका के लिहाज से ही नहीं, बल्कि कई और वजहों से भी अहम है। कागज पर भारत का पलड़ा भारी है, क्योंकि 16 टी-20 मैचों में से 13 में भारत ने जीत हासिल की है। हालांकि, ये आंकड़े इस मैच से जुड़े मानसिक दबाव को पूरी तरह नहीं दिखाते। भारत के लिए चुनौती केवल जीतना नहीं है, बल्कि अपना लंबे समय से चला आ रहा दबदबा बनाए रखना भी है, क्योंकि ऐसे मैचों में पहली गेंद फेंके जाने से पहले ही दबाव बन जाता है।

संतुलन और गहराई के दम पर अपनी पहचान बनाई

हरमनप्रीत कौर उस टीम की कप्तानी कर रही हैं जिसने संतुलन और गहराई के दम पर अपनी पहचान बनाई है। स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा वाला भारत का टॉप ऑर्डर शुरुआत में ही आक्रामक खेल दिखाता है, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष मिडिल और डेथ ओवरों में स्थिरता और फिनिशिंग की ताकत देती हैं। हालांकि, भारत का ज़्यादातर कंट्रोल उनके स्पिन अटैक से आने की उम्मीद है, जिसमें दीप्ति शर्मा, राधा यादव और श्री चरणी की तिकड़ी मैच की गति तय करने और मिडिल ओवरों में स्कोरिंग रोकने में सक्षम है।

पाकिस्तान के साथ इतिहास का बोझ

वहीं, पाकिस्तान के साथ इतिहास का बोझ तो है, लेकिन उन पर उम्मीदों का कोई दबाव नहीं है। टूर्नामेंट से पहले उनकी तैयारी उतार-चढ़ाव भरी रही है, लेकिन कप्तान फातिमा सना एक अहम खिलाड़ी हैं, जो जबरदस्त बल्लेबाजी के साथ-साथ ऑलराउंडर की भूमिका भी निभाती हैं। मुनीबा अली से टॉप ऑर्डर को संभालने की उम्मीद है, जबकि बाकी बल्लेबाजों की ज़िम्मेदारी भारत के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने की होगी। पाकिस्तान के लिए मुख्य चुनौती स्पिन के खिलाफ साझेदारी बनाए रखना और अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलना है। सादिया इकबाल और नश्रा संधू उस बॉलिंग अटैक की अगुवाई करती हैं जो तेज़ गति के बजाय कंट्रोल पर निर्भर है, और भारत की मज़बूत बैटिंग लाइन-अप को रोकने की किसी भी उम्मीद के लिए वे अहम होंगी।

एक संतुलित मुकाबला होने की उम्मीद

पिच की बात की जाये तो एजबेस्टन की पिच पर एक संतुलित मुकाबला होने की उम्मीद है, क्योंकि इस मैदान पर हाल के महिला ञ्20ढ्ढ मैचों में पहली पारी का स्कोर 150-165 के बीच रहा है। हालाँकि हालात के स्थिर रहने की उम्मीद है, लेकिन हाल के मैचों में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीमों को थोड़ी सफलता मिली है, जिससे टॉस के फैसले में रणनीतिक पेचीदगी बढ़ गई है।

ग्रुप ऑफ डेथ में विमेंस टीम इंडिया

विमेंस टीम इंडिया को ग्रुप प-ए में रखा गया है। इस बार इसे ग्रुप ऑफ डेथ कहा जा रहा है। इसमें भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसी मजबूत टीमें हैं। भारतीय टीम 14 जून को पाकिस्तान के बाद 17 जून को नीदरलैंड, 21 जून को साउथ अफ्रीका, 25 जून को बांग्लादेश और 28 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लीग मैच खेलेगी।

स्कॉटलैंड ने आयरलैंड को हराकर अपनी पहली टी 20 विश्व कप जीत दर्ज की

मैनचेस्टर (वार्ता)

शनिवार को मैनचेस्टर में ग्रुप बी के शुरुआती मैच में स्कॉटलैंड ने आयरलैंड पर 40 रन की शानदार जीत के साथ अपना पहला महिला टी 20 वर्ल्ड कप मैच जीता। कैथरीन और सारा ब्राइस के बीच 106 रन की अहम साझेदारी ने स्कॉटलैंड को एक अच्छा स्कोर बनाने में मदद की, और फिर कर्स्टी गॉर्डन और कैथरीन फ्रेज़र ने तीन-तीन विकेट लेकर आयरलैंड की बैटिंग लाइन-अप को ध्वस्त कर दिया।

ओल्ड ट्रैफर्ड में बादल छाए हुए थे और सुबह ठंड थी, ऐसे में स्कॉटलैंड को पहले बैटिंग करने को कहा गया। बारिश के कारण आउटफ़ील्ड धीमी थी और स्कॉटलैंड के ओपनर्स को शुरुआत में गेंद को ठीक से हिट करने में संघर्ष करना पड़ा, जिससे उन्हें रन बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। दोनों ओपनर्स को शुरुआत में जीवनदान मिले लेकिन वे इसका फ़ायदा नहीं उठा सके और पावरप्ले के दौरान लगातार ओवरों में आउट हो गए, जिससे स्कॉटलैंड का स्कोर 37/2 हो गया। इसके बाद ब्राइस बहनों ने मिलकर पारी को आगे बढ़ाया और कुछ देर संभलकर खेलने के बाद तेज़ी से रन बनाए। आधे ओवरों के बाद खेल की गति में साफ़ तेज़ी आई, जिसमें सारा ब्राइस ने कारा मरे के एक ओवर में 20 रन बनाए। इस साझेदारी ने 100 रन का आंकड़ा पार किया और 16 ओवर के बाद स्कॉटलैंड को 142/2 के मज़बूत स्कोर तक पहुँचाया। हालाँकि, आयरलैंड ने डेथ ओवर्स में विकेट लेकर वापसी की।

सारा ब्राइस 17वें ओवर में अपनी फ़िफ्टी से एक रन दूर आउट होने वाली पहली खिलाड़ी थीं। इसके बाद आवा कैनिंग ने 19वें ओवर में आइल्सा लिस्टर और कैथरीन ब्राइस दोनों को आउट करके स्कॉटलैंड की रन गति को और धीमा कर दिया। आखिरी चार ओवरों में कोई बाउंड्री नहीं लगी और स्कॉटलैंड का स्कोर 161/5 रहा। बल्लेबाजी में सबसे ज़्यादा रन बनाने के बाद, कप्तान कैथरीन ब्राइस ने आयरलैंड के चेज़ की शुरुआत में ही अलाना डलज़ेल का तेज़ रिटर्न कैच पकड़कर उन्हें आउट कर दिया। गैबी लुईस ने चौथे ओवर में गैब्रिएला फोंटेनला के खिलाफ़ तीन बाउंड्री लगाकर पलटवार किया, लेकिन आयरलैंड पावरप्ले में सिर्फ़ 31/1 रन ही बना सका। स्कॉटलैंड ने दबाव बनाना जारी रखा और उन्हें कामयाबी तब मिली जब आठवें ओवर में फ्रेज़र की गेंद पर लुईस स्टंप हो गईं। इसके बाद एमी हंटर और ओर्ला प्रेंडरगास्ट ने 30 रन की साझेदारी करके आयरलैंड को मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन 12वें ओवर में फ्रेज़र ने हंटर को आउट कर दिया। उस विकेट के बाद आयरलैंड की पारी लड़खड़ा गई; स्कॉटलैंड की टीम में वापसी करने वाली और 2018 के बाद अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेल रहीं गॉर्डन ने अगले ही ओवर में तीन विकेट चटका दिए।

ब्राज़ील दावेदार लेकिन मोरक्को से रहना होगा सतर्क

न्यूयॉर्क (वार्ता) ग्रुप सी का एक ज़बरदस्त मुक़ाबला होने वाला है, जिसमें पांच बार की चैंपियन ब्राज़ील का सामना अफ़्रीकी दिग्गज मोरक्को से होगा। यह मुक़ाबला न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्टेज के अहम मैचों में से एक है। यह मैच और भी दिलचस्प है क्योंकि यह हेड कोच कार्लो एंसेलोटी के नेतृत्व में ब्राज़ील के नए खिताब अभियान की शुरुआत है। टीम में अनुभवी स्टार और आक्रामक खेल दिखाने वाले खिलाड़ियों का मिश्रण है, जिससे उम्मीदें बहुत ज़्यादा हैं। उनके रास्ते में मोरक्को है, जो हाल के वर्ल्ड कप में एक बड़ी कहानी बनकर उभरा है। कतर 2022 में ऐतिहासिक रूप से चौथे स्थान पर रहने के बाद उन्होंने वैश्विक मंच पर अफ़्रीकी फ़ुटबॉल की छवि बदल दी है। ब्राज़ील इस टूर्नामेंट में विश्व मंच पर अपना दबदबा फिर से कायम करने के इरादे से उतर रहा है। उनकी संभावित आक्रामक तिकड़ी में राफिन्हा, मैथियस कुन्हा और विनीसियस जूनियर शामिल हो सकते हैं।

अमेरिका ने परग्वे को 4-1 से हराया

लॉस एंजिल्स (अमेरिका) (वार्ता)।

फोलारिन बालोगुन के दो गोलों की बदौलत अमेरिका की फुटबॉल टीम ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप डी मुकाबले में पैराग्वे को 4-1 से हरा दिया। आज यहां सोफी स्टेडियम में खेले गये अमेरिका ने पैराग्वे पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। अमेरिका ने विश्व कप मैच में पहली बार चार गोल किए। अमेरिका के लिए बोबाडिला ने एक, बालोगुन ने दो और रेना ने चौथा गोल दागा। वहीं पराग्वे के लिए एकमात्र गोल मौरिसियो ने किया।

मुकाबले की शुरुआत से पहले केटी पेरी के गाने ने माहौल बनाकर दर्शकों और टीमो में जोश भरा। पराग्वे टीम ने तेज शुरुआत का फ़ायदा उठाया; एंटोनियो सनाब्रिया के एक चालाक शॉट पर मैट फ्रीज़ को जल्दी ही बचाव करना पड़ा। इसके बाद तो बस अमेरिका का ही दबदबा रहा। मौरिसियो पोचेटिनो की टीम ने बढ़त बनाई जब वेस्टन मैककेनी ने लेफ्ट विंग पर क्रिश्चियन पुलिसिक को पास दिया। एसी मिलान के इस फ़ॉरवर्ड ने दो डिफेंडरों को छकाया और फिर मैककेनी ने डेमियन बोबाडिला की ओर गेंद बढ़ाई, जिन्होंने गलती से गेंद को अपने ही नेट में डाल दिया। पराग्वे इससे उबर नहीं पाया। अमेरिका की ओर से हमले जारी रहे। सर्जिनो डेस्ट गोल करने के करीब पहुंचे, और फिर फोलारिन बालोगुन ने बॉल को नेट में डाला, लेकिन ऑफ़साइड होने के कारण उसे अमान्य करार दिया गया। कुछ ही देर बाद बालोगुन ने गोल किया। उन्होंने क्रिश्चियन पुलिसिक के पास को गोल में बदला। ब्रेक के बाद, पैराग्वे ने बोबाडिला की जगह अटैकिंग मिडफील्डर मौरिसियो को मैदान पर उतारा और मैच में वापसी की कोशिश की। सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी ने पैराग्वे के गोल दाग कर खेल में नई जान फूंक दी। लेकिन इसके बाद पराग्वे के खिलाड़ी गोल करने में विफल रहे।

आखिरी समय में फ्रीमैन ने राइट फ्लैंक पर वेआ के साथ तालमेल बिठाया और फिर गेंद रेना की तरफ बढ़ाई। रेना बिना किसी रुकावट के 18-यार्ड बॉक्स में पहुंचे और अपने दाहिने जूते के बाहरी हिस्से से शानदार शॉट मारा, जो गोलकीपर को छकाते हुए गोल दागकर अपनी टीम को 4-1 से जीत दिला दी।

पीवी सिंधु और सात्विक-चिराग एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे

नयी दिल्ली (वार्ता)। दो बार की एशियाई खेलों की मेडलिस्ट पीवी सिंधु और 2022 एशियाई खेलों में पुरुषों के डबल्स में गोल्ड मेडल जीतने वाले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी, जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर, 2026 तक होने वाले 20वें एशियाई खेलों में बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। एशियाई खेलों में सबसे बड़े सम्मानों में से एक माने जाते हैं, जहाँ महाद्वीप के बेहतरीन एथलीट देश का गौरव बढ़ाने के लिए एक साथ आते हैं। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बाई) की चयन समिति ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में हालिया प्रदर्शन और 26 मई, 2026 तक की बीडब्ल्यूफ रैंकिंग की समीक्षा करने के बाद टीम को अंतिम रूप दिया। भारत के टॉप-रैंक वाले पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी लक्ष्य सेन के नेतृत्व में, टीम में अनुभवी एच. एस. प्रणय और किदांबी श्रीकांत भी शामिल हैं ।

चावल, गेहूं, दालों के भाव टूटे, तेलों में उतार-चढ़ाव

नयी दिल्ली (वार्ता) घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल का औसत भाव गिर गया। गेहूं और दालों में भी नरमी देखी गया जबकि चीनी महंगी हुई। खाद्य तेलों में घट-बढ़ का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 59 रुपये टूटकर 3,831 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं पांच रुपये सस्ता हुआ और 2,771 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत 14 रुपये बढ़ी। दाल-दलहनों में तुअर दाल की औसत कीमत 58 रुपये और मसूर दाल की 46 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। मूंग दाल 24 रुपये और उड़द दाल नौ रुपये सस्ती हुई। चना दाल की कीमत लगभग पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही पड़ी रही। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल औसतन 93 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सरसों तेल में 54 रुपये और सूरजमुखी तेल में 50 रुपये की तेजी रही। सोया तेल की कीमत 49 रुपये और पाम ऑयल की 22 रुपये बढ़ गयी। वनस्पति 15 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 28 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। चीनी भी 20 रुपये महंगी हुई। दाल चना 7739.86 रुपये, मसूर काली 8105.53 रुपये, मूंग दाल 10159.88 रुपये, उड़द दाल 10887.11 रुपये, तुअर दाल 11229.37 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2771.37 रुपये और चावल 3830.99 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3269.68 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4368.25 रुपये और गुड़ 5101.80 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गिफ्टी सिटी में किया डिलीवरी सेंटर का उद्घाटन

अहमदाबाद (वार्ता)। वैश्विक स्तर पर सूचना प्रौद्योगिकी समाधान एवं सेवाएं प्रदान करने वाली सूचीबद्ध भारतीय कंपनी हेक्सवेयर टेक्नोलॉजीज ने शनिवार को गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में एक नया डिलीवरी सेंटर खोला। कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र-गिफ्ट सिटी में हेक्सावेयर टेक उद्घाटन गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा किया गया।

क्रूड 87 डॉलर के पार, कई शहरों में बदले पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें जारी कीं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के 87 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने के बाद देश के कई शहरों में ईंधन के दामों में बदलाव आया है। हालांकि, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे चारों महानगरों में कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। तेल कंपनियों की घोषणा के अनुसार, गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) में पेट्रोल 22 पैसे महंगा होकर 101.92 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि डीजल में 21 पैसे की बढ़त के साथ यह 95.37 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है।

इसी तरह, बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 11 पैसे चढ़कर 113.65 रुपये और डीजल 14 पैसे महंगा होकर 99.36 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके विपरीत, हरियाणा के गुरुग्राम में उपभोक्ताओं को आंशिक राहत मिली है। यहां पेट्रोल 16 पैसे सस्ता होकर 102.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे की गिरावट के साथ 95.44 रुपये प्रति लीटर के भाव पर आ गया है।

ड्रोन के जरिए दूरस्थ गांव पहुंचेगी डाक : सिंधिया

नयी दिल्ली (वार्ता) संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि ड्रोन आधारित डाक और पार्सल वितरण सेवा के जरिए देश के दूरदराज के गांवों तक तेजी से डाक पहुंचाई जाएगी और इससे डाक सेवाओं को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। श्री सिंधिया ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि हिमाचल प्रदेश में मंडी-रेहड़धार मार्ग पर इंडिया पोस्ट की ड्रोन आधारित डाक एवं पार्सल वितरण सेवा शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों में पहले जिस यात्रा में कई घंटे लगते थे, वह अब वास्तविक समय की निगरानी (रियल टाइम ट्रैकिंग) की सुविधा के साथ मात्र सात मिनट में पूरी हो सकेगी। उन्होंने कहा कि यह पर्यावरण अनुकूल पहल ग्रामीण डाक सेवकों और डाक सहायकों के साथ विभिन्न संवादों के दौरान मिले सुझावों और फीडबैक के आधार पर शुरू की गई है।

इसके तहत डाक एवं पार्सल वितरण को अधिक तेज, कुशल और सुलभ बनाया जाएगा, जिससे दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस सेवा के माध्यम से डाक और पार्सलों की वास्तविक समय में निगरानी की जा सकेगी।

महाराष्ट्र सरकार लघु फिल्म निर्माण के लिए 25 लाख की मदद देगी

मुंबई (वार्ता)। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में अच्छी गुणवत्ता के वृत्तचित्रों और बच्चों की फिल्मों के निर्माण को बढ़ावा देने का फैसला लेते हुए अब वृत्तचित्र और लघु फिल्म निर्माण के लिए 25 लाख रुपये की मदद देने की घोषणा करते हुए बताया कि राज्य सरकार हर साल बच्चों की एक फिल्म बनाएगी। ये घोषणाएं दादासाहेब फाल्के चित्रनगरी के प्रशासनिक कामकाज की समीक्षा की गईं।

शेयर बाजार ने निराशा से ऐतिहासिक छलांग तक का तय किया सफर

वैश्विक नकारात्मक रुझानों और भू-राजनीतिक तनाव से प्रमुख सूचकांकों में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव रहा

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह किसी रोलर-कोस्टर राइड से कम नहीं रहा। वैश्विक नकारात्मक रुझानों और भू-राजनीतिक तनाव के चलते सोमवार को भारी बिकवाली का दबाव देखने को मिला, जिससे प्रमुख सूचकांक धड़ाम हो गए। हालांकि सप्ताह के अंत में निवेशकों की जबरदस्त खरीदारी ने बाजार में तूफानी वापसी दर्ज कराई और सेंसेक्स-निफ्टी नए ऐतिहासिक उच्च स्तरों पर बंद हुए, जो बाजार के लचीलेपन को दर्शाता है। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को बेहद निराशाजनक रही। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े वैश्विक बदलावों के बीच जोखिम से बचने के माहौल ने बाजार को अपनी चपेट में ले लिया। मुनाफावसूली के चलते सेंसेक्स 719.08 अंक लुढ़ककर 73,524.26 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 243.71 अंक टूटकर 23,123.00 के अहम स्तर से नीचे आ गया। यह बिकवाली एशियाई और यूरोपीय बाजारों में भी देखी गई। मंगलवार को बाजार ने शानदार वापसी की और दोनों सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स 394.50 अंक की बढ़त के साथ 73,918.76 पर पहुंचा, वहीं निफ्टी 119.10 अंक मजबूत होकर 23,242.10 पर बंद हुआ। हालांकि बुधवार को बाजार में मिला-जुला रुख दिखा। सेंसेक्स मामूली 64.42 अंक बढ़कर 73,983.18 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 27.15 अंक गिरकर 23,214.95 पर लाल निशान में रहा। इस दौरान रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिरावट जारी रही। गुरुवार को एक बार फिर बाजार में बिकवाली का माहौल दिखा। सेंसेक्स 150.63 अंक फिसलकर 73,832.55 पर आ गया, निफ्टी कमजोर होकर 23,161.60 पर बंद हुआ।

नागरिकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास बनाए रखना पुलिस का पहला कर्तव्य : डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री पुलिस मुख्यालय में आईजी कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को किया संबोधित

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास बनाए रखना पुलिस का पहला कर्तव्य है। पीड़ित व्यक्तियों के साथ विनम्र व्यवहार और उनके हितों की सुरक्षा के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सिंहस्थ-2028, करोड़ों श्रद्धालुओं का आस्था पर्व है। इस आयोजन में संवेदनशीलता, सक्रियता, सतर्कता और सेवा भाव से मध्यप्रदेश पुलिस, आदर्श व्यवस्था का उदाहरण देश-दुनिया में प्रस्तुत कर सकेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित आईजी कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनका अभिवादन किया गया। कॉन्फ्रेंस में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा, अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आईजी स्तर के बाद संभाग स्तर पर भी समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी और वे स्वयं इन बैठकों में शामिल होंगे।

जनजागरूकता को दी जाए सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देशित किया कि साइबर अपराधों की रोकथाम और जनजागरूकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, नशामुक्ति, मानव तस्करी पर नियंत्रण, महिला और बच्चों की सुरक्षा को अधिक सुदृढ़ बनाने तथा धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के संबंध में न्यायालयों द्वारा दिए गए निर्देशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा तथा सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को पुलिस विभाग की प्रमुख प्राथमिकताएं बताते हुए अधिकारियों को प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध, संगठित अपराध, माफिया गतिविधियां, भूमि संबंधी अपराध, सामाजिक चुनौतियों के नए स्वरूप सामने आ रहे हैं। इनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पुलिस को तकनीकी दक्षता, संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई के साथ कार्य करना होगा।

प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए जनजागरण अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादवने मध्यप्रदेश पुलिस की कार्यवाहियों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार के ढाई वर्ष के कार्यकाल में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की गई हैं। मध्यप्रदेश पुलिस के अथक प्रयासों से मंडला और बालाघाट जिले नक्सलवाद की समस्या से मुक्त हुए। मध्यप्रदेश की धरती से लाल सलाम को आखिरी सलाम किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में प्रदेश की धरती से

नक्सलवाद का पूरी तरह सफाया कर दिया गया है। प्रदेश सरकार ने सुशासन की मिसाल प्रस्तुत की है। मध्यप्रदेश, नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने वाला देश का पहला राज्य बना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऐसी अनेकों उपलब्धियों के लिए आज प्रदेशवासी मध्यप्रदेश पुलिस और सुरक्षाबलों पर गर्व करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में संचालित नशामुक्ति अभियान की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और आमजन की सहभागिता से व्यापक जनजागरण अभियान संचालित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखने के लिए जागरूकता, संवाद और सामुदायिक भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राज्य सरकार भर्ती के लिए कर रही है आवश्यक प्रबंधन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार भारत सरकार के नए आपराधिक कानूनों को लागू करते हुए और सभी जरूरी संसाधन जुटाते हुए पुलिस भर्ती प्रक्रिया को जारी रख रही है। अब तक पुलिस विभाग में 22 हजार अलग-अलग पदों पर भर्ती की जा चुकी है।

राज्य सरकार हर साल भर्ती करने के लिए सभी आवश्यक प्रबंधन कर रही है। हमारा प्रयास है कि स्वीकृत पदों में से कोई भी पद खाली न रहे। विकास के क्रम में पुलिस अपनी पूरी क्षमता से सुशासन और प्रदेशवासियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए कार्य करे।

आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ-2028 की तैयारियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि विश्वस्तरीय प्रबंधन की बड़ी चुनौती भी है। इसके लिये अभी से प्रशिक्षण, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, आपदा प्रबंधन तथा आधुनिक तकनीक आधारित सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया जाए। इससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित वातावरण तथा आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था के प्रशिक्षण से प्रदेश में आयोजित होने वाले अन्य बड़े मेलों के प्रबंधन को भी बेहतर बनाया जा सकेगा।

पुलिस को निरंतर सजग रहना होगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार में भोजशाला से संबंधित न्यायालय के निर्णय को मध्यप्रदेश पुलिस ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर लागू कराया। भोजशाला में वसंत पंचमी के अवसर पर शांति पूर्ण स्थिति कायम रखने में भी पुलिस की अहम भूमिका रही। इसके लिए धार प्रशासन और पुलिस बल बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में साम्प्रदायिक ताकतों को नियंत्रण में रखने के लिए पुलिस को निरंतर सजग रहना होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रमुख निर्देश

पेट्रोलिंग के लिए छोटी और तंग गलियों में उपयुक्त व्यवस्था हो, यह सुनिश्चित किया जाए कि पेट्रोलिंग में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं आए। थानों में शुचिता का माहौल बने। वरिष्ठ अधिकारी आकस्मिक निरीक्षण सुनिश्चित करें। वर्षाकाल से पहले नगरीय निकायों के सहयोग से खतरनाक बिल्डिंगों को चिन्हित कर आवश्यक कार्यवाही की जाए। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी बाजार देर रात तक संचालित न हो।

पुलिस कार्यों की त्रैमासिक समीक्षा की नई व्यवस्था आरंभ

कॉन्फ्रेंस में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा कि पुलिस मुख्यालय द्वारा मैदानी पुलिस कार्यों की त्रैमासिक समीक्षा की नई व्यवस्था प्रारंभ की गई है, जिससे शासन की प्राथमिकताओं और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप पुलिस कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित होगी।

पुलिस महानिदेशक मकवाणा ने बताया कि बाल सुरक्षा एवं बाल संरक्षण के क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर गत एक वर्ष के दौरान 14 हजार से अधिक नाबालिगों को संरक्षण एवं सहायता प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि नई आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन, साइबर अपराध नियंत्रण तथा बढ़ते कार्यभार को देखते हुए पुलिस व्यवस्था को और अधिक सक्षम, आधुनिक तथा तकनीक-संपन्न बनाया जा रहा है। बैठक में पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, समस्त जोनल पुलिस महानिरीक्षक, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने की भेंट

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री श्री प्रधान का पुष्प-गुच्छ और अंगवस्त्रम् से अभिवादन किया तथा उन्हें बाबा महाकाल की प्रतिकृति भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भेंट के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री प्रधान को प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में संचालित योजनाओं, नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और कौशल विकास से जुड़ी गतिविधियों से अवगत करवाया।

केंद्रीय मंत्री श्री प्रधान ने राज्य सरकार द्वारा शिक्षा और उच्च शिक्षा में किए जा रहे नवाचारों की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार केंद्र के सहयोग से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, डिजिटल लर्निंग और रोजगारपरक कौशल विकास को प्राथमिकता दे रही है।

शिविर में पहुँचे हितग्राहियों की समस्या का किया गया समाधान

दमोह (स्वतंत्र मत)। विकासखंड जनकल्याण शिविरों के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरण्केण्अठया नोहटा में आयोजित शिविर का निरीक्षण कर पहुंचे नागरिकों से स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित समस्याओं एवं शिकायतों की जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। शिविर दौरान 2 पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाये गये व जननी सुरक्षा योजना भुगतान से संबंधित 5 लोगों की समस्याओं का संतुष्टि पूर्वक समाधान किया गया। डॉ. आरके अठया ने बताया शिविर के बाद क्षेत्र में कोई भी पात्र हितग्राही आयुष्मान कार्ड से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने शिविर में मौजूद स्वास्थ्य अमले को निर्देश दिये कि क्षेत्र के सभी पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनें यह सुनिश्चित किया जायें।

पुलिस मुख्यालय में सुरक्षाकर्मियों को दिया फायर सेफ्टी का प्रशिक्षण

मॉक ड्रिल में आधुनिक उपकरणों के माध्यम से आग बुझाने के सीखे तरीके

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा लगातार पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को फायर सेफ्टी की ट्रेनिंग दी जा रही है। इसी तारतम्य में शनिवार शाम पुलिस मुख्यालय के भूतल पर सुरक्षाकर्मियों एवं कर्मचारियों को स्वयं को सुरक्षित रखते हुए आग पर काबू पाने का प्रशिक्षण दिया गया। अग्नि नियंत्रण संबंधी प्रशिक्षण में आधुनिक उपकरणों द्वारा आग बुझाने की मॉकड्रिल भी की गई। मॉकड्रिल के दौरान तरल पदार्थों में लगी आग को पुलिस के जवानों ने अग्निशमन यंत्रों के प्रयोग से किस तरह आसानी से बुझाई जा सकती है, इसका प्रशिक्षण प्राप्त किया। सुरक्षाकर्मियों ने आग को धुएं और लपटों से बचकर बुझाने का प्रशिक्षण प्राप्त कर आग बुझाने का अभ्यास भी किया। मॉकड्रिल में प्रमुख रूप से पुलिस मुख्यालय के

सुरक्षा इंचार्ज श्री मुकेश सैनी, निरीक्षक विजय नागले, पुलिस फायर स्टेशन भोपाल के एसआई श्री शिवनारायण शर्मा व उनकी टीम उपस्थित थी।

इन उपकरणों का दिया प्रशिक्षण – मॉकड्रिल के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को आग बुझाने में प्रयोग किए जाने वाले आधुनिक उपकरणों के संबंध में जानकारी दी गई। आग बुझाने के दौरान प्रयोग में आने वाले कलेक्टिंग ब्रिज, डिवाइडिंग ब्रिज, फायर मेन हेलमेट, फोम नोजल, अग्निशमन सिलेंडर एवं कॉर्टेज, टॉर्च, रिवॉल्विंग नोजल, यूनिवर्सल ब्रांच, न्यू लाइट(ब्रांच), ऑर्डनरी ब्रांच, एडॉप्टर, जाली, फायर मेन एक्स, लॉक कटर, प्रॉक्सीमेटी सूट, एल्यूमिनियम सूट, कैमिकल सूट, ब्रीदिंग ऑपरेटर सेट, लाइफ जैकेट, हौज पाइप, फायर ब्लैंकेट, अग्निशमन यंत्र आदि की जानकारी दी गई।

5 तरह की होती है आग- बुझाने में बरतें सावधानी – प्रशिक्षण के दौरान एसआई शिवनारायण शर्मा ने बताया कि आग पांच तरह की होती है, जिन्हें बुझाने का तरीका भी अलग-अलग होता है। उन्होंने बताया कि इन्हें ए से इ तक की श्रेणी में रखा गया है। लकड़ी-कोयला में लगी छोटी आग को ए क्लास में रखा गया है। तरल पदार्थों में लगी आग को बी क्लास, गैसों में लगी आग को सी क्लास, मेटल में लगी आग को डी क्लास और इलेक्ट्रिक आग को ई क्लास की श्रेणी में रखा गया है। इन सभी आग को पानी या कैमिकल की मदद से बुझाया जाता है।

अग्नि दुर्घटना होने पर यह करें – फायर ब्रिगेड, पुलिस कंट्रोल रूम, पुलिस थाना, विद्युत विभाग एवं चिकित्सालय को सूचना दें। फायर फायटिंग दल फायर एक्सटिंग्यूशर अथवा पानी या रेत से अग्नि को प्रारंभिक स्थिति में बुझाएं। भवन के विद्युत प्रवाह को मेन स्विच से तत्काल कट-ऑफ करें। फायर अलार्म दल सभी को अग्नि दुर्घटना की चेतावनी अलार्म बजाकर दें।

मुख्यमंत्री यादव ने वैज्ञानिकों को दी बधाई

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सामरिक शक्ति लगातार बढ़ती जा रही है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित बहु-स्तरीय बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली और मध्यम दूरी की एंटी-शिप मिसाइल का सफल परीक्षण रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मिसाइल प्रणाली की अभूतपूर्व सफलता के लिए डीआरडीओ के सभी वैज्ञानिकों और देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

20 को निकलेगी कलश यात्रा

हटा। आगामी 20 जून से हटा शिव शक्ति मंदिर जवाहर वार्ड में आयोजित होने जा रहे शिव परिवार प्राणप्रतिष्ठा आयोजनएदेवीभागवत कथा पुराण और लख्यार्चन जैसे भव्य धार्मिक आयोजनों को लेकर पूरे विधानसभा क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं।

लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करें : एसपी

दमोह (स्वतंत्र मत)।

पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम दमोह में जिले के समस्त थाना चौकी प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न थानों में लंबित अपराध, मर्ग, शिकायतों एवं गुम इंसान संबंधी प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक थाना प्रभारी से उनके थाना क्षेत्र के लंबित प्रकरणों की जानकारी प्राप्त कर उनके निराकरण की प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने लंबित अपराधों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना कर आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने, लंबित मर्ग प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने तथा शिकायतों का समय-सीमा में निष्पादन करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक श्री कलादगी ने सीएम हेल्पलाइन से संबंधित शिकायतों पर एवं उनके त्वरित

निराकरण करने के संबंध में एथाना में सीसीटीएनएस साफ्टवेयर में नियमित एवं सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कार्य संपादित करने एतकनीकी संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने तथा संबंधित प्रकरणों में नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाए ताकि नागरिकों का पुलिस पर विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। बैठक में अपराध नियंत्रण, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, स्थायी वारंट एवं गिरफ्तारी वारंटों की तामीली, निगरानी बदमाशों पर प्रभावी कार्रवाई, राहवीर योजना के विषय में तथा कानून.व्यवस्था संबंधी विषयों पर चर्चा की गई। सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्रों में सतत निगरानी रखे, गम्भीर अपराधों में थाना प्रभारी एवं एसडीओपी तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्यवाही करे। रात्रि गश्त नियमित रूप से लगाई जाए, संपत्ति संबंधी अपराधों में पतारसी एवं बरामदगी हेतु निरंतर प्रयास करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज करेंगे उद्यमियों को प्रोत्साहन राशि, भू-आवंटन पत्र और हितलाभ का वितरण

समृद्ध एमएसएमई-विकसित मध्यप्रदेश कार्यक्रम कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में

भोपाल (स्वतंत्र मत)। प्रदेश में उद्यमिता को नई दिशा देने के साथ रोजगार सृजन को गति प्रदान कर विकसित मध्यप्रदेश बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए रविवार 14 जून को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में वृहद कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विभिन्न जिलों के एमएसएमई उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स तथा अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रोत्साहन राशि का वितरण करेंगे। इस दौरान उद्यमियों को भू-आवंटन पत्र, स्टार्टअप नीति अंतर्गत स्वीकृत विभिन्न लाभ और मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत युवाओं को हितलाभ भी वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम में सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप भी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए एमएसएमई उद्यमियों एवं स्टार्टअप प्रतिनिधियों से सीधा संवाद भी करेंगे। संवाद के माध्यम से उद्यमी अपने अनुभव साझा करेंगे तथा राज्य सरकार द्वारा लागू की गई नीतियों और योजनाओं के प्रभाव के बारे में जानकारी देंगे। साथ ही वे उद्यमिता को और अधिक सरल, सुलभ एवं प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव और अपेक्षाएं भी प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप विशेष रूप से विभाग द्वारा प्रदेश में औद्योगिक निवेश, उद्यमिता संवर्धन और रोजगार सृजन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देंगे। प्रमुख सचिव एमएसएमई श्री राघवेंद्र सिंह द्वारा विभाग की प्रमुख उपलब्धियों, योजनाओं एवं भावी कार्ययोजना का उल्लेख किया जाएगा।

कार्यक्रम की थीम समृद्ध एमएसएमई-विकसित मध्यप्रदेश रखी गई है। सूक्ष्म लघु,उद्यम विभाग कार्यक्रम में प्रदेश में औद्योगिक निवेश, उद्यमिता संवर्धन और रोजगार सृजन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को प्रदर्शित करेगा। यह कार्यक्रम प्रदेश के एमएसएमई क्षेत्र, स्टार्टअप पारिस्थितिकी और नवाचार आधारित औद्योगिक विकास को नई ऊर्जा प्रदान करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा एमएसएमई क्षेत्र को आर्थिक विकास का प्रमुख आधार मानते हुए निरंतर ऐसी नीतियां और व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं, जिनसे स्थानीय स्तर पर उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा मिले और युवाओं में स्वरोजगार की भावना विकसित हो तथा नवाचार को प्रोत्साहन प्राप्त हो। राज्य की नई औद्योगिक एवं निवेशोन्मुखी नीतियों के परिणामस्वरूप प्रदेश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के विस्तार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। इससे बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं और प्रथम पीढ़ी के उद्यमियों को उद्यम स्थापना के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। संवाद से प्राप्त सुझाव प्रदेश की औद्योगिक एवं स्टार्टअप पारिस्थितिकी को और अधिक सुदृढ़ बनाने में उपयोगी सिद्ध होंगे। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि, बैंकिंग संस्थानों के पदाधिकारी, निवेशक, स्टार्टअप संस्थापक, युवा उद्यमी तथा प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए हितग्राही बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे।

नई शिक्षा नीति से खेल और शिक्षा को मिल रही नई दिशा

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने शूटिंग अकादमी में खिलाड़ियों से किया संवाद

भोपाल (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भोपाल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के साथ शूटिंग अकादमी का दौरा किया और खिलाड़ियों से संवाद कर उनके अनुभवों को जाना। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में पहली बार कौशल विकास (स्किल डेवलपमेंट) को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल डिग्री आधारित शिक्षा तक सीमित न रखकर उन्हें कौशल, खेल और नवाचार से जोड़ने का कार्य किया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में खेलों को मिला विशेष स्थान

केन्द्रीय मंत्री श्री प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से खेल और शारीरिक शिक्षा को शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। अब विद्यार्थियों को खेल और पढ़ाई में से किसी एक

का चयन करने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि दोनों क्षेत्रों में समान रूप से आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों और विद्यार्थियों के लिए विशेष कोर्स वर्क तैयार किया जा रहा है, जिससे खेल गतिविधियों और शैक्षणिक उपलब्धियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके।

एपीएआर आईडी से जुड़ेंगी खिलाड़ियों की उपलब्धियां

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि एपीएआर आईडी के माध्यम से विद्यार्थियों और खिलाड़ियों की शैक्षणिक तथा खेल संबंधी उपलब्धियों को एक मंच पर जोड़ा जाएगा। इससे उनकी प्रतिभा और उपलब्धियों का समग्र रिकॉर्ड तैयार होगा, जो भविष्य में शिक्षा और करियर दोनों क्षेत्रों में लाभकारी साबित होगा। उन्होंने बताया कि इंटर-स्पोर्ट्स गतिविधियों को क्रेडिट स्कोर से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, ताकि खेलों में सक्रिय भागीदारी को भी अकादमिक मूल्यांकन का हिस्सा बनाया जा सके।

उच्च शिक्षण संस्थानों में बढ़ रहा खेलों का महत्व

केन्द्रीय मंत्री श्री प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में भी स्पोर्ट्स कोटा की व्यवस्था की गई है। यह कदम खेल प्रतिभाओं को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करने और खेल संस्कृति को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

2036 ओलंपिक और विकसित भारत 2047 का संकल्प

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आने वाले 20 वर्षों में भारत को आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ना है। उन्होंने 2036 ओलंपिक को देश का महत्वपूर्ण लक्ष्य बताते हुए कहा कि खेलों के क्षेत्र में भारत को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। जब देश स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब भारत को विकसित राष्ट्र, आत्मनिर्भर राष्ट्र और विश्व की अग्रणी महाशक्ति के रूप में स्थापित करना हमारा सामूहिक लक्ष्य होगा।

मंत्री सारंग ने दी शूटिंग अकादमी की जानकारी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान को मंत्री श्री सारंग ने मध्यप्रदेश की खेल उपलब्धियों एवं राज्य शूटिंग अकादमी की विशेषताओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भोपाल स्थित शूटिंग अकादमी देश की ही नहीं बल्कि विश्वस्तरीय खेल अकादमियों में शामिल है। यहां अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। मंत्री सारंग ने बताया कि हाल ही में ओलंपिक चयन प्रक्रिया (ट्रायल्स) का आयोजन भी इसी शूटिंग अकादमी में किया गया था, जो इसकी उत्कृष्ट अधोसंरचना और व्यवस्थाओं का प्रमाण है।

20 विवेचकगण प्रशिक्षण में उपस्थित रहे

ई-विवेचना ऐप के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो द्वारा विवेचना के लिए प्रदाय टैबलेट में ई-विवेचना ऐप के संबंध में 1 दिवसीय प्रशिक्षण एसआरपी कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित किया गया। जिसमें ई -विवेचना , ई -साक्ष्य एवं ई-रक्षक अंतर्गत माड्यूल्स केस डायरी, आईआईएफ -2 अपराध विवरण फार्म, धारा 35(3) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहित के तहत नोटिस, आईआईएफ-3 गिरफ्तारी पत्रक, आईआईएफ-4 संपत्ति जप्ती पत्रक, मेडिको लीगल केस एमएलसी, निवारक कार्रवाई ,कलंदर प्रकरण, अज्ञात मृत शरीर ,अप्राकृतिक मृत्यु का पंजीकरण, पंचनामा विवरण जोडना, पोस्टमार्टम निवेदन की तैयारी के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर डाटा क्वालिटी को मद्देनजर रखते हुये प्रशिक्षण दिया गया।

जमीन की जुताई कराने गया था किसान

एक्सीडेंट के बाद खाई से गिरने के कारण किसान की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मझौली के ग्राम गुलौदा में रहने वाले किसान चंदन सिंह की ग्राम इमलिया दमोह रोड पर हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उनका शव एक खाई में मिला है। आज सुबह शिनाख्ती के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस के अनुसार ग्राम गुलौदा निवासी 60 वर्षीय चंदन सिंह दमोह के नोहटा स्थित ग्राम इमलिया माला में खेती है। वे खेत की जुताई कराने के बाद घर जा रहे थे। इस दौरान भारी वाहन ने उनकी बाइक पर पीछे से टक्कर मार दी जिसके बाद वह उछलकर खाई में जा गिरे, जिससे उनके शरीर पर गंभीर चोटें आई और मौत हो गई।

गुरु, शिष्य और कर्मचारियों ने एक साथ किया योगाभ्यास

हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय में दस दिवसीय योग शिविर का हुआ समापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के योग एवं शारीरिक शिक्षा विभाग तथा हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय योग शिविर का 13 जून को सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन समारोह में रादुविवि के कुलगुरु डॉ. राकेश कुमार वर्मा उपस्थित रहे । कार्यक्रम में योग एवं शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. अलका नायक का मार्गदर्शन रहा । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजेश बी धीरावाणी, निदेशक, हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. रोहित मिश्रा, अधिष्ठाता, हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय और जय केशवानी, रजिस्ट्रार, हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय की भी विशेष उपस्थिति रही।

करें योग रहे निरोग

अतिथियों ने अपने उद्बोधन में योग को स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवनशैली का आधार बताते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक एवं आध्यात्मिक उन्नति का भी माध्यम है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में सम्मिलित करने के लिए प्रेरित किया। 4 जून से 13 जून तक आयोजित इस शिविर में प्रतिदिन प्रात: 6:30 बजे से 7:30 बजे तक योगासन, प्राणायाम, ध्यान, गीता पाठ, भक्ति योग एवं विभिन्न योगिक क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। शिविर में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर योग के विविध आयामों का लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम के सफल संचालन एवं प्रशिक्षण में योग मार्गदर्शक गुरुजन डॉ. राजेश कुमार पाण्डेय, डॉ. राकेश गोस्वामी, डॉ. रीना मिश्रा, श्रीमती वंदना यादव एवं डॉ. वर्षा अवस्थी का विशेष योगदान एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

शिविर के आयोजन एवं व्यवस्थाओं में छात्र-छात्राओं हरिओम सोंधिया, शमीमा नियाजी, आस्था पिल्लई, प्रीति कोरी, सल्तनत जहाँ, महेश्वरी एवं अनु कुमारी का योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, योग मार्गदर्शकों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण के लिए योग को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया।

अवैध शराब और महंगाई पर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

प्रदेश सरकार की नीतियों और बढ़ती जनसमस्याओं के खिलाफ कांग्रेस ने मैदानी मोर्चा खोल दिया है। ब्लॉक चरगवां के अंतर्गत आने वाले नयानगर बाजार में शनिवार को संजय यादव के मार्गदर्शन में कांग्रेस पार्टी द्वारा पोल खोल, हल्ला बोल आंदोलन के तहत विरोध प्रदर्शन किया गया। संतोष डहेरिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश की मोहन यादव सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और आक्रोश व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण भी अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन में शामिल हुए। आंदोलन के दौरान मंच से बोलते हुए कांग्रेस वक्ताओं ने वर्तमान सरकार पर तीखे राजनैतिक हमले किए। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि आज ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति बदतर हो चुकी है। गांव-गांव में अवैध रूप से धड़ल्ले से शराब बेची जा रही है, जिससे युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कानून व्यवस्था चरमरा गई है। वहीं, दूसरी तरफ गोवंश की रक्षा के दावे करने वाली सरकार के राज में कई गोशालाएं बंद पड़ी हैं, जिससे आवारा मवेशी सड़कों पर भटकने को मजबूर हैं।

पोल खोल, हल्ला बोल आंदोलन में फूंका सीएम का पुतला

महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त है आम जनता

कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि पेट्रोल-डीजल और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि ने आम नागरिक और मध्यम वर्ग की कमर तोड़कर रख दी है। इसके साथ ही पढ़े-लिखे युवाओं के सामने बेरोजगारी का संकट खड़ा है। प्रदर्शन में मुख्य रूप से संजय यादव, संतोष डहेरिया, मन्नी बाई, समनलू सिंह मरावी, रामकुमार सियाम, हरि चक्रवाती, रामसेवक भलावी उपस्थित रहे।

20 साल बाद इतिहास दोहराएगा रादुविवि

कुलगुरु ने सीएम डॉ. मोहन यादव को दिया न्योता

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रादुविवि का 36वां दीक्षांत समारोह इस बार बेहद ऐतिहासिक होने जा रहा है। 21 जून को आयोजित होने वाले इस समारोह की तैयारियां विवि प्रशासन ने तेज कर दी हैं। इसी सिलसिले में शनिवार को विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की और उन्हें दीक्षांत समारोह का गरिमामयी निमंत्रण पत्र सौंपा। कुलगुरु ने मुख्यमंत्री को आयोजन की भव्यता और तैयारियों की विस्तृत रूपरेखा से अवगत कराया, जिस पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए समारोह में शामिल होने की अपनी सहर्ष सहमति प्रदान की और विवि परिवार को अग्रिम शुभकामनाएं दीं। कुलगुरु प्रो. वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के इतिहास में लगभग 20 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद देश की महामहिम राष्ट्रपति का आगमन जबलपुर होने जा रहा है। इस ऐतिहासिक समारोह की अध्यक्षता मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगु भाई पटेल करेंगे। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार और मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के निदेशक डॉ. अशोक कड़ेल भी मंच साझा करेंगे।

दीक्षांत समिति के संयोजक प्रो. एसएस संधू और प्रो. राकेश बाजपेयी ने बताया कि सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए विभिन्न समितियों के साथ लगातार समीक्षा बैठकें की जा रही हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद का जबलपुर दौरा आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। देश के विकास और जनकल्याण के विजन को लेकर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद 14 जून, रविवार को संस्कारधानी जबलपुर के प्रवास पर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, केंद्रीय मंत्री सुबह 8:30 बजे दिल्ली से वायुयान द्वारा डुमना एयरपोर्ट पहुंचेंगे। दौरे की शुरुआत सुबह 10:30 बजे प्रियदर्शनी कॉलोनी से होगी, जहां वे एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण करेंगे दोपहर 12:00 बजे वे प्रबुद्ध जनसंपर्क के तहत जस्टिस धर्माधिकारी के आवास पर सौजन्य भेंट करने जाएंगे। इस पूरे दौरे का सबसे मुख्य कार्यक्रम दोपहर 3:30 बजे रानीताल स्थित भाजपा संभागीय कार्यालय में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन होगा।

शहर में गूंजी 'स्वराभिनंदन' की तान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कार्य का क्षेत्र चाहे कोई भी हो, व्यक्ति को सफलता, यश और कीर्ति उसकी सच्ची सेवा और अटूट साधना से ही हासिल होती है। इसी सेवा-भाव और कलात्मक साधना को सम्मानित करने के लिए शहीद स्मारक भवन में गुंजन कला सदन 'युवा' और शहीद स्मारक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में भव्य स्वराभिनंदन समारोह में कला, संस्कृति और समाजसेवा से जुड़ी विभूतियों का गर्मजोशी से सम्मान किया गया। समारोह में अजय विश्नोई, अभिलाष पांडे और विख्यात संगीतकार बबलू मैथ्यूज ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिन भी कलाकारों और समाजसेवियों का सम्मान हुआ है, वह उनके विशिष्ट क्षेत्रों में किए गए अनवरत कड़े परिश्रम और साधना का ही मधुर फल है। कार्यक्रम के दौरान तीर्थ स्थान मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष विनोद गौंटिया एवं जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन को सेवाओं को सम्मानित किया गया

सुरीले गीतों से सजी शाम, बही सुर-गंगा

अनिकेत देवक के कुशल निर्देशन में गीतों की शानदार प्रस्तुति दी गई। गायक दिलीप कोरी, अवशेष बेंटिया, सुब्रत पात्रा, राजा सोनी, रवि शुक्ला, ध्रुव मुखर्जी, मयंक विश्वकर्मा, कु. अवनि विश्वकर्मा और राखी मजूमदार ने एक से बढ़कर एक मधुर गीत गाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके पश्चात आलोक पाठक ने आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला, जबकि प्रतुल श्रीवास्तव ने डॉ. आनंद तिवारी की ओर से प्रेषित शुभकामनाएं व्यक्त कीं। समारोह में अतिथियों और कलाकारों का सम्मान करने में नगर के गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सुरेश सराफ, विजय जायसवाल, अभय जैन, नवनीत माहेश्वरी, लायन उमेश जैन सहित पूरी टीम ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। कार्यक्रम का दूसरा चरण कार्यकारी अध्यक्ष हिमांशु तिवारी के उद्बोधन के साथ शुरू हुआ, कार्यक्रम का संचालन राजेश पाठक प्रवीण ने किया।

देशभर के रेलवे स्टेशनों पर होगा व्यापक फायर सेफ्टी ऑडिट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। देशभर के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भारतीय रेलवे द्वारा एक व्यापक फायर सेफ्टी ऑडिट आयोजित करने जा रहा है। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य स्टेशनों पर किसी भी संभावित आगजनी या आपातकालीन स्थिति से निपटने की तैयारियों को परखना और सुरक्षा व्यवस्था को पहले से कई गुना अधिक मजबूत बनाना है। इस हाई-टेक ऑडिट के दायरे में रेलवे स्टेशनों की हर छोटी-बड़ी व्यवस्था को शामिल किया जाएगा। जांच टीमों द्वारा स्टेशन भवनों की बनावट, इलेक्ट्रिकल और वायरिंग सिस्टम, एयर कंडीशनिंग, वेंटिलेशन, आपातकालीन निकास और मुख्य फायर फाइटिंग सिस्टम की बारीकी से समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा, आपातकाल के समय पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने वाले पंपिंग और स्प्रिंकलर सिस्टम को भी टेस्ट किया जाएगा।

मानसून से पहले एक्शन में आया प्रशासन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए जबलपुर जिला प्रशासन और नगर निगम शहर की जल निकासी व्यवस्था को चाक-चौबंद करने में जुट गया है। मानसून के आगमन से पहले जलभराव की संभावित समस्या से निपटने के लिए नालों की सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने प्रशासनिक अमले के साथ शहर के विभिन्न संवेदनशील इलाकों का सघन दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।इस दौरान उन्होंने ओमती ,भूलन, प्रेम नगर और गंगा सागर नाले की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्राउंड जीरो पर मौजूद नागरिकों से जब कलेक्टर और निगमायुक्त ने जलभराव को लेकर सीधा संवाद किया, तो स्थानीय निवासियों ने संतोषजनक प्रतिक्रिया देते हुए कहा, अब हमारे इलाके में पानी नहीं भरता है।

कलेक्टर और निगमायुक्त ने किया नालों और प्लांटों का औचक निरीक्षण

कचरा और सीवेज प्रबंधन पर विशेष जोर

इस दौरान शहर के अपशिष्ट प्रबंधन की रीढ़ माने जाने वाले वेस्ट टू एनर्जी प्लांट और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी निरीक्षण किया गया । कलेक्टर और निगमायुक्त ने प्लांटों की कार्यप्रणाली को समझा और निर्देश दिए कि इन्हें पूरी क्षमता के साथ संचालित किया जाए, ताकि कचरे और सीवेज का वैज्ञानिक व सुरक्षित तरीके से निपटारा हो सके।

अधिकारियों को मुस्तैदी के निर्देश

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने स्वास्थ्य विभाग के अमले को रोजाना कचरा संग्रहण और नालों की सफाई की कड़ी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने साफ किया कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बारिश के दौरान शहर में कहीं भी जलभराव की स्थिति निर्मित नहीं होनी चाहिए। समय रहते सभी बड़े नालों की तली झाड़ सफाई सुनिश्चित की जाए। इस दौरान अरविंद शाह, अशफाक परवेज कुरैशी सहित सभी संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और स्वास्थ्य अमला मौजूद रहा।

घायल यात्री को समय में मिला इलाज

जबलपुर । नागपुर-शहडोल गाड़ी संख्या 11201 में ट्रेन के गेट पर यात्रा करते समय एक यात्री के पैर में गंभीर चोट पहुंची, शुक्रवार की शाम को जबलपुर स्टेशन पहुंचने पर त्वरित चिकित्सा उपलब्ध कराई गई।सोनू निवासी ,सोहागपुर जिला शहडोल नामक यात्री ट्रेन के गेट के पास बैठा हुआ था, पैर ट्रेन से बाहर लटकाने के दौरान वह घायल हो गया। जांच में यात्री के घुटने के नीचे पैर की हड्डी में गंभीर चोट पाई गई तथा फ्रैक्चर होने की संभावना व्यक्त की गई। एंबुलेंस के स्टेशन पहुंचने पर आरपीएफ स्टाफ के सहयोग से घायल यात्री को जिला चिकित्सालय विक्टोरिया, जबलपुर उपचार के लिए भेजा।

बुजुर्ग महिला के सिर पर गिरी पेड़ की टहनी, मौत

जबलपुर। रेलवे स्टेशन क्रमांक 6 के बाहर तेज आंधी-तूफान चलने से आम के पेड़ गिर गया था, जिसकी चपेट में आकर रेलवे की महिला कर्मचारी कमलाबाई के शरीर पर गंभीर चोटें आई। रेलवे में सहायक कार्य के पद पर पदस्थ 58 वर्षीय कमलाबाई बीती शाम आफिस के बाहर काम कर रही थी। इस दौरान तेज-आंधी चली और आम का एक भारी पेड़ गिर गया, जिसकी चपेट में आकर कमलाबाई दब गई। इस बीच कई लोग एकत्र हो गए और उन्होने महिला को किसी तरह बाहर निकाला और रेलवे अस्पताल पहुंचाया। जहां हालत को देखते देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद निजी अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

इंजी. हितेश का शोध पत्र जर्मनी के ग्लोबल जर्नल में प्रकाशित

बिजली क्षेत्र के विशेषज्ञों ने जताई खुशी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एमपी ट्रांसको के जबलपुर मुख्यालय में पदस्थ कार्यपालन अभियंता इंजी. हितेश कुमार तिवारी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का मान बढ़ाया । उनके द्वारा तैयार किए गए उच्च स्तरीय शोध पत्र को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल, द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) सीरीज बी में प्रकाशित किया गया है। यह जर्नल स्प्रिंगर नेचर जर्मनी और स्प्रिंगर इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित किया जाता है, जो वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाले चुनिंदा शोधों को ही अपने मंच पर स्थान देता है। इंजी. हितेश तिवारी का यह शोध ऑप्टिमाइज्ड ट्रांसमिशन सिस्टम नेटवर्क डिजाइन फॉर एफिशिएंट पावर इवैक्यूएशन फ्रॉम 250 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर पार्क विषय पर आधारित है। इस शोध पत्र में 250 मेगावाट के तैरते हुए सौर ऊर्जा प्लांट से उत्पादित बिजली को सुरक्षित, किफायती और कुशल तरीके से ग्रिड तक पहुंचाने के लिए एक अत्याधुनिक ट्रांसमिशन सिस्टम नेटवर्क का डिजाइन पेश किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरा शोध

इस शोध कार्य में इंजी. हितेश तिवारी के साथ सह-लेखक के रूप में जीएलए विश्वविद्यालय ,मथुरा के प्रोफेसर डॉ. संजय कुमार मौर्य और ज्ञान गंगा प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान के प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार चौहान भी शामिल रहे।

टीम ने जेनेटिक एल्गोरिद्म आधारित ऑप्टिमाइजेशन तकनीक और पीएसएसई सिमुलेशन सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए ट्रांसमिशन लाइन के रास्तों, सही वोल्टेज स्तर के चयन और पावर सिस्टम स्टेबलाइजर की स्थापना का बारीकी से विश्लेषण किया। प्रस्तावित नेटवर्क की मजबूती को जांचने के लिए एन-1 कंटिनजेंसी एनालिसिस का उपयोग किया गया, यदि बारिश या आंधी के दौरान सिस्टम का कोई एक बड़ा हिस्सा अचानक बंद भी हो जाए, तब भी बिना किसी रुकावट के बिजली की आपूर्ति जारी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने इसे तकनीकी और आर्थिक रूप से पूरी तरह व्यावहारिक माना है। वर्तमान में एमपी ट्रांसको के प्लानिंग एवं डिजाइन विभाग में कार्यरत इंजी. हितेश तिवारी की इस सफलता को रिन्यूएबल एनर्जी के ग्रिड इंटीग्रेशन और भविष्य के ग्रीन एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में एक मील का पत्थर माना जा रहा है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर मध्य प्रदेश के विद्युत क्षेत्र के तमाम विशेषज्ञों और अधिकारियों ने उन्हें बधाई दी है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**